प्रयागराज, शुक्रवार, 9 दिसम्बर, 2022

पौष मास, कृष्ण पक्ष 1, वर्ष 11, अंक 230, पृष्ठ 12, मूल्य: 5.00

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अंदर- रोहित स्वदेश लौटेंगे अभिमन्यु को टीम में शामिल किया जाएगा

अंदर- और अब डिजिटल करंसी

गुजरात में खिला 'कमल' हिमाचल में चला 'पंजा'

भाजपा ने 156 सीट जीतकर तोड़ा रिकार्ड, हिमाचल में हाथ से फिसली सत्ता

नई दिल्ली। गुजरात में भाजपा ने 156 सीटों के साथ जीत का नया रिकॉर्ड बना दिया है। कांग्रेस ने 1985 में माधव सिंह सोलंकी की अगुआई में 149 विधानसभा सीटें जीती थीं। वहीं, नरेंद्र मोदी के सीएम रहते भाजपा ने 2002 के चुनाव में 127 सीटें जीती थीं। इस जीत के साथ भाजपा ने दोनों रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उट भूपेंद्र पटेल 12 दिसंबर को गांधीनगर में विधानसभा के पीछे हेलीपैड मैदान में शपथ लेंगे।

गुजरात में तो भाजपा ने परचम लहराया ही है, लेकिन मोरबी की जीत पार्टी के लिए खास है। मोरबी में पहले फेज में 1 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। चुनाव से ठीक 31 दिन पहले 30 अक्टूबर को यहां मच्छू नदी पर बना फुट ब्रिज टूटने से 143 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद पीएम मोदी भी हादसे की जगह पर गए थे।

गुजरात की 182 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 156 सीटें जीती हैं। उसे 2017 के मुकाबले 58 सीटों का फायदा हुआ है। वहीं, कांग्रेस को सबसे ज्यादा 60 सीटों का नुकसान हुआ है। पार्टी ने पिछली बार 77 सीटें जीती थीं। इस बार उसे 17 सीटें ही मिली हैं। निर्दलीय और अन्य कैंडिडेट्स ने गुजरात में 4 सीटें जीती हैं। दिलचस्प बात यह है चुनाव प्रचार के दौरान ढट मोदी ने कहा था- नरेंद्र का रिकॉर्ड भूपेंद्र तोड़ेंगे। चुनाव नतीजों में बिल्कुल यही नजर आ रहा है। गुजरात में भाजपा की विराट जीत के बाद पीएम मोदी ने गुजरात की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- गुजरात आपका धन्यवाद। ऐसे नतीजे देखकर मैं अभिभूत हूं। लोगों ने विकास की राजनीति को अपना आशीर्वाद दिया है और यह भी बता दिया है कि वे इस विकास को और भी तेजी से जारी रखना चाहते हैं। मैं गुजरात की जन-शक्ति के आगे सिर झुकाता हूं।

चुनाव परिणाम

भाजपा 150 के पार, कांग्रेस 20 के अंदर सिमटी

मोदी बोले- गुजरात की जन-शक्ति के आगे सिर झुकाता हूं

सभी मंत्री जीते, सीएम बोले- जनता को भाजपा पर भरोसा

12 दिसंबर को गांधीनगर में सीएम की शपथ लेंगे भूपेंद्र पटेल

गुजरात में गुरुवार सुबह 8 बजे से पहले आधे घंटे में पोस्टल बैलेट्स की गिनती के बाद ईवीएम से काउंटिंग शुरू हुई थी। गुजरात भाजपा प्रमुख उफ पाटिल ने बताया कि 12 दिसंबर को दोपहर 2 बजे गुजरात के नए मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। गुजरात के उट भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव का जनादेश अब स्पष्ट हो चुका है, यहां की जनता ने मन बना लिया है कि दो दशक से चली आ रही गुजरात की इस विकास यात्रा को अविरत चालू रखना है। यहां के लोगों ने एक बार फिर भाजपा पर अटूट भरोसा दिखाया है।

'आप' ने पांच सीटें जीतीं, राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला

आम आदमी पार्टी गुजरात में महज 5 सीटें जीत सकी है। उसके तीनों बड़े नेता चुनाव हार गए हैं। इनमें मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार इसुदान गढ़वी, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया और पाटीदार नेता अल्पेश कथीरिया शामिल हैं। इसके बावजूद वोट शेयर के आधार पर आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया है। अब पार्टी पूरे देश में अपने नाम और चुनाव चिह्न के साथ लड़ सकेगी।

हिमाचल में कांग्रेस को बहुमत, पार्टी ने 40 सीटें जीतीः भाजपा 25 पर सिमटी

उधर, हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जनता ने रिवाज कायम रखते हुए राज बदल दिया है। यानी, हर चुनाव की तरह इस बार भी सत्ता बदली है। राज्य की 68 सीटों पर वोटों की गिनती समाप्त हो गई है। अंतिम नतीजों में कांग्रेस ने बहुमत के लिए जरूरी 35 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया है। कांग्रेस 40 सीटें जीत चुकी है। वहीं, भाजपा 25 सीटों पर सिमट गई। 2017 के मुकाबले उसे 19 सीटों का नुकसान हुआ। 3 सीटों पर निर्दलियों ने जीत दर्ज की है। टउऊ चुनाव में भाजपा को हराने वाली आम आदमी पार्टी पहाड़ में खाता भी नहीं खोल पाई। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने नतीजों के बाद इस्तीफा दे दिया। इधर, कांग्रेस ने नए सरकार के गठन के लिए चंडीगढ़ में निर्वाचित विधायकों की कल बैठक बुलाई है। हिमाचल में हर चुनाव में 45 से 75% मंत्रियों के चुनाव हारने का रिकॉर्ड है। इस बार भी जयराम ठाकुर कैबिनेट के 10 में से 8 मंत्री चुनाव हार गए। चुनाव हारने वाले मंत्रियों में सुरेश भारद्वाज, रामलाल मारकंडा, वीरेंद्र कंवर, गोविंद सिंह ठाकुर, राकेश पठानिया, डॉ. राजीव सैजल, सरवीण चौधरी, राजेंद्र गर्ग शामिल हैं। जयराम ठाकुर के अलावा बिक्रम ठाकुर और सुखराम चौधरी ही चुनाव जीत पाए। पिछले 4 चुनाव में करीब पिछले चार चुनाव का रिकॉर्ड देखें तो हर बार करीब आधे या उससे ज्यादा मंत्री चुनाव हार गए हैं। 2017 के चुनाव में कांग्रेस के उट वीरभद्र सिंह कैबिनेट के 11 में से 5 मंत्री चुनाव हार गए। 2012 में भाजपा सरकार में सीएम प्रेम कुमार धूमल के 10 में से 4 मंत्री चुनाव हार गए। 2007 में वीरभद्र सिंह ने एक साल पहले विधानसभा चुनाव कराए, लेकिन उनकी कैबिनेट के 10 में से 6 मंत्री अपनी सीट हार गए।

ओवैसी के सभी 13 कैंडिडेट चित

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआइएमआईएम ने पहली बार गुजरात विधानसभा चुनाव में हिस्सा लिया था। एआइएमआईएम ने कुल 13 में से 2 हिंदू कैंडिडेट भी मैदान में उतारे थे। पार्टी के सभी कैंडिडेट चुनाव हार गए हैं। वडोदरा की वाघोडिया सीट से भाजपा के बागी मधु श्रीवास्तव भी चुनाव हार गए हैं। कुतियाणा में लेडी डॉन संतोकबेन जडेजा के बेटे कांधल जडेजा निर्दलीय कैंडिडेट के तौर पर चुनाव जीत गए हैं।

पिछले 27 साल से भाजपा सत्ता पर काबिज

गुजरात में 1975 के 15 साल बाद यानी 1990 में एक बार फिर गैर कांग्रेसी सरकार बनी, लेकिन रियल टर्निंग पॉइंट आया 1995 में... जब भाजपा ने पहली बार अपने दम पर सरकार बनाई। तब केशुभाई पटेल राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। 2001 में भाजपा ने पटेल को हटाकर नरेंद्र मोदी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद 2002, 2007 और 2012 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने विधानसभा चुनाव जीते। हालांकि राज्य में पिछला यानी 2017 का चुनाव भी भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ही लड़ा था, लेकिन सरकार बचने के बावजूद उसकी सीटें घट गई थीं।

नरेंद्र का रिकॉर्ड भूपेंद्र तोड़ेंगे

पीएम मोदी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान यह बात कही थी कि मुझे भरोसा है कि नरेंद्र का रिकॉर्ड भूपेंद्र तोड़ेंगे, यह अब सही साबित हो गई है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को रिकॉर्ड 156 सीटों पर जीत मिली है। गुजरात का 1960 में गठन हुआ था और उसके बाद से आज तक किसी ने भी इतनी सीटें हासिल नहीं की है। 1985 में कांग्रेस के माधव सिंह सोलंकी की लीडरशिप में कांग्रेस 149 सीटों पर जीती थी। इसे अब तक गुजरात में रिकॉर्ड माना जाता था, जिसे भाजपा तोड़ने की ओर है। भाजपा की यह जीत उसके लिए बड़े तोहफे की तरह है, जो 7वीं बार जीती है।

हिमाचल के सीएम जयराम ने दिया इस्तीफा

मंडी। हिमाचल प्रदेश चुनाव के नतीजों पर राज्य के निवर्तमान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर बोले, जो परिणाम आए हैं वो सभी के सामने हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद सीएम जयराम ठाकुर ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। कहा कि सीटों में अंतर है मगर 1% से भी कम वोट शेयर के अंतर से हम ये चुनाव हारे हैं। हिमाचल के इतिहास में पहली बार कोई पार्टी इतने कम अंतर से जीती है। हिमाचल प्रदेश चुनाव के नतीजों पर राज्य के निवर्तमान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर बोले, जो परिणाम आए हैं वो सभी के सामने हैं। सीटों में अंतर है मगर 1% से भी कम वोट शेयर के अंतर से हम ये चुनाव हारे हैं। हिमाचल के इतिहास में पहली बार कोई पार्टी इतने कम अंतर से जीती है।

हिमाचल कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर मंथन शुरू

सूत्रों के मुताबिक, हिमाचल में जीत के बाद कांग्रेस में उट चेहरे को लेकर मंथन शुरू हो गया है। नई सरकार के गठन को लेकर कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक शुक्रवार को चंडीगढ़ में रखी गई है। इसमें हिमाचल प्रभारी राजीव शुक्ला और छत्तीसगढ़ के उट भूपेश बघेल और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के लिए हिमाचल कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुखविंदर सिंह सुक्खू के नाम पर विचार किया जा रहा है। प्रतिभा सिंह पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी हैं और मंडी लोकसभा सीट से सांसद भी हैं। हिमाचल में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी की हार पर कहा- भाजपा को स्नेह, समर्थन के लिए हिमाचल की जनता का धन्यवाद। हम राज्य की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करते रहेंगे, जनता के मुद्दे उठाएंगे। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने कहा- यह हिमाचल की जनता के मुद्दों की जीत है। जनादेश के लिए जनता का धन्यवाद। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- हिमाचल प्रदेश हम जीते हैं उसके लिए मतदाताओं का धन्यवाद करता हूं। हमारे प्रेक्षक जा रहे हैं और वह तय करेंगे की राज्यपाल से कब मिलना है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और प्रियंका गांधी को धन्यवाद देते हैं क्योंकि उनकी वजह से हम जीते हैं।

गायत्री प्रजापति की साढ़े चार करोड़ की संपत्ति अटैच

लखनऊ। ईडी की टीम ने लखनऊ और अमेठी में पूर्व खनन मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति और उनके परिवार की संपत्तियों को अपने कब्जे में लिया। इस दौरान ईडी ने संपत्तियों पर अपना बोर्ड लगा दिया। सपा के शासन में खनन मंत्री रहे गायत्री प्रजापति फिलहाल जेल में बंद हैं। ईडी की टीम ने लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील के मऊ गांव पहुंची। यहां पूर्व मंत्री के बेटे अनिल प्रजापति के नाम पर खरीदी गई लगभग साढ़े चार बीघे जमीन को अपने कब्जे में लिया।

जनता जनार्दन का आशीर्वाद अभिभूत करने वाला : मोदी

पीएम का संबोधन

गुजरात और हिमाचल प्रदेश की जनता का हृदय से अभिनंदन

नई दिल्ली। गुजरात और हिमाचल प्रदेश चुनाव के नतीजे गुरुवार (8 दिसंबर) को जारी किए गए। गुजरात में मिली बंपर जीत के बाद दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय पर जश्न मनाया गया। पीएम मोदी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी के कई बड़े नेता इस जश्न में शामिल हुए। गुजरात में जहां बीजेपी ने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए 156 सीटों पर परचम लहराया तो वहीं हिमाचल प्रदेश में 25 सीटों पर सिमट कर रह गई। चुनाव नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय पर मौजूद समर्थकों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि जहां पर बीजेपी ने जीत हासिल नहीं की है वहां पर बीजेपी का वोट शेयर गिरा नहीं है। इसलिए, गुजरात और हिमाचल प्रदेश की जनता का हृदय से अभिनंदन है। इसके साथ ही उन्होंने उपचुनावों की चर्चा करते हुए कहा कि यूपी के रामपुर में बीजेपी ने जीत हासिल की है। तो वहीं, पीएम मोदी ने चुनाव आयोग का भी धन्यवाद किया और कहा कि एक भी पोलिंग पर रीपोलिंग करने की नौबत नहीं आई।

हिमाचल प्रदेश के चुनाव नतीजों का जिक्र करते हुए कहा कि इससे पहले कभी भी इतने कम प्रतिशत वोट शेयर के अंतर से हार नहीं हुई। बीजेपी भले ही एक प्रतिशत से कम रह गई लेकिन विकास के लिए प्रतिबद्धता शत प्रतिशत रहेगी। गुजरात विधानसभा चुनावों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता ने इस बार कमाल कर दिया। गुजरात की जनता ने रिकॉर्ड तोड़ने में भी रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान मैंने कहा था कि भूपेंद्र नरेंद्र का रिकॉर्ड तोड़ें जो सच साबित हुआ।

डिंपल मैनपुरी से बनीं पहली महिला सांसद

धरातल की हकीकत समझ नहीं पायी भाजपा, अब तक महिला उम्मीदवारों को मिली है हार

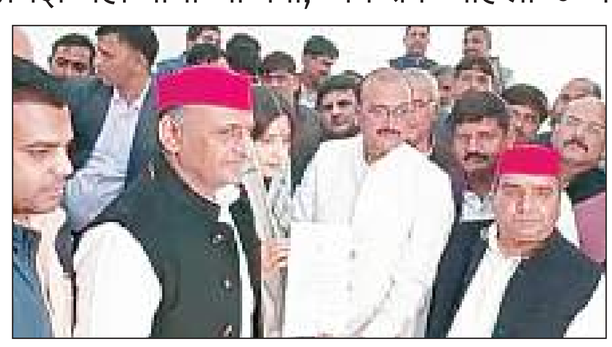

मैनपुरी। मैनपुरी लोकसभा से जीत दर्ज करने के बाद डिंपल यादव ने जहां इतिहास रच दिया है, वहीं डिंपल के नाम एक रिकार्ड भी बन गया है। वह मैनपुरी की पहली महिला सांसद बनी हैं। इस तरह मुलायम कुनबे के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है।

भाजपा के पूरी ताकत लगाने के बावजूद समाजवादी पार्टी न सिर्फ अपना गढ़ बचाने में सफल हुई, बल्कि जिस तरह से जीत का अंतर 2.88 लाख मतों का रहा, उससे जनता के बीच यह संदेश भी गया कि धरातल की हकीकत से बेपरवाह भाजपा सिर्फ हवा में बात कर रही थी, उसके तमाम बड़े नेता और संगठन के धुंरधर अंदर का माहौल भांपने में नाकाम रहे। डिंपल यादव ने 288461 वोटों से भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य को हराया है। डिंपल यादव ने 618120 वोट हासिल किए हैं, जबकि रघुराज शाक्य को 329659 मत मिले हैं। डिंपल को 64.08 प्रतिशत और रघुराज शाक्य को 34.18 फीसदी वोट मिले हैं।

मैनपुरी लोकसभा सीट 1996 में मुलायम सिंह यादव की जीत के साथ पार्टी के कब्जे में है। वहीं यहां महिला उम्मीदवारों की बात करें तो उन्होंने चुनाव लड़ने की कोशिश तो की। लेकिन, मतदाताओं के बीच अपना प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। 2004 के उपचुनाव में कांग्रेस के टिकट पर सुमन चौहान ने यहां से चुनाव लड़ा था। 2009 में भाजपा से तृप्ति शाक्य और और 2014 में बसपा से डॉ. संघमित्रा मौर्या और निर्दलीय प्रत्याशी राजेश्वरी देवी ने अपनी किस्मत आजमायी। लेकिन, उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा. पहली बार मुलायम परिवार की बहू चुनावी मैदान में उतरीं और धमाकेदार जीत दर्ज की। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में डिंपल यादव ने बीजेपी प्रत्याशी रघुराज शाक्य को हरा दिया है। इस जीत के साथ मैनपुरी में 1996 से चला आ रहा सपा का कब्जा बरकरार है। डिंपल यादव की यह तीसरी लोकसभा जीत है। इस जीत ने परिवार को भी एकजुट कर दिया है। चाचा शिवपाल जो पार्टी और अखिलेश से दूरियां बनाकर चल रहे थे वह इस चुनाव में डिंपल के लिए जोरदार प्रचार करते नजर आए।

शिवपाल ने अपनी पार्टी का सपा में विलय किया

लखनऊ। शिवपाल सिंह यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी यानी प्रसपा का विलय समाजवादी पार्टी में हो गया है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल को पार्टी का झंडा सौंपा। अखिलेश ने शिवपाल का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद दोनों काफी देर तक कार्यकर्ताओं के बीच में साथ-साथ बैठे नजर आए। शिवपाल ने कहा कि अब कभी सपा का झंडा गाड़ी से नहीं उतरेगा। अखिलेश और शिवपाल सिंह यादव ने गुरुवार को संयुक्त रूप से सैफई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी विलय की घोषणा की। मैनपुरी उपचुनाव का फाइनल रिजल्ट आने से पहले यूपी की राजनीतिक में बड़ा टर्निंग प्वाइंट देखने को मिला है। इस दौरान वहां शिवपाल यादव और अखिलेश यादव के सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे। जबकि पार्टी का विलय होने के बाद शिवपाल सिंह यादव ने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, "अब 2024 में हम साथ लड़ेंगे। हमारी पार्टी का विलय हो गया है।इससे पहले मैनपुरी में प्रचंड बढ़त के बाद इटावा सपा प्रमुख अखिलेश और शिवपाल यादव इटावा पहुंचे। सबसे पहले अखिलेश यादव मुलायम सिंह की समाधि स्थल पर पहुंचे। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके बाद वह सीधे चाचा शिवपाल यादव से मिलने पहुंचे।

अखिलेश की मौजूदगी में सपा का झंडा थामा बोले- अब झंडा कभी नहीं उतरेगा

रामपुर में टूटा आजम का 40 साल पुराना तिलिस्म

उपचुनाव

रामपुर सदर से पहली बार जीती भाजपा

रामपुर। रामपुर सदर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी बिसात बदलने के साथ ही अर्से पुराना रिवाज भी बदल गया और भाजपा ने आजम खां का 40 साल पुराना सियासी वर्चस्व तोड़कर पहली बार इस क्षेत्र में परचम लहरा दिया। रामपुर सदर विधानसभा सीट के चुनावी इतिहास को देखें तो इससे पहले कभी यहां भाजपा का कोई उम्मीदवार नहीं जीता था।

इस सीट पर पिछले करीब 40 साल से आजम खां ही विधायक रहे। उससे पहले यहां कांग्रेस का वर्चस्व रहा। भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना ने खां के करीबी माने जाने वाले सपा उम्मीदवार आसिम राजा को 33702 मतों से हराकर पहली बार यह सीट भाजपा के नाम दर्ज करा दी। आजम खान करीब 45 साल बाद रामपुर के किसी चुनाव में उम्मीदवार के तौर पर खड़े नहीं थे, लेकिन यह चुनाव भाजपा बनाम आजम खां के तौर पर ही लड़ा गया।

आकाश सक्सेना रामपुर जिले की स्वार सीट से पूर्व विधायक और प्रदेश के पूर्व राज्य मंत्री शिव बहादुर सक्सेना के बेटे हैं। उन्होंने इस बार '50 साल बनाम 50 महीने' का सूत्र लेकर चुनाव लड़ा था। वह अपनी लगभग हर चुनावी सभा में कहते थे कि रामपुर की जनता ने अगर आजम खां को 50 साल दिए हैं तो इस उपचुनाव में उन्हें 50 महीने देकर देखें।

उपचुनाव मतगणना के दौरान आसिम राजा 19वें चक्र तक करीब साढ़े सात हजार मतों से आगे रहे, लेकिन 21वां चक्र आते-आते भाजपा उम्मीदवार सक्सेना ने करीब 12000 मतों से बढ़त बना ली। इसके बाद वह कभी नहीं पिछड़े। रामपुर सदर सीट आजम खां को नफरतभरा भाषण देने के मामले में पिछले महीने 3 साल की सजा सुनाए जाने के कारण उनकी सदस्यता निरस्त होने के चलते रिक्त हुई थी, जिस पर उपचुनाव के तहत पिछली 5 दिसंबर को मतदान हुआ था।हालांकि, सपा ने उपचुनाव में पुलिस तथा प्रशासन पर धांधली और सपा समर्थक मतदाताओं को वोट डालने से जबरन रोकने का आरोप लगाते हुए बुधवार को चुनाव आयोग को पत्र लिखा था, जिसमें उसने रामपुर विधानसभा उपचुनाव को निरस्त कर फिर से मतदान कराने की मांग की थी।

खतौली से मदन भैया 22 हजार वोटों से जीते, यूपी में आरएलडी का बड़ा कमाल

लखनऊ। रालोद-सपा-आसपा गठबंधन ने खतौली उप चुनाव में भाजपा को हराकर विजय हासिल की। रालोद प्रत्याशी मदन भैया ने भाजपा की राजकुमारी सैनी को 22160 मतों से शिकस्त दी। बताया गया कि मदन भैया को 97071 तो भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी सैनी को 74906 वोट मिले हैं। बताया गया कि जिले में गठबंधन की पांच सीट हो गई है। वहीं जीत के बाद रालोद के हिस्से में कुल नौ सीट हो गई है। मुजफ्फरनगर दंगे के मुकदमे में निवर्तमान विधायक विक्रम सैनी की सदस्यता चले जाने के बाद खतौली में उप चुनाव कराया गया। भाजपा ने सैनी की पत्नी कवाल गांव की पूर्व प्रधान राजकुमारी को प्रत्याशी बनाया था। रालोद अध्यक्ष एवं राज्यसभास सांसद जयंत सिंह ने अकेले उप चुनाव का मोर्चा संभाला था। सपा मुखिया अखिलेश यादव खतौली में प्रचार करने नहीं पहुंचे थे।वहीं बसपा चुनाव मैदान से दूर रही।

कुढ़नी में ओवैसी बने सियासी काल

बिहार उपचुनाव

महागठबंधन के लिए काल साबित हुआ 'एमओ' फैक्टर

पटना । कुढ़नी उपचुनाव के कांटे के मुकाबले में बीजेपी के केदार प्रसाद गुप्ता कुढ़नी के किंग बने हैं। केदार प्रसाद गुप्ता ने जेडीयू उम्मीदवार मनोज कुशवाहा को 3632 वोटों से हराकर चुनाव जीत लिया है। बीजेपी के लिए यह बड़ी जीत मानी जा रही है। बीजेपी की जीत पर बीजेपी राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने तंज कसते हुए कहा है कि न लालू प्रसाद के बीमारी का इमोशनल कार्ड काम आया, न जेडीयू द्वारा बहाया गया पैसा, कुढ़नी हार पर इस्तीफा दें नीतीश कुमार। जी हां, कुढ़नी उपचुनाव का रिजल्ट आ गया है। बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने हाल में दावा किया था कि मोकामा उपचुनाव छोटे सरकार अनंत सिंह का चुनाव था। गोपालगंज में पार्टियां चुनाव लड़ रही थीं। वहीं बीजेपी ने जीत दर्ज की। महागठबंधन की सरकार बनने के बाद कुढ़नी में पार्टियों की फाइट है। यहां भी बीजेपी जीतेगी। अब चूकी बीजेपी जीत गई है। एक बार फिर से बहस शुरू हो गई है कि महागठबंधन की हार का कारण कौन रहा। आपको बता दें कि कांटे की टक्कर में कुढ़नी में बीजेपी जीत ही गई है। जीत का अंतर 3645 वोट से रहा। बीजेपी प्रत्याशी को 76653 वोट मिले, वहीं जदयू प्रत्याशी को 73008 वोट ही मिल सके। जीत का अंतर 3645 वोट का रहा। सियासी जानकारों की मानें, तो यहां भी ओवैसी की पार्टी महागठबंधन के गले की फांस बन गई ।

आयुक्त के आदेश पर ग्राम सभा की जमीन की हुई पैमाइश

पैमाइश

ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर कई बीघा ग्राम सभा की जमीन अवैध रूप से कब्जा करने का लगाया आरोप

ग्राम सभा चक सेखलाल उर्फ साधोपुर में ग्राम सभा की जमीन की पैमाइश करते राजस्व टीम

बहरिया। ब्लाक बहरिया के ग्राम सभा चक सेखलाल उर्फ साधोपुर में ग्राम सभा की जमीन पर अतिक्रमण करके अवैध निर्माण कार्य को शुरू करने का ग्राम सभा के निवासी आकाश कुमार एडवोकेट ने जिला अधिकारी प्रयागराज एवं आयुक्त प्रयागराज को प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर दोनों अधिकारियों ने आदेश देते हुए उपजिलाधिकारी फूलपुर को आदेशित किया था। कि आराजी संख्या 370 कई बीघे का रकबा है। जो कि ऊसर ग्रामसभा के खाते में दर्ज है। इसी भूमि पर गांव के दबंग लोगों ने कब्जा करके नव निर्माण कर रहे थे। उसी संदर्भ में आयुक्त के आदेश पर दिन बृहस्पतिवार को राजस्व टीम की एक समिति बनाकर भूमि की पैमाइश करने के लिए फूलपुर के नायब तहसीलदार देवेंद्र प्रताप सिंह, राजस्व निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, लेखपाल विनय सिंह, सुप्रीम सिंह, शिवकुमार, ज्ञान सिंह आदि लोग उक्त भूमि की चारों तरफ से दोनों पक्षों एवं गांव के लोगों के सामने पैमाइश करके अपनी आख्या उपजिलाधिकारी फूलपुर को प्रेषित कर किया। वही ग्रामीणों का कहना है। कि वर्तमान ग्राम प्रधान बैजनाथ यादव द्वारा ग्राम सभा की कई बीघा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है । यहां तक कि जो जमीन ग्राम प्रधान द्वारा कब्जा की गई है। उस जमीन पर गांव के ही 22 लोगों को पट्टा मिला था। जिसको ग्राम प्रधान द्वारा निरस्त करा कर ग्राम सभा की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

दुर्गंध की समस्या का नहीं हुआ समाधान नौनिहाल बेहाल

उरुवा। विद्यालय के बगल से गुजरे गंदे नाले की दुर्गंध से स्कूल में पढ़ने वाले नौनिहाल बेहाल हैं। उक्त समस्या की समाधान के लिए प्रधानाध्यापक सहित शिक्षकों ने बहुत प्रयास किया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उरुवा विकास खंड क्षेत्र के उंचडीह ग्राम पंचायत स्थित संविलियन विद्यालय के बच्चे और शिक्षक गंदे नाले की दुर्गंध से परेशान हैं। जिसके लिए उन्होंने ग्राम प्रधान सहित ब्लॉक के अधिकारियों से उक्त समस्या के निराकरण की मांग की,लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बता दें कि उंचडीह संविलियन विद्यालय के बगल से एक गंदा नाला गुजरता है। जिसमें पूरे बाजार का गंदा पानी बहता रहता है। जिससे निकलने वाली दुर्गंध से विद्यालय के बच्चों का पढ़ना मुश्किल हो रहा है, साथ ही बच्चों के बीमार होने की आशंका भी बनी रहती है। उक्त विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद कुमार शुक्ल ने बताया कि कई बार ग्राम प्रधान सहित ब्लॉक के अधिकारियों से समस्या के निराकरण की मांग की गई, लेकिन नतीजा सिफर रहा।

किसानों के कल्याणार्थ शुआट्स एवं एनबीपीजीआर के मध्य हुआ एमओयू

शुआट्स एवं एनबीपीजीआर के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित

नैनी। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स), प्रयागराज विगत 112 वर्षों से कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रहा है। शुआट्स वैज्ञानिकों द्वारा विकसित कृषि की नई तकनीकों एवं नवाचार का लाभ प्रदेश एवं देश के किसानों को मिल रहा है। किसानों के कल्याण हेतु विभिन्न फसलों के जर्मप्लास्म के आदान-प्रदान, शुआट्स द्वारा विकसित किस्मों की डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिये आईसीएआर के नेशनल ब्यूरो आफ प्लान्ट जेनेटिक रिसोर्सेज (एनबीपीजीआर) एवं शुआट्स ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया।

शुआट्स वैज्ञानिकों ने कुलपति प्रो. राजेन्द्र बी. लाल के मार्गनिर्देशन में विगत दो दशकों में महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं मुख्य फसलों के बीजों का संरक्षण कार्य किया है। शुआट्स द्वारा विकसित गेहू, धान, मक्का एवं अलसी की उन्नत किस्में प्रचलित हो रही हैं।

निदेशक शोध डा. शैलेष मारकर ने बताया कि पुरानी देसी बीजों में वातावरण रोगी एवं कीटों तथा उत्तम गुणवत्ता के जीन्स होते हैं जिनका संरक्षण अत्यन्त आवश्यक है जिससे भविष्य में आने वाली किसी भी आपदा से सामना किया जा सके। विन्ध्यांचल क्षेत्र में परम्परागत खेती, विगत कई वर्षों से की जा रही है जिसमें किसानों द्वारा देशी बीजों का उपयोग किया जाता रहा है। इस क्षेत्र में विभिन्न फसलों के देशी बीजों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए निदेशक शोध डा. शैलेष मारकर एवं उनके सहयोगियों द्वारा विगत 5 वर्षों में 200 देशी किस्मों के बीजों का संग्रह, कैरकटराईजेशन, प्यूरीफिकेशन, मल्टीप्लीकेशन किया गया है एवं इनके जननद्रव्य को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के नेशनल ब्यूरो आफ प्लान्ट जेनेटिक रिसोर्सेज (एनबीपीजीआर), नई दिल्ली स्थित कार्यालय में संरक्षित किया गया है।

विभागाध्यक्ष जेनेटिक एवं प्लान्ट ब्रीडिंग डा. वैदुर्य प्रताप शाही की पहल पर नेशनल ब्यूरो आफ प्लान्ट जेनेटिक रिसोर्सेज, नई दिल्ली के निदेशक डा. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने शुआट्स का भ्रमण किया और शुआट्स द्वारा किये गये अनुसंधान एवं परम्परागत बीजों के संरक्षण की जानकारी प्राप्त की। शुआट्स द्वारा किसानों के कल्याण के लिये किये गये इन प्रयासों से अभिभूत होकर डा. ज्ञानेन्द्र ने शुआट्स एवं एनबीपीजीआर के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किये जिससे कि भविष्य में दोनों संस्थानों के बीच विभिन्न फसलों के जर्मप्लास्म का आदान-प्रदान, शुआट्स द्वारा विकसित किस्मों की डीएनए फिंगर प्रिंटिंग एवं संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा सके।

दो पक्षों में हुई मारपीट

थरवई। थाना क्षेत्र थरवई के बसौधा गांव में बुधवार की सुबह पुरानी रंजिश में दो पक्षों के बीच ईट पत्थर मारपीट हुई जिसमें एक पक्ष फूलचंद यादव 60 वर्ष ममता यादव 30 वर्ष दूसरे पक्ष से अशोक यादव 30 वर्ष अजीत यादव 28 वर्ष घायल हो गए मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने पर लाकर विधिक कार्रवाई करते हुए अशोक यादव अजीत यादव दूसरे पक्ष फूलचंद यादव कुल 3 लोगों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई।

संक्षेप

शार्ट सर्किट से आटो पार्ट की दुकान में लगी आग लाखों का सामान खाक

मेजा । क्षेत्र के रामनगर में एक ऑटो पार्ट की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई जिससे लाखों का सामान जल कर खाक हो गया। गौरतलब हो कि बुधवार को लगभग 9 बजे रात रामनगर बाजार में स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के बगल बालाजी ऑटो पार्ट की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई जब तक लोगों को को जानकारी हुई तब तक दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। दुकानदार के अनुसार लगभग 8 से 9 लाख रुपए का हुआ नुकसान।

अज्ञात अर्धविक्षिप्त महिला की मौत

मेजा। कोतवाली क्षेत्र के मेजारोड बाजार के प्रयागराज रोड पर गुरुवार को एक 65 वर्षीय अज्ञात अर्धविक्षिप्त महिला का शव पाया गया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । पुलिस के अनुसार उक्त महिला के मृत होने की सूचना लगभग एक बजे मिली । मौके पर पहुंचे कोतवाल ज्ञानेश्वर मिश्र ने उक्त महिला की शिनाख्त करने का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाया । बाजार वासियों के अनुसार उक्त महिला काफी समय से भीख मांग कर अपना जीवन यापन कर रही थी आज अचानक मृत देखी गई ।

बुखार की चपेट में आ रहे हर अवस्था के लोग

थरवई। जैसा कि देखा जा रहा इन दिनों बुखार के प्रकोप बढ़ते ही जा रहे जिसमें लोगों को तरह तरह के फीवर लोगों को ले रहा अपनी चपेट में। वहीं दूसरी ओर डेंगू बुखार के भी प्रकोप बढ़ रहे जिसके बचाव के लिए सड़कों गलियों आदि जगहों पर कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव भी किया जा रहा जिससे इस बीमारी से बचाव हो सके व डेंगू मच्छर उत्पन्न न हों सके। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि दवा के साथ साथ घरेलू उपचार भी बहुत आवश्यक है जो कारगर साबित हो रहा जिसमें कुछ ऐसे फल सब्जियां का प्रयोग किया जाए जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सके।

91 बटालियन के अधिकारियों व जवानों ने चलाया सफाई अभियान

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पड़िला स्थित 91 बटालियन रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट अमिताभ कुमार के कुशल निर्देशन में डी कंपनी के उप कमांडेंट प्रमोद यश शिरसत की अगुवाई में प्राथमिक विद्यालय हरीरामपुर के परिसर तथा आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई कराई गई इस दौरान उपस्थित बच्चों शिक्षिकाओं अभिभावकों को साफ सफाई के महत्व और उपयोगिता के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर बटालियन के सहायक कमांडेंट जयेंद्र कुमार पांडेय सहायक कमांडेंट प्रेम कुमार निरीक्षक शशिकांत यादव व शिव प्रकाश दुबे अवधेश मिश्रा विद्यालय की प्रधानाध्यापिका केसरा वर्मा नीलम चित्रा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

डीपीएस के बच्चों ने सिखी नृत्य की बारीकियां

नैनी। दिल्ली पब्लिक स्कूल में स्पिक मैके संस्था की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई, जिसे देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस मौके पर भारतनाट्यम नृत्यांगना रागिनी चंद्रशेखर ने बच्चों को नृत्य की बारीकियों को बताया। साथ ही बच्चों के सवालों का जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। स्कूल की अध्यक्षा सोनू सिंह, प्रधानाचार्या डा. सुजाता सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में नाट्ठवंगम पर अंजना नटराजन, वोकल श्रीराम, मृदंगम पर एमवी चंद्रशेखर, वायलिन पर वीएसके अन्नादुराई ने संगति दी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

विमलेश कुमार (फौजी) ने निखिल मोटर्स का फीता काटकर किया उद्घाटन

बहरिया। बहरिया बाजार में स्थित टीवीएस एजेंसी के सामने दिन बृहस्पतिवार को निखिल मोटर्स एजेंसी का फीता काटकर विमलेश कुमार फौजी ने उद्घाटन किया। इस मौके पर विमलेश कुमार फौजी ने कहा कि आधुनिक युग को देखते हुए अब बैटरी की बाइक लोग इस्तेमाल करेंगे। जिससे दो फायदे होंगे पहला प्रदूषण नहीं फैलेगा दूसरा जो पेट्रोल का दाम आसमान छू रहा है उससे लोगों को निजात मिलेगी। वही निखिल मोटर्स के मालिक निखिलेश कुमार ने बताया कि हम ग्राहकों को पुरानी बाइक लेकर नई बाइक देंगे तथा हमारे यहां फाइनेंस की सुविधा के अलावा हम ग्राहक को अच्छी सर्विस देंगे। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य मीरकपुर मोहम्मद शकील, संत लाल यादव, संजय कुमार प्रजापति, रामकुमार प्रजापति, बच्चा लाल प्रजापति, फूलचंद प्रजापति, बैजनाथ विश्वकर्मा, बबलू कनौजिया आदि लोग मौजूद रहे।

नवनिर्मित ग्राम सचिवालय का लोकार्पण सोमवार को

उरुवा। विकास खंड क्षेत्र उरुवा के ग्राम पंचायत धरमपुर में नवनिर्मित पंचायत भवन/ग्राम संचालक सचिवालय का लोकार्पण समारोह सोमवार को होगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए शिक्षक नेता एवं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि आयोजन की मुख्य अतिथि इलाहाबाद सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी होंगी।

सिरसा की अद्विता केसरी गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड के लिए चयनित

उरुवा। नगर पंचायत सिरसा के रहने वाले रूपेश केशरी की 6 वर्षीय बेटी अद्विता केशरी (एडी) ने अपनी माँ कंचन केशरी के साथ यूट्यूब पर आईडी बनाकर अपनी शिक्षा के जरिए पहचान बनाने में जुट गई। अद्विता महज चार वर्ष की उम्र से सोसल मीडिया पर इंग्लिश ट्रांसलेटर, लैंग्वेज ट्रेनर, स्टोरीटेलर, और कंटेंट क्रिएटर की भूमिका में विश्व भर में अपना नाम रोशन किया है। धीरे-धीरे वर्षों के अंतराल में ही लाखों फालोवर बन गए। बच्ची ने शिक्षा के प्रति गंभीरता दिखाते हुए बेसिकली वीडियोज को पोस्ट करना शुरू किया। नन्हीं बच्ची ने खुद की एक बुक मोर्निंग टू इवनिंग कन्वर्सेशन निकाली। अपने शार्ट विडीयोज व पुस्तक के माध्यम से उसने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने के लिए जमकर मेहनत किया। आखिरकार उसका परिणाम रहा कि बच्ची का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड (लंदन) व गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए चयनित कर लिया गया। बच्ची की माता ने बताया कि वह पढ़ाई में सर्वाधिक रुचि रखती आ रही है। अभी वह यूकेजी की पढ़ाई कर रही है। बिटिया अपनी प्रतिभा से सिरसा के साथ-साथ समूचे भारत का नाम शीर्ष पर ले जाने के बाद ही अपना सपना साकार समझेगी। बच्ची का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने के पश्चात संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला जी के द्वारा सम्मान दिया गया है।

ब्लैक मेलर अपराधियों को तुरंत पकड़ा जा सकता है ' पुलिस चाहे तो'?

नैनी। सोशल मीडिया पर लोगों को ब्लैकमेल करके धन उगाही करने वाले साइबर अपराधियों को पुलिस चाहे तो तुरंत पकड़ सकती है। ये पुलिस की गिरफ्त से बाहर क्यों है? इसका जवाब पुलिस प्रशासन को देना चाहिए !

मामले की जांच करने वाले पुलिस अधिकारियों का कहना है, कि यह लोग फर्जी नंबर से फोन करते हैं । जिससे इनको पकड़ना बहुत मुश्किल है। अनजान काल से बचें और अंजान फोन नंबर न उठाएं। अपराधियों को पकड़ने के बजाय अपराध से बचने के लिए जनता को नसीहत देना ठीक नहीं है?

पुलिस विभाग को यह पता होना चाहिए कि फर्जी नंबर से फोन करके ब्लैकमेल करने वाले लोग भले ही शीघ्र चिन्हित न किए जा सके, न पकड़े जाएं । लेकिन वे जिस मोबाइल सिम का वह प्रयोग करते हैं। उन्हें फर्जी सिम बेचने वाले विक्रेता को तो पकड़ा जा सकता है । फर्जी मोबाइल नंबर जरूर है । लेकिन जिस मोबाइल नंबर का यूज किया जाता है । वह मोबाइल कंपनी तो फर्जी नहीं है । उसे बेचने वाला दुकानदार तो फर्जी नहीं है।

पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर यह तो बड़ी आसानी से पता लगा सकती है, कि जिस मोबाइल फोन नंबर के जरिए लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। वह सिम किस दुकान से खरीदा गया ? सिम बेचने वाले दुकानदार के पास पूरी लिस्ट होती है कि उसने किसको सिम बेचा है? फर्जी सिम दुकानदार के अलावा कोई दूसरा बेच ही नहीं सकता।

मोबाइल कंपनियों को लाइसेंस दिए जाते समय प्रमुख शर्त होती है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति को सिम नहीं देंगे। मोबाइल कंपनियां जिस विक्रेता को सिम देती हैं । उस सिम नंबर का पूरा रिकॉर्ड कंपनी के पास रहता है। सिम बेचने वाले दुकानदार को यह सख्त निर्देश दिया जाता है कि बिना आईडी प्रूफ के किसी को भी सिम न दिया जाए।

यही नहीं सिम बेचने के बाद दुकानदार स्वयं उस व्यक्ति के निवास स्थान पर जाकर यह सुनिश्चित करे कि जिस व्यक्ति को सिम बेचा गया है। वह उस मकान में रहता है अथवा नहीं। मोबाइल कंपनी का सिम बेचने वाला दुकानदार जब इस बात की पुष्टि कर लेता है कि उसने जिसे सिम बेचा है । उसका आईडी प्रूफ सही है और उसे वहां पर रहते हुए पाया गया है। तब दुकानदार की संस्तुति के बाद कंपनी सिम के नंबर को एक्टिवेट करती है । सिम बेचे जाने के बारे में सरकार ने इतने कड़े कानून बना रखे हैं । तो उस कानून के तहत पुलिस प्रशासन के लोग उस दुकानदार को क्यों नहीं पकड़ते हैं ? जिसके यहां से सिम खरीद कर लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है ?

फर्जी सिम बेचने वाले दुकानदारों को जैसे ही पकड़ा जाएगा । पूरा का पूरा गिरोह अपने आप बड़ी आसानी से पकड़ में तुरंत आ जाएगा। दुकानदार यह तुरंत बता देगा कि उसने यह सिम किस को भेजा है । दुकानदार को पकड़े जाने के बाद अपराधी भी पकड़ में आ जाएंगे। अभी पिछले दिनों साइबर सेल साइबर क्राइम ब्रांच पुलिस लाइंस प्रयागराज कार्यालय में नैनी निवासी एक भुक्तभोगी पत्रकार द्वारा न्यूड वीडियो साइबर ब्लैकमेलिंग अपराधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी । शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस के द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पुलिस को लगभग आधा दर्जन मोबाइल नंबर दिए गए हैं । मोबाइल नंबरों को बेचने वाले विक्रेताओं को पुलिस अगर पकड़ ले। तो वह सिम किस अपराधी को बेचे गए । तुरंत पता चल जाएगा।

इन साइबर अपराधियों का इतना आतंक बढ़ गया है कि फोन पर लोगों को डरा धमका रहे हैं । पहले ये लोगों को फोन करते हैं। सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते हैं । एक ही फोटो लगाकर दर्जनों इन्होंने आईडी बना रखी है । जो इनके चंगुल में फंस जाता है । उसे यह ब्लैकमेल करते हैं । शोषण करते हैं । उसे सोशल मीडिया पर बदनाम करने की धमकी देकर लाखों रुपए वसूलते हैं । इनके खौफनाक अपराधिक कृतियों से भयभीत होकर बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया से दूरी बना ली है । शरीफ इज्जतदार लोगों का इन्होंने जीना दुश्वार कर दिया है।

कई घटनाएं सामने आई है कि इस गिरोह के लोगों ने लाखों रुपए की वसूली भी की । कई लोग तो सामाजिक बदनामी से डर कर आत्महत्या के कगार पर पहुंच गए । इन अपराधियों का यह ब्लैकमेलिंग का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है।

इस गिरोह का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि अभी भी लोगों के पास ये फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज रहे हैं। गंदे गंदे मैसेज भेज रहे हैं । सोशल मीडिया पर इनकी अपराधिक गतिविधियां जारी है।

अभी पिछले दिनों नैनी के वरिष्ठ पत्रकार के पास एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। उनको पता था की फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने वाली महिला ने कई नाम से अपनी आईडी बना रखी है । उनके पास गंदे मैसेज भी भेजे गए । बिना कोई रिस्पांस देते हुए उन्होंने उसे तुरंत डिलीट कर दिया। लेकिन सवाल यह है कि पुलिस में शिकायत किए जाने के बावजूद इन अपराधियों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई? कार्रवाई न होने के कारण इनका ब्लैकमेलिंग का धंधा अभी भी पूरे जोर शोर से चल रहा है। साइबर क्राइम थाना प्रयागराज में शिकायत करने वाले नैनी प्रयागराज निवासी वरिष्ठ पत्रकार का कहना, है कि पुलिस को इस मामले में प्रभावशाली कार्रवाई करना चाहिए । ताकि ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हो सके।

मऊआइमा विकास खंड के मुख्य द्वार पर लगे शिलापट का हुआ लोकार्पण

लोकार्पण के दौरान उपस्थित लोग

मऊआइमा। मऊआइमा विकास खंड के नव निर्मित मुख्य द्वार के शिलापट का लोकार्पण विकास खंड अधिकारी और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने किया। जिसमें बडी संख्या में बीडीसी सदस्यों ने भाग लिया।

मऊआइमा विकास खंड के मुख्य गेट नव निर्मित भव्य ढंग से किया गया। जिसमें शिलापट लगा लगाया गया। जिसका लोकार्पण विकास खंड अधिकारी श्याम नारायण चतुर्वेदी एंव ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि इम्तियाज समी ने किया। शिलापट पर ब्लाक प्रमुख अफसरुन निशां, बीडीओ श्याम नारायण चतुर्वेदी और अवर अभियंता असफाक अहमद अंसारी का नाम खुदा है। इसी प्रकार एक अन्य शिलापट भी लगाया गया। जिसमें सभी 92 बीडीसी सदस्यों का नाम खुदा हुआ है। क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपना नाम गेट पर लगे शिलापट खुदा देख कर बहुत खुश नजर आए। उनका कहना था कि आज तक किसी ने इतना सम्मान नहीं दिया। ब्लाक प्रमुख अफसरुन निशां पत्नी इम्तियाज समी ने बताया कि एक भव्य प्रधान संघ का भवन का निर्माण जल्द होगा। जिसमें सभी ग्राम प्रधानों का नाम अंकित रहेगा। ताकि ग्राम प्रधान विकास खंड में आ कर इधर उधर न भटकें वह अपने भवन में बैठें। इस लोकार्पण में क्षेत्र के बीडीसी सदस्यों में लाल चन्द्र मौर्या, फतेह बहादुर पटेल, आफताब अहमद, सलीम अंसारी, उर्मिला देवी, गुडिया देवी, मालती देवी दिलीप सरोज आदि बडी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

आई.टी.आई स्कूल में प्रतियोगिता का आयोजन

नैनी। व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में "संकल्प" योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 2022 "कौशालाथान" मैं प्रतिभाग करने हेतु जिला स्तरीय प्रतियोगिता 16 दिसंबर को व मंडल स्तरीय प्रतियोगिता 20 दिसंबर को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी में संपन्न होगी। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की जन्मतिथि 1 जनवरी 2002 या उसके बाद की होनी आवश्यक है। इस प्रतियोगिता में ऑटो बॉडी रिपेयर, हेयर ड्रेसिंग, ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, हेल्थ एंड सोशल केयर, ब्यूटी थेरेपी, आईटी सॉफ्टवेयर सलूशन फॉर बिजनेस, प्लास्टिक डाई इंजीनियरिंग , सीएनसी मिलिंग, रेफ्रिजरेटर एंड एयर कंडीशन, सीएनसी टर्निंग , रेस्टोरेंट सर्विसेज, इलेक्ट्रॉनिक्स, वेल्डिंग, फैशन टेक्नोलॉजी की प्रतियोगिता होगी। इच्छुक प्रतिभागी निम्न वेबसाइट पर अपना पंजीकरण निःशुल्क करा सकते सकते है। उक्त जानकारी संस्थान के प्रधानाचार्य एस.के.श्रीवास्तव ने दी है।

नहर की समस्या को लेकर जल शक्ति मंत्री से मिले विधायक

विधायक राजमणि कोल जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात करते हुए

कोरांव। सिरसी बांध प्रखंड की सुखदा नहर की लाइनिंग एवं क्षमता वृद्धि की समस्या को लेकर गुरुवार को कोरांव विधायक राजमणि कोल ने प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात की। विधायक ने जल शक्ति मंत्री से उक्त नहर की समस्या को लेकर बताया गया कि लाइनिंग ना होने एवं क्षमता वृद्धि कम होने की वजह से किसानों के खेतों तक पानी पहुंचने में समस्या हो रही है जिसके चलते किसानों की सिंचाई का काम बाधित हो रहा है विधायक ने बताया कि जल शक्ति मंत्री ने समस्या की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभाग विभाग के अधिकारियों से फोन पर वार्ता करते हुए समस्या के निराकरण का निर्देश जारी किया। उल्लेखनीय है कि सुखड़ा नहर से मड़फा घूघा सिरावल के-डवर झरवनिया वेरी पांडेपुर सलैया बर हुला चड़गड़ा अयोध्या पतेहरी गौहानी आदि गांव के किसानों के खेतों की सिंचाई होती है। विधायक ने बताया कि जल शक्ति मंत्री से कोरांव विधानसभा की नहरों की कायाकल्प को लेकर वार्ता हुई है उन्होंने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। उक्त जानकारी विधायक के पीआरओ रामाश्रय शुक्ला ने दी है।

प्रदर्शनी व अभिनय के माध्यम से यातायात नियमों को दर्शा कर बच्चों ने मोहा मन : अरविंद कुमार

बच्चों को संबोधित करते थानाध्यक्ष माण्डा अरविंद कुमार

माण्डा। बीबीएस पब्लिक स्कूल देवा मांडा में बच्चों को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष माण्डा अरविंद कुमार ने कहा कि बच्चों ने पहले ही यातायात नियमों को प्रदर्शनी व अभिनय के माध्यम से मन को मोह लिया। यातायात जागरूकता को लेकर स्कूल में आयोजन किया गया था जिसमें थाना अध्यक्ष मांडा को यातायात के विषय में जानकारी देने के लिए अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। जिसमें यातायात की जानकारी देते हुए अरविंद कुमार गौतम ने कहा यातायात नियमों की जानकारी व जागरूकता से ही दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है और यातायात नियमों के प्रति नव युवकों को जागरूक करना अहम है, क्योंकि देखा जा रहा है कि सोशल मीडिया के माध्यम से नवयुवक रील बना कर स्टंट करते हैं, जिससे गलत संदेश जाता है, इसके साथ ही सरकार की महिला सशक्तिकरण चाइल्ड हेल्पलाइन आदि की जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामकेवल यादव ने बच्चों को सिग्नल की जानकारी दी व स्कूल की प्रधानाचार्य अंजू सहगल ने अच्छी शिक्षा के साथ सड़क यातायात नियमों के बारे में बच्चों को जानकारी दी एवं स्कूल के बच्चे अपने अभिनय के माध्यम से सड़क नियमों के सुरक्षा की कला भी दिखाया जिससे बच्चों ने सभी का मन मोह लिया।

उत्तर मध्य रेलवे
अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest)

भारत के समृद्ध सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के भ्रमण हेतु, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा भारत गौरव ट्रेन चलाने के लिये अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) सेवा प्रदाताओं हेतु आमंत्रित करता है। इस संबंध में इच्छुक व्यक्ति या फर्म भारत गौरव ट्रेन चलाने के लिए वेबसाइट www.bharatgauravtrains.indianrailways.gov.in पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण फीस 01 लाख रुपये है। कोचों का आवंटन उपलब्धता के आधार पर होगा। अधिक जानकारी हेतु महाप्रबन्धक (वाणिज्य) कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, सूबेदारगंज, प्रयागराज से भी दूरभाष क्र. 0532-2223892 पर 11.00 से 17.00 बजे तक प्रत्येक कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है।
1645/22 (A)

नगर निगम अन्नपूर्णा कैन्टीन का लोकार्पण करतीं महापौर अभिलाषा गुप्ता 'नन्दी'

प्रयागराज

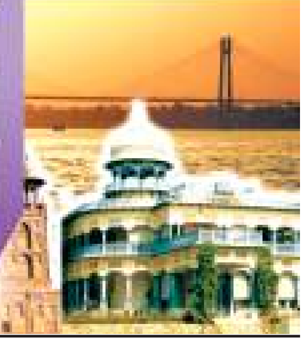

मौसम

अधिकतम : 29.00
न्यूनतम : 15.00
सूर्योदय : 06.19
सूर्यास्त : 05.15

आजादी@75 अमृत महोत्सव नगर सुशोभन अभियान

प्रयागराज। स्वच्छ भारत मिशन के आजादी@ 75 अमृत महोत्सव के अनुपालन में चिन्हित 21 गार्बेज वर्नेबल प्वाइंट के साफ-सफाई कराते हुए सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया गया, एवं शासन द्वारा दिनांक 05.12.2022 से 12.12.2022 तक नगर सुशोभन अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये हैं, सौन्दर्यीकरण कराये गये गार्वेज वर्नेबल प्वाइंट को स्थाई रूप प्रदान किये जाने के साथ ही अन्य गार्बेज वर्नेबल प्वाइंट को चिन्हित करते हुए आज दिनांक 08.12.2022 को क्रास्थवेट कूडा अड्डा की साफ-सफाई कराते हुए सौन्दर्यीकरण कर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया।

डीएम ने स्वरूपरानी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

रजिस्टर अपडेट तथा साफ-सफाई ना होने पर लगाई फटकार

निरीक्षण

प्रदेश में साफ-सफाई के मामले में नंबर वन होने का खुला पोल

प्रयागराज। स्वरूप स्वरूप रानी अस्पताल में प्रदेश में दूसरी बार साफ सफाई के मामला में नंबर वन होने का अस्पताल प्रशासन भी डिंडोरा पीट रहा था वहीं दूसरी तरफ गुरुवार को अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी ने कर्मचारियों को तथा अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है स्वरूप रानी अस्पताल का साफ-सफाई का मामला खोखला साबित नजर आया।

निरीक्षण के दौरान पूंछताछ करते जिलाधिकारी

दरअसल जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने गुरूवार को स्वरूपरानी अस्पताल पहुंच कर ट्रामासेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर भर्ती मरीजों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सालय में प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या के बारे में पूछा तथा कितने मरीज प्रतिदिन भर्ती हुए हैं तथा कितने डिस्चार्ज किए गये हैं, की भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने भर्ती और डिस्चार्ज की प्रक्रिया को आनलाइन किये जाने के निर्देश दिये है। निरीक्षण के दौरान रजिस्टर अपडेट न मिलने पर वहां के फार्माशिष्ट मदन मोहन से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने वहां पर साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक न मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए वेण्डर के बिल से 5 प्रतिशत की कटौती किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने चिकित्सालय में साफ-सफाई के लिए रोस्टर के अनुसार सफाई कर्मियों की ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने चिकित्सकों व अन्य स्टाफ को चिकत्सालय में आने वाले मरीजों से अच्छा व्यवहार करने तथा उनकी अच्छी तरह से देखभाल करने के निर्देश दिए है। उन्होंने चिकित्सालय में लूज तारों व खराब साकेटों को दुरूस्त कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने पूरे हॉस्पिटल के कैम्पस का भ्रमण किया। उन्होंने चिकित्सालय में खाली स्थान पर कर्मचारियों के लिए पार्किंग सेड बनाये जाने को कहा है तथा जिलाधिकारी ने परिसर में बन रहे भवनों के निर्माण हेतु प्रयोग में लायी जा रही सामाग्री को टेक्नीकल टीम बनाकर जांच किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ0 एस0पी0 सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी नानक शरण सहित सभी सम्बंधित चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

जीएसटी के छापे से व्यापार मंडल भयभीत, सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। प्रयागराज व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंड जिलाध्यक्ष सुशांत केसरवानी के नेतृत्व में जीएसटी कार्यालय इन्दिरा भवन सिविल लाइंस में जीएसटी कमिश्नर ग्रेड 2 से मिला जहां जिलाध्यक्ष सुशांत केसरवानी ने प्रदेश के साथ साथ पुरे जिले में जीएसटी विभाग द्वारा सर्वे छापें डाल कर व्यापारियों के शोषण पर रोष व्यक्त किया गया और एक ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम से दिया गया और उनसे निवेदन किया गया की इन छापो को तत्काल रोक जाए इन छापे सर्वे से व्यापारी समाज भयभीत है और दहशत में है इस सर्वे छापे से इंस्पेक्टर राज को और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा व्यापारी समाज हमेशा से भाजपा का कोर वोटर रहा है और यह सरकार को बदनाम करने की साजिश है पिछले कई दशकों से यह सर्वे छापे बंद थे लेकिन विशेष अनुसंधान शाखा द्वारा शिकायत के आधार पर सर्वे का कानून जीएसटी में है लेकिन वर्तमान में प्रदेश में सभी बाजारों में चल रहे सामान्य सर्वे से व्यापारियों में दहशत है अतः संगठन आपसे विनम्र निवेदन करता है की इस सर्वे को बंद करा कर व्यापारियों को राहत प्रदान करने की कृपा करे चेयरमैन मनीष कुमार गुप्ता ने कहा की एक छापा अधिकारी पर तभी एक छापा व्यापारी पर होना चाहिए वरिष्ठ सलाहकार आनंद जी टंडन पप्पन भईया ने कहा की किसी भी बाजार में अगर कोई भी विभाग सर्वे छापा की कार्यवाही करता है तो व्यापार मंडल के क्षेत्रीय पदाधिकारियों को साथ में लेकर जाना चाहिए ताकि व्यापारियों में विश्वास बना रहे बैठक में मुख्य रूप से मनीष कुमार गुप्ता, सुशांत केसरवानी, राजकुमार केसरवानी, आनंद जी टंडन पप्पन भईया, सुशील शुक्ला, प्रशांत पांडे, सुशील जयसवाल, मुसाब खान, अमित गुप्ता, रोशनी अग्रवाल, जूही श्रीवास्तव, अखिलेश मिश्रा, बबलु जारी आदि अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का प्रयागराज प्रथम आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनीस गाजी एडवोकेट का माला पहनाकर किया गया स्वागत

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (अजगर) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनीस गाजी एडवोकेट का जनपद प्रयागराज में प्रथम बार आगमन पर भारतीय किसान यूनियन अजगर के प्रयागराज के जिलाध्यक्ष मुस्ताक अहमद एडवोकेट हाई कोर्ट इलाहाबाद के नेतृत्व में हाई कोर्ट के सामने हनुमान मंदिर चौराहे के पास सारा रेजिडेंसी होटल में माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनीस गाजी एडवोकेट जी ने कहा की किसानों की लड़ाई के लिए भारतीय किसान यूनियन अजगर हर समय लड़ता रहेगा किसानों की बर्बाद हुई फसलों के लिए भी भारतीय किसान यूनियन अजगर के प्रदेश अध्यक्ष सचिन शर्मा जी तथा हमारे नेतृत्व में पूरे प्रदेश में किसानों के लिए ज्ञापन दिया गया यह ज्ञापन भारतीय किसान यूनियन अजगर की प्रत्येक जनपद के जिला कमेटी के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी को दिया गया जो 50 जिले के जिलाधिकारियो के माध्यम से भेजा गया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनीस गाजी जी ने कहा कि किसानों के गन्ने का भुगतान तथा बर्बाद हुई फसलों के लिए भी उचित मुआवजा प्रदेश सरकार पर दबाव बनाकर दिलवाया जाएगा किसानों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जिला अध्यक्ष मुस्ताक अहमद एडवोकेट ने कहा जनपद प्रयागराज में शीघ्र ही भारतीय किसान यूनियन अजगर के संगठन का विस्तार किया जाएगा और एक विशाल जनसभा का आयोजन किसानों के लिए किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनीस गाजी जी, प्रदेश अध्यक्ष प० सचिन शर्मा जी को बुलाया जाएगा । और इस अवसर पर कमलेश नारायण तिवारी जी को सिकंदरा बहरिया का नगर अध्यक्ष बनाया गया। और साथ ही आज के इस भव्य कार्यक्रम के इस अवसर पर बुलंदशहर से आए भा०की० यू०अ० के कार्यकर्ता तौसीफ गाजी, सोहेल गाजी, शोएब गाजी व उच्च न्यायालय के अधिवक्तागण पुल्कित अग्रवाल, प्रखर शुक्ला, ऋषभ उपाध्याय, मयंक शर्मा, नितिन कुमार सोनी, हिमांशु द्विवेदी, प्रतीक पांडे, अभिषेक सिंह, आतिफ अहमद जी और कई अधिवक्ता बंधु व भारतीय किसान यूनियन (अजगर) के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

आश्रम पद्धति विद्यालय खाई के प्रधानाचार्य एवं महिला लिपिक की दबंगई

करछना। मंडलीय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय खाई में कार्यरत प्रधानाचार्य एवं महिला लिपिक की दबंगई इतनी बढ़ गई है कि सरकारी कार्य में जबरन बाधक बन गई जो चर्चा का विषय बना हुआ है, बता दें कि दो दिन पहले विद्यालय में सैकड़ों हरे पेड़ों को झाड़ियों की साफ सफाई के नाम पर सैकड़ों हरे शीशम के पेड़ जमीदोज कर दिए गए थे लाखों रूपए की वेश किमती शीशम के 87 हरे पेड़ों को झाड़ियों की साफ सफाई के नाम पर कटवा कर बेचने की तैयारी चल रही थी उसी दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रयागराज, एसडीएम करछना,बन क्षेत्राधिकारी एवं जिला के उच्च अधिकारियों को सूचना मिली तो वुधवार को विद्यालय खाई पहुंचे जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन देकर चले गए, गुरुवार को वन क्षेत्राधिकारी करछना रजनीश परमार्थ अपनी टीम लेकर आश्रम पद्धति विद्यालय खाई पहुंचे अवैध ढंग से कांटे गये सैकड़ों हरे पेड़ों को कारवाई करते हुए लकड़ी को कस्टडी में ले कर गाड़ी से जाने लगें तो ट्रैक्टर एवं मैजिक पर लोड रास्ते में गाड़ी के आगे विद्यालय की लिपिक अंजिका मोना शर्मा ने स्कूटी खडी कर जबरन वन बिभाग के वन दरोगा दिलीप कुमार वाजपेई एवं आर पी सोनकर व अन्य कर्मचारियों से दबंगई से लकड़ी नहीं जाने दिया,यह घटनाक्रम देर शाम तक जारी रहा,देर शाम सूचना यूपीएफ टास्क फोर्स को दी गई, खबर लिखे जाने तक जिले से वन विभाग के आला अधिकारी घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके थे, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विद्यालय परिसर में लाखों रूपए के वेश किमती शीशम के सैकड़ों के आसपास पेड चोरी छुपे विना परमिशन के काट कर हजम करने की कोशिश करते हुए विद्यालय के प्रबन्ध तंत्र द्वारा प्रयास किया गया लेकिन पोल खुल जाने पर अब सरकारी अफसरों से दबंगई की गई।

नगर निगम कैन्टीन अन्नपूर्णा का महापौर ने किया लोकार्पण

प्रयागराज। शुक्रवार को को नगर निगम अन्नपूर्णा कैन्टीन का लोकार्पण नगर निगम प्रयागराज में प्रयागराज स्टेशन के सामने मा0 माहापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता 'नन्दी' द्वारा किया गया। इस कैन्टीन में कम दरों पर भोजन वितरण का कार्य किया जाएगा जिसके लिए एन0जी0ओ0 के चयन किया जायेगा। इस दौरान नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज चन्द्र मोहन गर्ग, अरविन्द कुमार राय, अपर नगर आयुक्त, पी0के0 द्विवेदी जन सम्पर्क अधिकारी/मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, जोनल अधिकारी संजय ममगई पर्यावरण अभियन्ता उत्तम वर्मा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 अभिषेक सिंह, अधिषाशी अभियन्ता ए0के0 सिंह, कई मा0 पार्षदगणों, आदि अधिकारीगण एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहें।

सपा की यह जीत भाजपा के कुशासन के अंत का आरम्भ है : नरेन्द्र सिंह

जश्न

मैनपुरी लोकसभा के उप चुनाव में डिम्पल यादव की जीत पर मना जश्न, संगम तट परनिवर्तमान प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में 108 किलो लड्डू का वितरण

मुलायम सिंह यादव अमर रहें, अखिलेश, प्रो. रामगोपाल, आजम खां के साथ शिवपाल यादव जिंदाबाद के भी लगे नारे

प्रयागराज। मैनपुरी लोकसभा के उपचुनाव में सपा उम्मीदवार श्रीमती डिम्पल यादव की जीत पर प्रयागराज में सपा नेताओं, कार्यकताओं ने जीत का जश्न मनाया और एक दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर जीत की बधाई दी। मैनपुरी की मतगणना के परिणाम आते ही संगम स्थित बड़े हनुमान जी के दर्शन, पूजन के उपरांत सपा नेता नरेन्द्र सिंह ने 108किलो लड्डू वितरण कर पार्टी नेताओं एवं समर्थकों संग जीत की खुशी मनाया। पार्टी के संस्थापक, धरतीपुत्र मुलायम सिंह की इस विरासत का दोपहर बाद परिणाम आने पर ढ़ोल-तासे पर नाचते, नारे लगाते हुए सपाइयों ने खुशी मनाई।

इस मौके पर निवर्तमान प्रदेश सचिव श्री नरेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों से कहा कि सपा की यह जीत भाजपा के कुशासन के अंत का आरम्भ है।उन्होंने कहा कि मैनपुरी का उप चुनाव आदरणीय नेताजी को श्रद्धा एवं संविधान की रक्षा का चुनाव है इसलिए जीत का जश्न जनता के बीच मना रहे हैं।उप चुनाव में भाजपा ने जिस तरह से सत्ता का बेजा इस्तेमाल कर लोकतंत्र एवं संविधान की मयार्दा को तार तार किया वह इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज होगा।उन्होंने कहा कि मैनपुरी के हर वर्ग, धर्म, जाति के लोंगो ने सपा प्रत्याशी श्रीमती डिम्पल यादव जी के

सपा की जीत पर जश्न मनाते सपाई

पक्ष में मतदान करके भाजपा के साम्प्रदायिक एवं विघटनकारी मनसूबे को ध्वस्त किया है। नरेन्द्र सिंह ने कहा कि भाजपा के पतन का रास्ता साफ होगया है।2024 में भाजपा केंद्र की सत्ता से बाहर होगी। सपा के पूर्व जिला प्रवक्ता दान बहादुर ह्लमधुरह्व ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के नेतृत्व में पार्टी आगे और मजबूत होगी।मैनपुरी की जीत 2024 का संकेत है।

इस अवसर पर सर्व श्री जगतगुरु आगमाचार्य श्री 1008 श्री रमेश जी महराज, पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, पूर्व अपर महाधिवक्ता कमल सिंह यादव, दान बहादुर मधुर, हिमांशु कुमार सिंह, कुलदीप यादव, सचिन श्रीवास्तव, विक्रम यादव, सुधीर निषाद, रामू माली, भोला पाल आदि मौजूद रहे।

हिमाचल में मिली जीत पर झूमें कांग्रेसी

प्रयागराज। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार जशन मनाया। ब्रस्पतिवार को सिविल लाइन्स स्थित धरना स्थल पर ढोल नागाड़े के साथ पहुचें कांग्रेसियों ने एक दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर पार्टी को मिली जीत की बधाई दी। जिलाध्यक्ष सुरेश यादव और प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी ने कहा की भाजपा के खोखले वादों से तंग आकर जनता ने कांग्रेस पर भरोसा जताया है। पार्टी के जिला प्रवक्ता हसीब अहमद ने कहा की कांग्रेस हमेशा देश के लोगों के साथ उनके लिए खड़ी रही है। चुनावी जुमलेबाजों को आने वाले लोकसभा चुनाव में हरा कर जनता को बीजेपी सरकार से छुटकारा दिलाएंगे।

जीत पर जश्न मनाते कांग्रेसी

जशन मनाने वालो मेंः सुरेश यादव, संजय तिवारी, हसीब अहमद, राकेश पटेल, शाहनवाज असलम, जितेश मिश्रा, निशांत रस्तोगी, अंजुम नाज, शशांक शर्मा, अजीत पासी, मो०हसीन, सिराज अहमद समेत आदि लोग शामिल रहे।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण के लिए 16 तक करें आवेदन

प्रयागराज। मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मधुमक्खियों से शहद उत्पादन के साथ-साथ फसलों में पर-परागण से पौधों की जीवितता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है। कृषि के साथ-साथ अन्य ऐसे अनुपूरक व्यवस्था अपनाये जाने की आवश्यकता है, जिसमें भूमि की ज्यादा जरूरत न हो। इसके लिए वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन (मधुमक्खी) पालन को बढ़ावा देने के उद्देशय से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज में अल्पकालीन मुधमक्खी पालन प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत डेढ़ माह (45 दिवसीय) का प्रशिक्षण सत्र दिनाँक 16 से 31 जनवरी 2023 तक राजकीय मौन पालन प्रशिक्षण केन्द्र, कम्पनीबाग, प्रयागराज पर आरम्भ हो रहा है। यह प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जायेगा, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षार्थियों को रहने व खाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। इस प्रशिक्षण में पुरूष एवं महिलायें भाग ले सकती हैं, जिसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा-08 पास होना आवश्यक है। अधीक्षक राजकीय उद्यान के कार्यालय से सम्पर्क कर निर्धारित प्रारूप पर दिनाँक 16 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ दो सम्भ्रान्त व्यक्तियों या राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र आवश्यक है।

फॉगिंग तथा एन्टी लार्वा का छिड़काव कराया गया

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज द्वारा शुक्रवार को सम्पूर्ण वार्डों-खुल्दाबाद क्षेत्र, मुट्ठीगंज क्षेत्र, कटरा क्षेत्र, अल्लापुर क्षेत्र, नैनी क्षेत्र, मुण्डेरा, बम्हरौली, पीपलगांव, झलवां क्षेत्र, फाफामऊ शान्तिपुरम क्षेत्र, झूंसी नगर पंचायत, आदि क्षेत्र, भुलई का पुरा, नौधरवा, बड़ी बगिया, अम्बेडकर पार्क, मेंहदौरी, चिल्लागांव, हैजा अस्पताल, संजय नगर, गुलाबबाड़ी, भैंसा गोदाम, सदियापुर, काजीपुर, मोरी, हाशिमपुर, बाबा जी बाग आदि, मोरीना स्कूल, उमराव सिंह स्कूल, ज्वाला देवी इण्टर कालेज, अल्फा स्कूल, बचपन प्लेस्कूल, स्वामी विवेकानन्द, सरस्वती शिशुमन्दिर, नजमा स्कूल, कुलभाष्कर आश्रम इण्टर कालेज, आर्य बेसिक प्रा0वि0, किदवई मेमोरियल स्कूल, सेंट ब्वायज स्कूलआदि, मोहक हास्पिटल, आयूषी हास्पिटल, आनन्द हास्पिटल, जे0सी0 मेटर निटी सेन्टर, प्रा0स्वा0केन्द्र, सचान हास्पिटल, मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय, काल्विन हास्प्टिल, आशा ज्योति केन्द्र आदि, जिलाधिकारी कार्यालय, कमिश्नर कार्यालय, कलेक्ट्रेट कार्यालय, आबाकारी कार्यालय, जिला परियोजना कार्यालय, मत्स्य विभाग आदि में फॉगिंग तथा एन्टी लार्वा का छिड़काव किया गया।

रज्जू भैया विवि के सौजन्य से आयोजित हुई खेल प्रतियोगिता

सोरांव। ग्रामीण स्पोर्ट्स क्लब के मैनेजर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद नाइफ की तरफ से गुरुवार को सराय बाहर बाग में खेल का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के आयोजक ग्राम प्रधान सराय बाहर मनोरमा देवी पत्नी राम गणेश मौर्य रहे। जिसमे लंबी कूद, जूडो, हैमर थ्रो, सहित दर्जनों खेलों का आयोजन किया गया। जिसमे बालक वर्ग में लंबी दौड़ में मंजीत सरोज प्रथम पुरस्कार व संजय पाल द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में आदर्श ने बाजी मारी। तथा बालिका वर्ग दौड़ में प्रथम स्थान सविता देवी द्वितीय स्थान अर्पिता देवी तथा तृतीय स्थान सिखा देवी रही वही जूडो प्रतियोगिता में शिवम कुमार विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान व द्वितीय स्थान अनमोल प्रसाद तथा तृतीय स्थान पवन कुमार रहे। वहीं मेंहदी प्रतियोगिता में शिखा भारतीय का प्रदर्शन बहुत ही अच्छा काबिले

मुख्य अतिथि को पुरस्कार देकर सम्मानित करती ग्राम प्रधान मनोरमा देवी

तारीफ रहा। रायफल सूटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवानी पटेल द्वितीय स्थान आराधना व तृतीय स्थान रिंकी देवी ने पुरस्कार के हकदार बने।

वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे रज्जू भैया विश्वविद्यालय की प्रोफेसर आस्था चंद्रा व वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष ने कहीं कि हम यहाँ दैनिक जीवन में खेल के महत्व पर विभिन्न शब्द सीमाओं में विद्यार्थियों के लिए बहुत से निबंध उपलब्ध करा रहे हैं। आजकल, शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों को आमतौर पर निबंध लेखन और पैराग्राफ लेखन का कार्य दिया जाता है। निबंध लेखन किसी भी विषय के बारे में विद्यार्थियों में लेखन क्षमता, कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देता है। यहाँ दिए गए खेल के महत्व पर सभी निबंध सरल और आसान वाक्यों का प्रयोग करके लिखे गए हैं। इसलिए, विद्यार्थी इनमें से कोई भी निबंध अपनी जरुरत और आवश्यकता के अनुसार चुन सकते हैं। इस मौके पर प्रधान पति सराय बाहर राम गणेश मौर्य, ग्राम प्रधान हाजीगंज प्रेम सत्यार्थी, खंड विकास अधिकारी सोरांव धीरेंद्र कुमार यादव, मेवालाल अयोध्या प्रसाद इंटर कॉलेज के गेम टीचर राजकुमार, केवीएम इंटर कॉलेज के गेम टीचर अली अहमद खान, शीतला प्रसाद, जूडो गेम टीचर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद नाइफ प्रियंका सक्सेना प्रोफेसर रज्जू भैया विश्वविद्यालय सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

हिंदू प्रतीकों पर अतिक्रमण के खिलाफ जिले में होगा आन्दोलन : अवधेश

ज्ञापन

संगठन ने जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री को संबोधित भेजा पांच सूत्रीय ज्ञापन

मुख्यालय मंझनपुर तहसील परिसर में विगत 5 वर्षो के अंदर अवैध रूप से एक मजार का किया गया है निर्माण

कौशाम्बी। जिले में विभिन्न स्थानों पर हिंदू धार्मिक प्रतीकों पर अतिक्रमण किया जा रहा है बार-बार चेतावनी के बाद भी जिला प्रशासन प्रतीकों का संरक्षण नहीं कर रहा है। जिस तरीके से कड़ा के ऐतिहासिक जयचंद किले पर अवैध रूप से नई मजारों का निर्माण किया जा रहा है। वह पूरी तरह से मंझनपुर तहसील परिसर के अंदर भी अवैध रूप से एक मजार को निर्माण कर लिया गया है हिंदू जागरण मंच का विरोध और इसे तत्काल हटाने की मांग करता है उक्त बातें जागरण मंच के जिला अध्यक्ष अवधेश नारायण शुक्ल ने गुरुवार को मुख्य मंत्री के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए

इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यदि जिला प्रशासन उनकी मांगों को 15 दिन के अंदर ही पूरी करता है इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित पांच सूत्री ज्ञापन सौंपा जिसमे कड़ा धाम स्थित राजा जयचंद के किले में अवैध रूप से नई कमरों की तामीर की गई है जो कि पूरी तरह से अवैध है और सरकारी जमीन पर कब्जा करने की नियत से है। अतः इसे तत्काल हटाया जाने। मुख्यालय मंझनपुर तहसील परिसर में विगत 5 वर्षो के अंदर अवैध रूप से एक मजार का निर्माण किया गया है। जहां पर दिन भर झाड़-फूंक के नाम पर दर्जनों अनपढ़ लोगों को अंधविश्वास के नाम पर ठगा जाता है। इसे तत्काल तहसील परिसर से हटाया जाने की मांग किया। आपने ज्ञापन को सौंपते हुए उन्होंने मंझनपुर तहसील के मजार तथा राजा जयचंद के किले में बने मजारों मस्जिद जिनका भी लोगों में उल्लेख नहीं है। उनके हटाए जाने की मांग करते हुए इसे पूरी तरह से हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ बताया इस मौके पर उन्होंने कहा कि यदि 15 दिनों के अंदर जिला प्रशासन इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करता तो संगठन इसे हिंदू प्रतीक चिन्हों के खिलाफ प्रशासनिक उदासीनता मानते हुए अनिश्चितकालीन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। जिसकी प्रशासन की पूरी जिम्मेदारी होगी इस मौके पर प्रमुख रूप से अवधेश नारायण, यशवंत सिंह यादव, यदुनंदन सिंह, वेद प्रकाश सत्यार्थी, सोनू भारतीय, शिखर मिश्रा, राजू पासी, रामकरण, सोनू, करण सिंह, यश राज मिश्रा, प्रांजल कुमार, राजेश कुमार मौर्य, दिलीप सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संक्षेप

युवती का मोबाइल छीन दुष्कर्म का प्रयास

कौशाम्बी। कोतवाली इलाके में बुधवार की दोपहर खेत से घर लौट रही युवती को सरेराह रोककर युवक ने मोबाइल छीन लिया। इसके बाद उससे दुराचार का प्रयास किया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित युवक की तलाश शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती बुधवार की दोपहर खेत की ओर गई 2थी। खेत से काम निपटाने के बाद घर लौट रही थी। सूनसान जगह पर पड़ोसी युवक ने उसे रोका और मोबाइल छीन लिया। इसके बाद उससे दुराचार का प्रयास किया। चीखने.चिल्लाने पर आस.पास मौजूद लोग घटना स्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों को देख आरोपित युवक धमकी देते हुए भाग निकला। देर शाम थाने पहुंच पीड़िता ने मामले की नामजद शिकायत की। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

अदालत के आदेश पर दर्ज हुई मारपीट की एफआईआर

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के बरई बंधवा गांव में पड़ोसी के साथ मारपीट करते हुए हवाई फायरिंग करना आरोपितों को महंगा पड़ा। घटना के आठ महीने के बाद पुलिस ने अदालत के आदेश पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपित घर छोड़कर फरार है। बरई बधवां निवासी दुखी लाल ने बताया कि पड़ोसी मोहम्मद कामिल से रंजिश चल रही थी। इसी अदावत में 18 अप्रैल की शाम आरोपित साथियों के साथ घर पर आ गया। आरोपितों ने घर में घुसकर कुनबे को पीटा और दहशत फैलाने को हवाई फायरिंग करते हुए भाग निकले। हमलावरों के जाने के बाद पीड़ित ने थाने में मामले की शिकायत की। आरोप है कि नामजद शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया। पीड़ित अदालत पहुंचा। अदालत के आदेश पर पुलिस ने आरोपित कामिल समेत आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस के रडार पर चोर गिरोह तेज हुई निगरानी

कौशाम्बी। गिरोह बनाकर मकान व दुकान खंगालने वाले चोरों पर पुलिस ने नजर तिरछी हो गई है। पुलिस ने वारदातों में संलिप्त गिरोह की निगहबानी तेज कर दी है। पुलिस ने अधीक्षक ने थानेवार टीम बनाकर कार्रवाई करने का फरमान जारी किया है। दोआबा में इस साल पुलिस रिकॉर्ड में गौर करें तो बीते 11 महीने में करीब 54 चोरी की वारदातें हो चुकी है। चोरों का गिरोह ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम देता रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कुछ वारदातों का खुलासा भी किया पर शत प्रतिशत सफलता नहीं मिली। एक तरफ खुलासा तो दूसरी तरफ गिरोह चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा है। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने चोरों के गिरोह पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। चोरी की वारदातों में संलिप्त एक.एक बदमाश का सत्यापन कराते हुए निगरानी तेज कर दी है। एसपी ने सभी थानेदारों को टीम बनाकर निगहबानी का फरमान जारी किया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में भी सरकारी मशीनरी का बड़ा खेल

लूट खसोट

गंवई दलालों से मिल शादीशुदा जोड़े भी योजना का उठा लेते हैं लाभ

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में नाम अंकित करने को वसूलते हैं रकम

चायल, कौशाम्बी। भाजपा की योगी सरकार गरीब बेटियों के हाथ पीले कराने के लिए सामूहिक विवाह योजना का संचालन कर रही है, ताकि गरीब पात्र लोगों के बेटियों के हाथ पीले हो जाएं और वह अपने जिंदगी ससुराल में खुशहाली से व्यतीत कर सकें। लेकिन सीएम के इस योजना में भी बिचौलियों ने अपना फंडा अख्तियार करने से बाज नहीं आ रहे।

इलाके में लोगों के बीच हो रही चर्चाओ पर जाएं तो कहा जा रहा है कि इसके लिए बकाएदे गांव में दलाल सक्रिय हैं, जिनकी तार क्षेत्र सरकारी मशीनरी स्तर से जुड़ी होती है। मुख्यमंत्री के सामूहिक विवाह योजना में मिल रहे लाभ को पाने के लिए तमाम ऐसे जोड़े भी पहुंचते हैं जिनकी शादी पहले हो चुकी होती है और ऐसे लोग सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अपना नाम अंकित कराने के लिए रकम भी खर्च करते हैं। वैसे यदि चायल विकास खंड क्षेत्र की बात करें तो 28 ग्राम सभाओं में ऐसे कई जोड़ों का नाम अंकित किया गया है जिनकी शादी पहले हो चुकी है। हालांकि इसमें कितनी सच्चाई है यह तो अफसरों के जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगा। अब सवाल इस बात का उठ रहा है कि क्या शादी शुदा जोड़े भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं यह तो जांच का विषय है। हालांकि इलाकाई बृद्धिजीवियों ने इसकी जांच कराकर दोषी पाए जाने वालों पर कार्यवाही कराए जाने की मांग किया है।

डंपर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त

दारानगर, कौशाम्बी। सैनी चौराहा में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार मिट्टी लदे डंपर ने कार में टक्कर मार दिया। हादसे में कार चालक तो बाल-बाल बच गया, लेकिन कार क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा देख आसपास रहे लोग मौके पर पहुंच गए। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई।

जिक्र करें तो फतेहपुर जनपद के सुल्तानपुर घोस थाना क्षेत्र के रहने वाले गोकुल प्रसाद बृहस्पतिवार को अपनी कार में सवार होकर किसी काम से सैनी आ रहे थे। उनका आरोप है कि जैसे ही उनकी कार सैनी चौराहा पर पहुंची कि पीछे से आ रहे डंपर ने टक्कर मार दिया। हालांकि हादसे में उन्हें चोट नहीं आई लेकिन उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई। बहरहाल घटनास्थल पर पहुंची पुलिस व ग्रामीणों ने मामले को शांत कराया। खबर लिखे जाने तक कोतवाली पुलिस ने लिखा पढ़ी नहीं किया था।

बजहा खुर्ररमपुर विद्यालय में आयोजित हुई यातायात जागरूकता गोष्ठी

जागरूकता गोष्ठी

करारी थानाध्यक्ष ने छात्रों सहित ग्रामीणों ने पढ़ाया सुड़क सुरक्षा पाठ

यातायात के नियमों का पालन करने के लिए छात्र-छात्राओं को शपथ भी दिलाई गई

कनैली, कौशाम्बी। विकास खंड अंतर्गत संविलियन विद्यालय बजह खुर्रम पुर में बृहस्पतिवार को यातायात माह जागरूकता अभियान के तहत करारी थानाध्यक्ष चंद्र भूषण मौर्य के निर्देशन में छात्र.छात्राओं व शिक्षकों को जागरूक किया गया। साथ ही यातायात के नियमों का पालन करने के लिए छात्र.छात्राओं को शपथ भी दिलाई गई।

आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुये थानाध्यक्ष चंद्र भूषण मौर्य ने छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को बताया कि जब तक पास में ड्राइविंग लाइसेंस न हो तब तक किसी को वाहन नही चलाना चाहिये। वहीं दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाना चाहिए। क्योंकि हेलमेट लगाने से सिर सुरक्षित रहता है। कहा कि जब भी हादसा होता है। तो सबसे पहले सिर में चोट लगती है। यदि हेलमेट लगाए रहते हैं तो सिर में चोट लगने की संभावना कम रहती है। वही चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट जरूर लगानी चाहिए। यदि कभी भी इमरजेंसी ब्रेक लगाने पड़े तो वाहन में बैठे लोगों के सिर शीशे से नही टकराएंगे। वहीं सड़क पर हमेशा बांई ओर चलना चाहिए। शंकुल प्रभारी राजेश वर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों की जानकारी देने का मकसद उन्हें स्कूल आते समय इसका पालन करना तथा बताए गए नियमों को अपने माता-पिता भाई-बहन को बताते हुए इन नियमों को पालन करने के लिए जागरूक करना है जिससे बढ़ रहे दुर्घटना में अंकुश लगाया जा सके सड़क सुरक्षा छात्र. छात्राओं को यातायात नियमो के पालन करने की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर प्रधानाध्यापक प्रवीण मिश्रा रमेश सिंह अनुपम मो दानिश रमेश सिंह प्रधानाध्यापक प्रवीण मिश्रा विवेक कुमार जागृति केसरवानी वंदना देवी शिक्षक व ग्रामीण मौजूद रहे।

यातायात जागरूकता गोष्ठी में बच्चों को जागरूक करते हुए

देववाणी संस्कृत के उन्नयन हेतु आयोजित की गई प्रतियोगिता

प्रतियोगिता

डाइट प्रचार्य ने प्रतियोगिता के आरंभ में बताया कि संस्कृत देव भाषा है और भारतीयता के पहचान है

कौशाम्बी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंझनपुर में भाषाओं की जननी संस्कृत के उन्नयन एवं उत्थान हेतु उप शिक्षा निदेशक अनिल कुमार के निर्देशन एवं डाइट प्रवक्ता कौशलेंद्र मिश्र के संयोजन में टीएलएम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृत विषय के विभिन्न प्रकरणों को आधार बनाकर प्रतिभागियों द्वारा अनेक नवाचारी टीएलएम बनाये गए। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा के प्रति लोगो के मन में आधुनिकता का भाव जगाने का रहा। डाइट प्रचार्य ने प्रतियोगिता के आरंभ में बताया कि संस्कृत देव भाषा है और भारतीयता के पहचान है। हमारे देश की अनुपम धरोहर संस्कृत ने सम्पूर्ण विश्व मे अपनी अलग पहचान स्थापित की है। अनेकानेक शास्त्र, वेद, पुराण सब संस्कृत भाषा मे विरचित हैं। हमें बचपन से ही संस्कृत भाषा का अध्ययन करना चाहिए जिससे हम अपनी संस्कृति को भली भांति समझ सकें। डाइट प्रवक्ता कौशलेंद्र मिश्र ने बताया कि प्रतियोगिता चार चरणों मे आयोजित की जाएगी और आज प्रतियोगिता का प्रथम चरण था। चारो चरणों मे पूर्ण होने पर प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रतियोगिता में मौजूद लोग

किशोरी को किया अगवा उलाहना देने पर पीटा

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी को पड़ोसी युवक को अगवा कर लिया। बुधवार को थाने में पीड़ित पिता ने मामले की नामजद शिकायत की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक के साथ चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। कोखराज थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी 23 अक्तूबर को संदिग्ध दशा में लापता हो गई थी। खोजबीन के बाद भी किशोरी का कहीं सुराग नहीं लगा। किशोरी के अगवा होने की जानकारी परिजनों को चली तो वे अवाक रह गए। पीड़िता के पिता का आरोप है कि गांव का ही युवक परिजनों की मदद से उसकी बेटी को अगवा कर ले गया है। मंगलवार को पीड़ित पिता ने आरोपित के घर पहुंच उलहना दिया तो आरोपित ने उसकी पिटाई कर दी। बुधवार को पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक के साथ चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की तहहीकात शुरू कर दी है। बेटी के अगवा होने के बाद से पीड़ित परिवार अनहोनी की आशंका से भयभीत है।

एमसीडी में प्रचंड पर आप ने मनाया जश्न

जीत के जश्न में मिठाई खिलाते आप के पदाधिकारी

कौशाम्बी। आम आदमी पार्टी कार्यकताओं द्वारा एमसीडी चुनाव में बंपर वोटो से और प्रचंड बहुमत से सीटों को जीतने पर मिठाई बांटकर जश्न मनाया गया। पार्टी ने विश्व की सबसे बड़ी पार्टी कहलाने वाली भाजपा को एमसीडी चुनाव में शिकस्त देकर अपना परचम लहराया। इसी खुशी में जनपद कौशांबी के पार्टी कार्यकताओं द्वारा बड़े जोर शोर से सिराथू विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी विष्णु कुमार जायसवाल द्वारा शमशाबाद ग्राम सभा मिठाई बांटी गई। इस दौरान विधानसभा प्रभारी जितेंद्र चौरसिया ने कहा कि पार्टी का विजय भाजपा के एमसीडी में भ्रष्टाचार पर एक इमानदार नई सरकार की विजय है। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्याम सिंह पाल ने एमसीडी चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रचंड जीत काम के विकास को की प्रचंड जीत बताया। पार्टी जिला उपाध्यक्ष सूरज बली शाक्य के द्वारा भी इस अवसर पर मुंह मीठा कराया गया । इस अवसर पर सभी कार्यकताओं ने एक जुलूस निकाल कर के खुशियां व्यक्त की स्कूली बच्चों को भी मुंह मीठा कराया गया। सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा यह जीत पार्टी के समस्त कार्यकताओं की मेहनत और पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल जी के कुशल ईमानदार आम आदमी के हित में कार्यशैली की जीत बताया। इस अवसर पर सिराथू नगर अध्यक्ष शमशाद अहमद, अजय कुमार, कृष्णा देवी, अनीता देवी, सीता देवी, राजेश कुमार यादव, छोटू यादव, राम भवन यादव सहित पार्टी कार्यकर्ताओ सहित तमाम महिलाएं भी मौजूद रहीं।

सरायअकिल पांच साल पूरा और विकास आधा-अधूरा

कौशाम्बी। दोआबा की निकायों में अब चुनावी सरगर्मी बढ़ी है तो वादों की बात होनी लाजिमी है। बीते पांच साल में सरायअकिल में हुए आधे-अधूरे विकास कार्य से लोगों में नाराजगी है। उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नागरिक अबकी बार संभलकर ही अपना अध्यक्ष चुनने की बात कह रहे हैं। नगर पंचायत सरायअकिल की आबादी तकरीबन 30 हजार है। 15 हजार पांच सौ मतदाताओं वाले कस्बे में शादी समारोह के लिए करीब ढाई दर्जन गेस्ट हाउस, 200 कपड़ों की दुकान, 100 से ज्यादा छोटी.बड़ी बर्तन की दुकान, 70 आभूषण की दुकान व भवन मैटेरियल, परचून आदि की तीन हजार दुकानें हैं। वजह है कि सरायअकिल की पहचान जिले के प्रमुख नगर में है। बात सुविधाओं की करें तो सीवरेज सुविधा न होने से बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। घरों और गेस्ट हाउस से निकलने वाले कूड़े को जगह.जगह फेंका जाता है। दुकान के समान बाहर निकाल सड़क पर अतिक्रमण किया गया है। कस्बे के मोलबीगंज, अंबेडकर नगर और फकीराबाद मोहल्ले में कई सड़कें आज भी कच्ची हैं। दर्जनों हैंडपम्प खराब पड़े हैं। सफाईकर्मी नगर के कूड़ों को ट्रॉली में भरकर जहां तहां फेक देते हैं। लोगों के अनुसार यहां बेशुमार समस्याएं हैं और इनकी ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं है।

पीआरडी जवान की इश्कबाजी की शिकायत

दारानगर, कौशाम्बी। कड़ाधाम कोतवाली अंतर्गत सिपाह गांव निवासिनी एक युवती से पीआरडी जवान से प्रेम चल रहा था। ऐसे में उसके गांव आने जाने में लोगों ने एतराज जाहिर करते लगे। इतना ही नहीं लोगों ने उसकी इश्कबाजी को पकड़ भी लिया। हालांकि पीड़ित युवती का पिता बृहस्पतिवार को कोतवाली पहुंचकर तहरीर सौंपा है। पुलिस ने तहरीर के मुताबिक केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

स्वच्छ भारत मिशन को पलीता लगा रहा तहसील प्रशासन

अनदेखी

लाखों की लागत से बना इज्जत घर खंडहर में तब्दील

चायल, कौशाम्बी। चायल तहसील परिसर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपए की लागत से बनाए गए सामुदायिक शौचालय लगभग 6 माह से अधिक दिन से खंडहर के रूप में तब्दील हो गया है। जिसका अधिवक्ताओं द्वारा कई बार शिकायत करने पर उक्त शौचालय पर आज तक कोई अधिकारी ध्यान नहीं दिया। ऐसे में तहसील आए हुए अधिवक्ता एवं फरियादियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। समुदाय शौचालय खंडहर के रूप में तब्दील होने से लोगों को खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है, जबकि खुले में शौच को रोकने के लिए शासन द्वारा विभिन्न तरह के जागरूकता अभियान चलाया गया, जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते स्वच्छ भारत मिशन में पलीता लग रहा है। हालांकि लोगों ने इस ओर जिम्मेदारों का ध्यान आकृष्ट कराया है।

खंडहर में तब्दील इज्जतघर

बालक से पड़ोसी ने किया कुकर्म, केस दर्ज

कौशाम्बी। सरायअकिल थाना क्षेत्र के एक गांव में ननिहाल आए बालक के साथ पड़ोसी युवक ने कुकर्म किया। दरिंदगी के बाद कहीं भी शिकायत पर जान से मारने की धमकी दी। घर पहुंच मासूम ने आपबीती परिजनों को बताई तो परिवार के लोग अवाक रह गए। बुधवार की देर शाम पुलिस ने पीड़ित के मां की तहरीर पर आरोपित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

कौशाम्बी थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला दो दिन पहले मायके सात वर्षीय बेटे के साथ आई थी। मंगलवार की शाम बालक घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान पड़ोसी शंकर लाल उसे चिप्स खिलाने के बहाने खेत की ओर बुला ले गया। खेत की ओर जाने के बाद युवक ने बालक के साथ कुकर्म किया। इसके बाद मासूम को किसी से कुछ भी बताने पर जान से मारने की धमकी दी। मासूम घर पहुंचा और पड़ोसी युवक की करतूत परिजनों को बताई। आरोपित के घर पहुंच पीड़िता की मां ने उलाहना दिया तो उसे भी जान से मारने की धमकी दी गई। देर शाम पुलिस ने पीड़ित मां की तहरीर पर आरोपित युवक शंकर लाल के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हर थाने में गठित की गई पुलिस की टीम

कौशाम्बी। चोरी में संलिप्त बदमाशों की धर पकड़ के साथ उनकी निगरानी व सत्यापन करने के लिए जिले के सभी थानों में पुलिस की एक.एक टीम बनाई गई है। पुलिस की यह टीम गिरोह के सरगना व सदस्यों की निगरानी कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को देगी।

जमीनी विवाद में हुई गोलीबारी में ब्लाक प्रमुख के भाई घायल

जमीनी विवाद

दिनदहाडे गोली चलने से क्षेत्र में मचा हड़कंप

लालगंज। जमीनी विवाद को लेकर सांगीपुर थाना क्षेत्र मे दिनदहाडे गोली चलने से हडकंप मच गया। सूचना मिलने पर सांगीपुर पुलिस भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। दिनदहाडे गोली चलने की वारदात से पुलिस महकमा भी सहम गया और स्थिति पर नियंत्रण के लिए सांगीपुर के अलावा उदयपुर तथा लालगंज से भी भारी फोर्स पहुंच गयी। वहीं सीओ भी आननफानन मे सांगीपुर सीएचसी पहुंचे और गोली से घायल पीड़ित का बयान लिया। ब्लाक प्रमुख के छोटे भाई पर गोली चलने की घटना से लेकर लोगों को अस्पताल मे आक्रोशित भी देखा गया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के सुजाखर

घायल पूर्व प्रधान संतोष सिंह पप्पू

गांव में पूर्व प्रधान संतोष सिंह उर्फ पप्पू (48) पुत्र शिवसागर सिंह तथा शिवेन्द्र प्रताप सिंह मुन्ना के बीच जमीनी विवाद चला आ रहा है। शिवेन्द्र और पप्पू मौसेरे भाई हैं। गुरूवार को दोपहर डेढ़ बजे दोनो पक्षो के घर के सामने जमीन पर कोर्ट के स्थगन के बावजूद एक पक्ष के निर्माण शुरू कराने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि शिवेन्द्र सिंह का पक्ष विवादित जमीन पर शौचालय का निर्माण करने लगा। इस पर विपक्षी संतोष सिंह भी वहां पहुंचे और निर्माण को रोकने की बात करने लगे। इसे लेकर दोनो पक्षो के बीच कहासुनी होने लगी। इस बीच आरोप है कि शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने लाइसेंसी पिस्टल से संतोष पर जानलेवा फायर कर दिया। दो बार फायरिंग के बीच संतोष जान बचाने को इधर उधर भागने लगे। इस बीच शिवेन्द्र सिंह ने तीसरा फायर किया तो गोली संतोष की जांघ मे जा घुसी। इस बीच फायरिंग की आवाज सुनकर गांव के लोग भी मौके की ओर दौडे तो आरोपी मौके से भाग निकला। इधर गोली लगने से लहूलुहान संतोष को पुलिस सीधे सांगीपुर सीएचसी इलाज के लिए ले आयी। यहां सीओ रामसूरत सोनकर ने घायल से घटना के बाबत पूछताछ की। सांगीपुर मे चिकित्सको ने घायल का प्रारंभिक उपचार कर उसे गंभीर दशा मे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल मे भी घायल की गंभीर स्थिति देख उसे प्रयागराज मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। प्रमुख के भाई और पूर्व प्रधान पर गोली चलने की जानकारी होते ही सांगीपुर थाने व सीएचसी मे भी लोगों की काफी भीड जमा हो गयी। लोगों मे दिनदहाडे गोलीबारी की घटना को लेकर आक्रोश भी देखा गया। घटना के बाबत एसओ जितेन्द्र सिंह का कहना है कि तहरीर मिलने पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा।

तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा

लालगंज। रंजिश में हुई मारपीट तोडफोड की घटना को लेकर कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपितो के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं मे क्रास केस दर्ज किया है। नगर पंचायत लालगंज के दीवानी वार्ड के सांगीपुर निवासी मंजू देवी पुत्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि रंजिश को लेकर बीती उन्तीस नंवबर को शाम साढे पांच बजे पडोस के शिवप्रसाद मिश्र पुत्र आदित्य प्रकाश मिश्र व आदित्यप्रकाश मिश्र तथा सपना पत्नी शिवप्रसाद मिश्र उसके घर मे घुस आये। आरोपियो ने बदनीयती से पीडिता का हाथ पकडकर जमीन पर पटक दिया। विरोध करने पर मारपीट करते हुए घर के सामानो मे तोडफोड भी किया। घटना से पीडिता को गंभीर चोटें आ गयी। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते चले गये। मामले मे कोतवाली पुलिस ने शिव प्रसाद समेत तीन लोगों के खिलाफ छेडछाड व हत्या के प्रयास व तोडफोड आदि धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया है।

चकबंदी में व्याप्त भ्रष्टाचार से नाराज वकीलों ने जिलाधिकारी से मिलकर सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़। जिले मे चकबंदी विभाग तथा न्यायालय में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए दूसरे दिन भी वकीलों ने कलेक्टेज्ट मे विरोध प्रदर्शन जारी रखा। रूरल बार एसोशिएसन के पदाधिकारियो ने कचेहरी मे बैठक कर चकबंदी विभाग के सहायक चकबंदी अधिकारी, बंदोबस्त अधिकारी तथा लेखपाल व कानूनगो एवं चकबदीं अधिकारी सदर पर अनियमितता का आरोप लगाते हुए डीएम से जांच की मांग उठाई। इसके बाद अधिवक्ताओं का जत्था एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा प्रदेश अध्यक्ष मुक्तेश्वर ओझा मुक्कू की अगुवाई मे डीएम कैम्प कार्यालय चकबंदी विभाग के खिलाफ नारेबाजी करता मार्च किया। कैम्प कार्यालय पर सैकडो वकीलो का जमावडा देख सीआरओ तथा सीओ सिटी वहां पहुंचे लेकिन वकील डीएम से मिलने की जिद पर अडे रहे। सूचना पाकर जिलाधिकारी डा. नितिन बंसल बैठक कक्ष से बाहर आये और अधिवक्ताओं का ज्ञापन लेकर समस्याओ के

कैम्प कार्यालय पर डीएम को ज्ञापन सौपते जिले के अधिवक्ता

समाधान का भरोसा दिलाया। रूरल बार के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने डीएम को चकबंदी विभाग के अधिकारियो व कर्मचारियो के मनमानी कार्यो की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष मुक्कू ओझा ने डीएम से कहा कि अधिवक्ताओं की लडाई वादकारियो को इन कार्यालयों व चकबंदी न्यायालय मे उत्पीडित करने को लेकर है। इस मौके पर डीएम के साथ सीडीओ ईशा प्रिया भी मौजूद रही। इधर विरोध प्रदर्शन की अगुवाई जिलाध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा ने किया। इस मौके पर जूबाए के उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व महामंत्री जेपी मिश्र, आशीष श्रीवास्तव, द्वारिका प्रसाद मिश्र, पूर्व उपाध्यक्ष दीनदयाल पाण्डेय, विवेक त्रिपाठी, विनय शुक्ल, विपिन शुक्ल, संदीप उपाध्याय, हरिशंकर आदि रहे। इधर गुरूवार को चकबंदी कार्यालय मे ताला बंद देख फरियादी व वादकारी भी मायूस होकर लौट गये।

संक्षेप

जयंती पर महंत पागलदास ने लगाए पंचवटी के वृक्ष

प्रतापगढ़। नगर के सहोदरपुर पूर्वी में बाबू मयन बहादुर सिंह की 94वीं जयंती को सामाजिक सरोकार पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को श्री श्री 108 पागल दास जी महाराज ने बाबू जी के आवास परिसर में पंचवटी के वृक्ष लगाए। जिसमें बरगद, पीपल, आंवला, बेल और अशोक के वृक्ष शामिल रहे। इसी क्रम में शिव मंदिर पर शिव स्तुति एवं जलाभिषेक का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहोदरपुर वार्ड के वासियों ने भाग लिया। इस दौरान श्याम नारायण सिंह, कन्हैयालाल दुबे, पत्रकार धर्मेंद्र सिंह गुड्डू, शिव शंकर सिंह, अवधेश प्रताप सिंह, नरेंद्र बहादुर सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, अंशु सिंह, रोहित सिंह, संतोष सिंह, देशराज सिंह, प्रथम सिंह आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी कार्यक्रम संयोजक पंकज सिंह ने दिया।

अनियंत्रित बस पलटी, पांच बाराती घायल

लालगंज। बारातियों से भरी बस अनियंत्रित होकर गड्ढे मे पलट गयी। दुर्घटना मे पांच बाराती घायल हो गये। ट्रामा सेंटर लालगंज में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सको ने घायलो को उनके घर भेज दिया। लालगंज कोतवाली के विरसिंहपुर गांव के बलभद्र का पुरवा निवासी गया प्रसाद के यहां से बुधवार शाम पुरवारा बारात गयी थी। जहां से रात करीब बारह बजे बारातियों को लेकर बस वापस विरसिंहपुर आ रही थी। रास्ते मे पूरे बक्तावर गांव के पास खडी ट्रक से पीछे से टकरा कर बस अनियंत्रित हो गयी और सडक किनारे गड्ढे मे पलट गयी। बस के पलटने से उसमे सवार बारातियो मे चीखपुकार मच गयी। शोर सुनकर गांव के ग्रामीण भी जुट गये। ग्रामीणों के सहयोग से बारातियों को बस से बाहर निकाला गया। हादसे मे पांच बाराती सलोन निवासी आलोक (18), विरसिंहपुर के सचिन (20), अरूण सरोज (18) तथा जगन्नाथपुर के श्यामबाबू (18) मामूली रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लालगंज भेजवाया। यहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलो को उनके घर भेज दिया। इधर बस के पलटने से यात्रियों के बाल बाल बच जाने से जुटे ग्रामीण व बाराती राहत की सांस लेते भी दिखे। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि अनियंत्रित होकर बस पलट गयी थी। संयोग अच्छा रहा कि पांच लोगों के मामूली रूप से चुटहिल होने के अलावा सभी बाराती सकुशल रहे।

गुजरात चुनाव में जीत पर भाजपा कार्यालय पर मनाई खुशियां

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी कि गुजरात में बंपर जीत पर गुरुवार को पार्टी के जिला कार्यालय में खुशी मनाई गई। गुजरात में प्रतापगढ़ से अप्रवासी के बीच पैठ बनाने गए वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश मिश्रा तथा राम आसरे पाल का सम्मान किया गया। भाजपा के दोनों नेताओं ने गुजरात में रह रहे प्रतापगढ़ और आसपास के जिलों के लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भाजपा नेताओं ने कहा कि गुजरात की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प और विराट व्यक्तित्व की जीत है। एक बार फिर पूरी दुनिया में गुजरात मॉडल का डंका बजेगा। गुजरात चुनाव ने साबित कर दिया है कि मोदी ब्रांड का कोई तोड़ नहीं है। इस दौरान भाजपा नेता अशोक मिश्रा, हरी प्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष भाजयुमो अंशुमान सिंह, महामंत्री पवन गौतम, अवधेश मिश्रा, पंकज मिश्रा, साधु दुबे, रामजी मिश्रा, गजराज सिंह, आशीष तिवारी, अनिल सिंह, मनोज सिंह, रामासरे पाल, आशुतोष सिंह, ददन आदि मौजूद रहे।

फीता काटकर प्रोजेक्ट प्रवीण का किया शुभारंभ

प्रतापगढ़। छात्राओं को स्वावलंबी बनाने के लिए नगर के राजकीय बालिका इण्टर कालेज में गुरूवार को प्रोजेक्ट प्रवीण का शुभारंभ किया गया। योजना की शुरूआत के लिए प्रोजेक्ट मैनेजर दिनेश चैरसिया ने फीता काटकर प्रदेश सरकार की छात्राओं के लिए चलाई जा रही योजना के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान कक्षा 12 तक 140 चयनित छात्राओं को चार सौ घण्टे का ब्यूटी एंड वेलनेस कोर्स की टेजनिंग दी जायेगी। फ्रेड्सकंप्यूटर एजुकेशनल सोसाइटी मुजफ्फरनगर द्वारा छात्राओं को टेजनिंग देकर उन्हें स्वावलम्बी बनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रधानाचार्या गरिमा श्रीवास्तव, डा0 मो0 अनीश, आनन्द शुक्ला समेत कालेज की शिक्षिका व छात्राएं मौजूद रहीं।

चार आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास व तोड़फोड़ का मुकदमा

प्रतापगढ़। पीडिता की पिटाई को लेकर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ घर मे घुसकर मारपीट तथा हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है। घटना मे आरोपियो द्वारा रास्ते के विवाद को लेकर पीडिता व उसकी पुत्री के साथ मारपीट किया है। वहीं आरोपियो पर घर मे घुसकर तोडफोड भी किये जाने की बात कही गयी है। लालगंज कोतवाली के केदौरा गांव की माया सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीते छः दिसंबर को शाम छः बजे रास्ते के विवाद को लेकर गांव के अमृतलाल व कल्लू पुत्रगण रामअधार तथा राममिलन पुत्र बदलदास व इन्दल पुत्र राममिलन ने घर मे घुसकर उसे मारने पीटने लगे। आरोपियो ने बचाव मे पहुंची पीडिता की बेटी अंजली को भी मारापीटा। गंभीर चोट लगने से अंजली बेहोश को गयी। शोर मचाने पर आरोपीगण घरेलू सामानो मे तोडफोड करते हुए धमकी देते चले गये। एम्बुलेंस से घायलो को लालगंज ट्रामा सेंटर लाया गया।

डीएम ने राजस्व वसूली की धीमी प्रगति पर अधिकारियों को लगाई फटकार

समीक्षा

जिलाधिकारी ने किया राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत देय, खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, बाट-माप, वन, मण्डी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की। परिवहन विभाग की समीक्षा में एआरटीओ द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत राजस्व की वसूली सुनिश्चित न किये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते उन्हें फटकार लगायी और निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष वसूली में तेजी लायी जाये।

एआरटीओ को यह भी निर्देश दिया कि ओवरलोड गाड़िया कितनी

अधिकारियों के साथ कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते जिलाधिकारी

सीज हुई है और उन पर क्या कार्यवाही की गयी, अवैध वाहनों पर क्या कार्यवाही की गयी इसकी रिपोर्ट उपलब्ध करायें तथा फील्ड में निकलकर भ्रमण भी करें, प्रवर्तन की कार्यवाही में तेजी लाये लापरवाही कदापि न करें। इसी प्रकार स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी विभाग, वाणिज्य विभाग, विद्युत विभाग की समीक्षा में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति ठीक न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने एआईजी स्टाम्प, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, जिला आबकारी अधिकारी व वाणिज्य विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुये निर्देशित किया कि विभागीय लक्ष्य की प्राप्ति शत प्रतिशत सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता कदापि न बरते। जिलाधिकारी ने परिवहन, वाणिज्य एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों को प्रर्वतन की कार्रवाई में तेजी लाते हुये लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया। कहा कि कार्यो में लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्षम्य नही होगी। चकबन्दी विभाग की समीक्षा के समय एसओसी चकबन्दी ने बताया कि 15 गांवों में कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी है, जिलाधिकारी ने ग्रामवार चकबन्दी प्रक्रिया की समीक्षा की और सचेत किया कि यदि किसी गांव में प्रायोजित ढंग से चकबन्दी प्रक्रिया का विरोध किया जा रहा है तो उपजिलाधिकारी एवं सीओ चकबन्दी स्वयं गांव में बैठक कर सही वस्तु स्थिति से अवगत करायें। बैठक के दौरान चकबन्दी विभाग के बुकलेट के डाटा को अपडेट न किये जाने पर जिलाधिकारी ने एस0ओ0सी0 चकबन्दी फटकार लगाते हुये निर्देशित किया कि बैठक से पूर्व सभी डाटा को दुरूस्त कर ही बुकलेट प्रस्तुत करें इसमें लापरवाही न बरते। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश पटेल सहित समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार उपस्थित रहे।

फ्री स्टडी सेंटर भंगवा में जरूरमंद बच्चों को वितरित किया गया कपड़ा

बच्चा बैंक के निःशुल्क कपड़ा वितरण कैंप में उमड़ी भीड़

प्रतापगढ़। जरूरतमंद बच्चों और छात्रों की शिक्षा में सहयोग को तत्पर बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबी एफजी के तत्वाधान फ्री स्टडी सेंटर भंगवा में कैंप लगाकर निशुल्क कपड़ा वितरण किया गया। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, अस्पताल के आसपास ठंड से निजात दिलाने के लिए दो सौ से अधिक असहाय लोगों को कपड़े बांटे गए। इस वर्ष भी बच्चा बैंक के कपड़ा बैंक ने जरूरतमंद लोगों की गर्म कपड़े से मदद करने का अभियान चलाया हैं। जिसमें पूर्व में जगेशरगंज और नरसिंह भान इलाके में इसका वितरण किया गया था। अभियान के दूसरे चरण में भंगवा और उसके इर्द गिर्द गांवों के करीब सौ बच्चों और छात्रों को फ्री स्टडी सेंटर भंगवा में कैंप लगाकर कपड़े का वितरण किया गया। सेन्टर के प्रिंसिपल शनि सरोज ने बताया कि असहाय छात्रों और बच्चों को फ्री में गर्म और सामान्य कपड़े का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही जूते और चप्पल का कैम्प लगेगा। कैंप में रागिनी, दामिनी, हिमांशु, निखिल का सक्रिय योगदान रहा।

गिरफ्तार टिकट दलाल बोला सीआरएस ने बढ़वाए थे नाम!

खुलासा

आरपीएफ के चंगुल में फंसे दलाल ने आरक्षण दफ्तर के अंदर की दलाली का किया खुलासा

आरपीएफ ने बनाया वीडियो, कर्मचारी को जेल भेजने की चेतावनी दी

प्रतापगढ़। आरक्षण दफ्तर में दलाल और कर्मचारी के बीच के सिंडीकेट का खुलासा हुआ है। टिकट दलाली में पकड़े गए आरोपी ने बयान दिया है कि उसने सीआरएस के कहने पर ही फार्म पर यात्री का नाम बढ़ाया है। आरपीएफ के पास एक वीडियो भी है। उसके इस खुलासे के बाद आरक्षण दफ्तर में काम कर रहे कुछ कर्मचारियों की कार्य शैली पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि आरपीएफ ने आरोपी कर्मचारी को दुबारा इस तरह की हरकत पर जेल भेजने की चेतावनी दी है। दलाल द्वारा नाम लिए जाने की बात को सीआरएस ने भी स्वीकारा। लेकिन जिनका टिकट था। उन लोगों ने सीआरएस का बचाव किया। बोले कि इसमें सीआरएस का कोई दोष नहीं है। फिलहाल आरपीएफ गहनता से इस मामले की पड़ताल कर रही है।

बुधवार को आरपीएफ ने तत्काल के समय एक दलाल को पकड़ा। उसके पास से महानगरी ट्रेन का एसी थर्ड का एक टिकट मिला। जो बनारस से कुर्ला का था। उसमें तीन यात्री के नाम थे। सूत्रों के अनुसार दलाल से पूछताछ में आरपीएफ को जो जानकारी मिली हैं। वह चैंकाने वाली है। दलाल ने बताया कि आरक्षण फार्म पर नाम सीआरएस (मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक)ने बढ़वाए हैं। उनके कहने पर उसने नाम बढ़ाया था। आरपीएफ ने सीआरएस रणवीर सिंह और इनामुल्ला अंसारी को थाने पर बुलाया। थाने पर आमना सामना होने पर भी दलाल ने सीआरएस की तरफ इशारा किया। कहा कि इनके कहने पर नाम बढ़ाया था। यह सुनते ही दोनो कर्मचारियों के पैरों तले जमीन खिसक गई। इससे आरपीएफ इंस्पेक्टर कर्मचारियों पर नाराज हो गए। मामला बढ़ता देख जिनका टिकट बना था। वे कई लोगों के साथ सूचना पाकर थाने पहुंच गए। बोले कि इसमें सीआरएस की गलती नहीं है। उन लोगों ने खुद ही अपना नाम दलाल से बढ़वाया था। हालंकि आरपीएफ ने दुबारा इस तरह की शिकायत मिलने और दलाली में लिप्त पाए जाने पर आरोपी कर्मचारियों को जेल भेजने की चेतावनी दे दी है। सीआरएस इनामुल्ला अंसारी ने बताया कि दलाल ने उनका और सीआरएस रणवीर सिंह का नाम क्यों लिया। यह बात समझ से परे है। जबकि इस मामले से उन दोनों का कोई लेना देना नहीं है। आरपीएफ का कहना है कि दलाल काफी समय से टिकट बनाने का खेल कर रहा था। तलाश हो रही थी। पकड़ा गया।

शादी समारोह से लौट रहे युवक की मार्ग दुर्घटना में मौत

पट्टी। शादी समारोह से लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। आसपास के लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से उसे सीएचसी पट्टी भेजा। जहां पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पट्टी कोतवाली के दाऊदपुर गांव के रहने वाले पुष्पेंद्र विश्वकर्मा (45) पुत्र शालिकराम विश्वकर्मा बुधवार की शाम एक रिश्तेदार के शादी समारोह में शामिल होने के लिए पट्टी आये थे। रात लगभग 10 बजे वह पैदल ही पट्टी रानीगंज मार्ग पर नई सब्जी मंडी के पास खड़े होकर किसी का इंतजार करने लगे। इसी बीच तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो कर सड़क पर गिरकर तड़पने लगा। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना तत्काल 108 एंबुलेंस को दी। उसे सीएचसी पट्टी ले जाया गया जहां पर डाक्टरों मृत घोषित कर दिया।

हत्या के प्रयास व धमकी का केस

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने दुकान लगाने के विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में तीन आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया है। रानीगंज कैथौला की सुबरातुल निशा पत्नी पीर मोहम्मद के अनुसार बीते छब्बीस नंवबर की शाम साढे सात बजे स्थानीय बाजार में दुकान लगाने को लेकर गांव के मतीन के पुत्र मोबीन, नदीम व समीर ने उसके पुत्र के साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट किया। सिर मे गंभीर चोट लगने से पीड़िता का पुत्र बेहोश हो गया। मामले मे जांच के बाद पुलिस ने मोबीन समेत तीन के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया है।

राज्य कर्मचारी महासंघ की नई कार्यकारिणी का गठन

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माला पहनाकर किया गया स्वागत

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ की गुरूवार को नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सिंचाई विभाग के डाक बंगले में संघ के कर्मचारियों ने प्रांतीय अध्यक्ष राम लाल यादव व महामंत्री राधेश्याम दूबे के नेतृत्व में अपने नये पदाधिकारियों का चुनाव किया। जिसमें मिथिलेश सिंह को संरक्षक, वकील अहमद को जिलाध्यक्ष चुना गया। जिसमें सत्यजीत सिंह, मा0 शमीम, तीर्थराज गौतम, सुरेन्द्र लाल, अजय सिंह, संतोष उपाध्याय, सुषमा कुरील को उपाध्यक्ष चुना गया। अनिल पांडे को जिला मंत्री व मनोज कुमार पांडे को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। जबकि महासंघ के बातों के प्रचार प्रसार के लिए रविन्द्र शर्मा को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

आरोपियो के खिलाफ घर मे घुसकर मारपीट का मुकदमा

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ घर मे घुसकर मारपीट तथा गालीगलौज व धमकी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के पुहिला का पुरवा खैरा पूरे छेमी निवासी चंद्रिका प्रसाद यादव की पत्नी गुलाबकली ने दी गई तहरीर मे कहा है कि छः दिसंबर को सुबह साढे आठ बजे नाली के विवाद को लेकर विपक्षियो ने मारपीट की। गांव के विपक्षी सत्येन्द्र कुमार पटेल पुत्र महादेव, तुलसी पुत्र रामलाल, कमलेश पटेल पुत्र बैजनाथ लाठी डंडे से लैस होकर उसके घर घुस आये। आरोपियो ने पीडिता को मारते पीटते हुए गाली दी। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंगलवार की रात सत्येन्द्र समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है।

जनसंपादकीय

और अब डिजिटल करंसी

देश में क्रिप्टोकरंसी की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सुरक्षित और आसान डिजिटल करंसी लाने की योजना पर काफी समय से कार्य कर रहा था और अब एक दिसम्बर से आम लोगों के लिए ई-रुपये का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा चुका है। इससे पहले एक नवम्बर से आरबीआई द्वारा डिजिटल करंसी ई-रुपये की शुरूआत सरकारी प्रतिभूतियों के थोक कारोबार के लिए कर दी गई थी। फिलहाल खुदरा ई-रुपये के परीक्षण में चार बैंक (आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, आईडीएफसी बैंक तथा यस बैंक) और चार शहरों (दिल्ली, मुम्बई, बेंगलुरू, भुवनेश्वर) को शामिल किया गया है। पहले ही दिन ह्यडिजिटल रुपयेह्ल से करीब पौने दो करोड़ रुपये मूल्य का लेन-देन हुआ। दरअसल इन चार बैंकों की ओर से कुल 1.71 करोड़ रुपये डिजिटल मुद्रा की मांग की गई थी और मांग के मुताबिक आरबीआई द्वारा डिजिटल रुपया इन बैंकों को जारी किया गया। आरबीआई के मुताबिक आने वाले दिनों में बैंकों की बढ़ती जरूरत के हिसाब से जारी की जाने वाली रकम में भी वृद्धि देखने को मिलेगी।

आरबीआई द्वारा जारी किया गया डिजिटल रुपया भारत की पहली वर्चुअल करंसी है, जिसे सेंट्रल बैंक डिजिटल करंसी (सीबीडीसी) रेग्युलेट करेगा। डिजिटल करंसी डिजिटल फॉर्मेट में है और यह हार्ड कैश की जगह लेगी। डिजिटल करंसी सीबीडीसी के तहत काम करती है और सीबीडीसी को भारत सरकार की मान्यता प्राप्त है। सीबीडीसी को बराबर मूल्य पर कैश में एक्सचेंज किया जा सकेगा। डिजिटल करंसी को जलाया या डैमेज नहीं किया जा सकता, इसलिए एक बार जारी किए जाने के बाद यह हमेशा रहेगी जबकि करंसी नोट कुछ सालों में खराब हो जाते हैं। डिजिटल करंसी के इस्तेमाल से लोगों को अपनी नकदी की सुरक्षा की चिंता से मुक्ति मिलेगी और जिन लोगों का बैंक में खाता नहीं हैं, वे भी इसके जरिये बैंकिंग प्रणाली में शामिल हो सकेंगे। अभी हमारी जेब में जो करंसी नोट या सिक्के रहते हैं, डिजिटल करंसी में वही डिजिटल रूप में हमारे मोबाइल फोन या वॉलेट में रहेंगे और हमें लेन-देन के लिए बैंक की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम फिलहाल जिस प्रकार नकद में पैसों का लेन-देन करते हैं बिल्कुल उसी प्रकार डिजिटल रुपये से भी कर पाएंगे।

यह भी जान लें कि ई-रुपया किस तरह काम करेगा। ई-रुपया क्यूआर या एसएमएस कोड के रूप में होगा, जिसे स्कैन किया जा सकता है। सत्यापन के लिए लाभार्थी के मोबाइल नंबर पर एक कोड भेजा जाएगा, जिसके जरिये वाउचर से भुगतान हो जाएगा। दरअसल ई-रुपया एक वाउचर है, जिसे हस्तांतरित नहीं किया जा सकता अर्थात इसका इस्तेमाल केवल वही कर सकेगा, जिसके लिए यह जारी किया गया है। आम ग्राहक तथा व्यवसायी बैंकों द्वारा जारी ई-वॉलेट के जरिये लेन-देन कर सकेंगे और दोनों ही तरीकों पर्सन-टू-पर्सन (पी2पी) तथा पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) से ई-रुपये के जरिये लेन-देन हो सकेंगे। मर्चेंट के पास दिख रहे क्यूआर कोड के जरिये इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि ई-रुपया यूपीआई से अलग होगा। दरअसल यूपीआई के लिए जहां आपके बैंक खाते में पेपर नोट का होना जरूरी है, वहीं डिजिटल रुपये में बैंक खाता होना जरूरी नहीं है। आप सीधे ई-वॉलेट में ई-रुपया प्राप्त कर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। डिजिटल रुपया ब्लॉकचेन पर काम करेगा, जिससे व्यक्तिगत ब्यौरा सुरक्षित रहेगा।

ई-रुपया पूरी तरह से कैशलैस और कांटैक्टलैस भुगतान प्रणाली है, जिसका इस्तेमाल एक ही बार किया जा सकता है। ई-रुपया वास्तव में टोकन आधारित होगा, जो एक ई-मेल जैसा हो सकता है और पैसे भेजने के लिए पासवर्ड डालना होगा, जो बिना इंटरनेट के कार्य करेगा। ई-रुपये से मोबाइल फोन के जरिये चंद सैकेंडों में ही लेन-देन संभव होगा और इस लेन-देन को इलैक्ट्रॉनिक रूप से देखा भी जा सकेगा। इसकी सबसे खास बात यही है कि इसके माध्यम से लेन-देन डिजिटल भुगतान प्रणाली की तुलना में ज्यादा रीयल टाइम और कम लागत में होगा और इसमें बैंकों की तरह निपटान की जरूरत भी नहीं होगी। सीबीडीसी में नकद देते ही इंटरबैंक सैटलमेंट की जरूरत नहीं रह जाएगी, जिससे लेन-देन कम लागत में होगा। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि ई-रुपये से देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था और ज्यादा मजबूत होगी और इससे देश की भुगतान प्रणाली को पारदर्शी बनाने में भी मदद मिलेगी। देश में डिजिटल करंसी का प्रचलन बढ़ने पर रुपये छापने की लागत बहुत कम हो जाएगी और इससे धन भेजना भी सस्ता होगा।

बहुत से लोग डिजिटल करंसी को बिटकॉइन या अन्य क्रिप्टोकरंसी के समकक्ष मान रहे हैं लेकिन वास्तव में यह क्रिप्टोकरंसी से बिल्कुल अलग है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आरबीआई द्वारा जारी की गई डिजिटल करंसी अन्य वर्चुअल करंसी से अलग कैसे है? डिजिटल करंसी को लेकर आरबीआई स्पष्ट कर चुका है कि यह एक डिजिटल या आभासी मुद्रा है लेकिन इसकी तुलना उन निजी आभासी मुद्राओं अथवा क्रिप्टोकरंसी से नहीं की जा सकती, जिनका चलन हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है। दरअसल बिटकॉइन या अन्य क्रिप्टोकरंसी डीसेंट्रलाइज्ड होती है, जिन पर किसी भी सरकार का कोई नियंत्रण नहीं होता जबकि आरबीआई द्वारा जारी की गई डिजिटल करंसी सेंट्रलाइज्ड है, जिसे भारत सरकार की मान्यता प्राप्त है और इसे आरबीआई ही जारी करेगा, इसलिए यह पूरी तरह सुरक्षित है। इसे आसानी से एक मोबाइल से दूसरे को भेजा जा सकेगा और इससे हर प्रकार का सामान खरीदा जा सकेगा तथा प्रत्येक सेवाओं के लिए इसका उपयोग किया जा सकेगा। सामान्य शब्दों में कहा जाए तो डिजिटल करंसी का इस्तेमाल हम अपने सामान्य रुपये-पैसे के रूप में कर सकेंगे लेकिन ये रुपये-पैसे डिजिटल फॉर्म में होंगे। यही कारण है कि डिजिटल करंसी में निवेश करना दुनियाभर में प्रचलित अन्य वर्चुअल करंसी के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित माना जा रहा है। डिजिटल करंसी में ब्लॉकचेन टैक्नोलॉजी तथा अन्य तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। ब्लॉकचेन को ह्यडिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टैक्नोलॉजीह्ल (डीएलटी) के रूप में भी जाना जाता है और इस टैक्नोलॉजी को ह्यक्रिप्टो करंसीज का बैकबोनह्ल भी कहा जाता है।

डिजिटल करंसी से भारत की अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलने और डिजिटल वित्तीय क्षेत्र में स्थिति मजबूत होने का अनुमान लगाया जा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल करंसी देश में डिजिटल इकोनॉमी को नया आयाम प्रदान करेगी। हालांकि आर्थिक विशेषज्ञ फिलहाल डिजिटल करंसी को लेकर कुछ सवाल भी उठा रहे हैं। मसलन, बैंकों में जमा पूंजी को देश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण रीढ़ माना जाता है, ऐसे में यदि डिजिटल करंसी को बैंक खातों से ज्यादा सुरक्षित माना गया तो कहीं इससे बैंकिंग व्यवस्था पर असर न पड़े। इसके अलावा पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा यूपीआई के जरिये लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए जो व्यवस्था बनाई गई है, उस पर भी डिजिटल करंसी से बड़ा असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सीबीडीसी के चलन से बैंक में जमा के लिए लेन-देन की मांग कम हो जाएगी, जिससे उनकी जमा कम होगी। इसके अलावा यदि बैंक जमा राशि खो देते हैं तो क्रेडिट बनाने की उनकी क्षमता सीमित हो जाएगी क्योंकि केन्द्रीय बैंक निजी क्षेत्र को लोन प्रदान नहीं कर सकते। एक बड़ी चिंता यह भी है कि एक ओर जहां भारत डिजिटलीकरण तथा डिजिटल लेन-देन के मामले में दुनिया में एक प्रमुख देश के रूप में उभरा है, वहीं देश में वित्तीय साक्षरता की स्थिति संतोषजनक नहीं है। डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा मिलने के साथ ही हाल के वर्षों में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसीलिए कुछ आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को अब इन चिंताओं को दूर करने के लिए कारगर कदम उठाते हुए देश में वित्तीय साक्षरता के लिए भी पुरजोर तरीके से अभियान चलाना चाहिए।

योगेश कुमार गोयल
(लेखक पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय हैं, संपर्क: 9416740584)

क्या हमने राजेश्वर सक्सेना को पढ़ा है?

शख्सियत

रविभूषण

राजेश्वर सक्सेना (1937) के नाम और काम से हिन्दी के अधिकांश कवि-लेखक और आलोचक भी सुपरिचित नहीं है। अगर वे होते, तो सक्सेना जी चर्चा में होते। क्या इसका एक कारण यह नहीं है कि वे लगभग साठ वर्ष से बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में रह रहे हैं। आशुतोष भारद्वाज ने कुछ समय पहले आउटलुक में शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्हें उत्तर आधुनिक विचार पर छत्तीसगढ़ का वाकिंग टाकिंग गुरु कहा है। हिन्दी में तो नहीं ही, पूरे भारत में भी उनके जैसा, उत्तर आधुनिकता का ज्ञाता शायद ही कोई हो। इक्कीसवीं सदी के आरंभ से उनके विचार-चिन्तन में उत्तर आधुनिक सदैव रहा है, जिसे हम 16-17 सौ पृष्ठों की उनकी तीन पुस्तकों में देख सकते हैं। उत्तर आधुनिकता पर हिन्दी में विचार करने वाले और कई हैं, पर जिस व्यापकता समग्रता और आलोचनात्मक दृष्टि के साथ इस पर सक्सेना जी ने विचार किया है, वह दुर्लभ है। उत्तर आधुनिक समय में उत्तर आधुनिक और उत्तर आधुनिकता पर व्यापक रूप से विचार करने वाले संभवतः वे एकमात्र भारतीय आलोचक और विचारक हैं। उत्तर आधुनिक सौन्दर्य शास्त्र और द्वन्द्ववाद, (श्री प्रकाशन, दुर्ग 2000) उत्तर आधुनिकतावाद और द्वन्द्ववाद (सापेक्ष 48, जनवरी 2007 - जून 2007), उत्तर आधुनिक विमर्श और द्वन्द्ववाद (नयी किताब, दिल्ली, 2011 2019) में विश्व का कोई ऐसा उत्तर आधुनिक चिन्तक नहीं है, जिसे सक्सेना जी ने न मथा हो।

फ्रांसीसी दार्शनिक ल्योतार (10. 8.1924 - 21.4.1998) ने जब पहली बार उत्तर आधुनिक पद का दार्शनिक संदर्भ में 1979 में अपनी पुस्तक 'द पोस्ट मॉडर्न कंडीशन : ए रिपोर्ट ऑन नॉलेज' में प्रयोग किया, यह पद (टर्म) व्यापक रूप से प्रचलित हो उठा। उत्तर आधुनिकतावाद से जुड़े फ्रेंच समाजशास्त्री, दार्शनिक एवं सिद्धान्तकार बौद्रिला (27.7.1929 - 6.3.2007), फ्रांसीसी दार्शनिक गाइल्स डेल्यूज (18.1. 1925- 4.11.1995), अल्जीरिया में जन्मे फ्रांसीसी दार्शनिक जाक देरिदा (15.7.1930-9.10.2004), फ्रांसीसी दार्शनिक फूको (15.10.1926 - 25.6.1984), फ्रांसीसी मनोविश्लेषक गुआत्री (30-3.1930 - 29.8.1992), अमरीकी साहित्यालोचक जेमसन (14.4.1934), फ्रांसीसी दार्शनिक इमैनुएल लेवीनास (12.1.1906 - 25.12.1995), अमरीकी दार्शनिक रिचर्ड रोर्टी (4.10.1931 - 8.6.2007) और स्लोवेनियन दार्शनिक जीजेक (21.3.1949) - कोई भी राजेश्वर सक्सेना से छूटा नहीं है। उनके जैसा गंभीर अध्येता और चिंतक और कोई दूसरा नहीं है। उनकी ऐसी किताबों से वैसे लोग निश्चित रूप से घबरायेंगे और शायद भय भी खायें जो ज्ञान की अन्तरानुशासित, रीति-नीति से वाकिफ नहीं हैं, ज्ञान के संश्लेष-विश्लेष से बाहर रह जाने में सुख पाते हैं।

राजेश्वर सक्सेना की चिन्ताएँ बड़ी हैं। उत्तर प्रदेश के बदायूँ जिले में 1937 में जन्मे सक्सेना जी की उच्च शिक्षा सागर विश्वविद्यालय में हुई। वे 1963 से 1997 तक बिलासपुर के एक प्रमुख शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिन्दी के प्रोफेसर रहे हैं। आरंभ में उन पर लोहिया का प्रभाव था - 1954 से 1972 तक। बाद में वे मार्क्सवाद से ऐसे जुड़े कि उन्होंने अपनी आलोचना से हिन्दी की मार्क्सवादी आलोचना में प्रमुख योगदान किया। इतिहास, दर्शन, और विज्ञान का केवल ज्ञान ही नहीं, इस समय उसकी जरूरत को उन्होंने जिस तरह जरूरी माना है, वह अन्य किसी मार्क्सवादी आलोचक में नहीं दीखता। मार्क्स ने अपने चिन्तन में इतिहास और दर्शन को महत्व दिया, एंगेल्स ने विज्ञान को और सक्सेना जी के यहाँ ये तीनों एक साथ महत्वपूर्ण हैं। 'रचना का इतिहास- दर्शन' और 'इतिहास, विचारधारा और साहित्य' उनकी आरंभिक पुस्तकें है। 'विज्ञान के दर्शन में एंगेल्स का योगदान' (2018), उनकी नयी पुस्तक है। उनका आलोचनात्मक लेखन लगभग साठ वर्ष का है - एम.ए. के लघु शोध-प्रबंध 'छायावाद : स्वरूप और व्याख्या' (1963) से अब तक। नन्द दुलारे वाजपेयी ने छायावाद-संबंधी उनके विवेचन को अधिक सन्तुलित और वस्तु मुखी कहा है। छायावादी प्रवृत्तियों का स्वरूप सक्सेना जी की दृष्टि में यथार्थवादी और समाजशास्त्रीय से कहीं अधिक दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक है। इतिहास और दर्शन उनके लेखन - चिन्तन में आरंभ से है - छात्र-जीवन से ही। वे हिन्दी साहित्य में नव्य सौन्दर्य - शास्त्र की स्थापना... मूलतः दर्शन और मनोविज्ञान के सहयोग से देखते हैं। एम.ए. के इस लघु शोध-प्रबंध में उन्होंने सामाजिक मनोविज्ञान की ही नहीं, समाजशास्त्र की पद्धतियों की भी चर्चा की। यह रेखांकित किया जाना चाहिए कि एम. ए. का एक छात्र प्रसिद्ध समाजशास्त्री धूर्जटि प्रसाद मुखर्जी (5.10.1894 - 5.12.1961) की 1943 में प्रकाशित पुस्तक 'मॉडर्न इंडियन कल्चर : ए सोश्योलॉजिकल स्टडी' पढ़ चुका था। वे अपने छात्र - जीवन में संस्कृति की ग्रहणशीलता को विकास के परिचय से जोड़ रहे थे और छायावाद को भारतीय संस्कृति की पाचन-शक्ति का अभिनव साहित्यिक रूप कह रहे थे। उनकी साहित्य और आलोचना-दृष्टि जिस तरह विकसित हो रही थी, जिन विविध विषयों को एक दूसरे से जोड़कर एक सार्थक दृष्टि बन रही थी, वह साठ के दशक के आरंभिक वर्षों में अन्यत्र दिखाई नहीं देती।

नन्द दुलारे वाजपेयी के सुयोग्य शिष्य होने और उनके निर्देशन में पी-एच. डी. (भारतीय काव्य चिन्तन) करने के बाद भी उन्होंने अपनी राह स्वयं निर्मित की। वाजपेयी जी के प्रिय छात्र रहते हुए भी उन्होंने उनसे असहमति भी प्रकट की है। 'काव्य के जीवनदायी द्वन्द्व और रामचन्द्र शुक्ल' (1989) की भूमिका में सक्सेना जी ने साफ शब्दों में यह लिखा- वाजपेयी जी के पास आलोचना का कोई ठोस और विकसित पैमाना नहीं था। वाजपेयी जी ने अपनी आलोचना में शुक्ल जी की यथार्थवादी धुरियों को प्रायः छोड़ सा दिया है... शुक्ल जी के कई प्रस्थानकों पर वाजपेयी जी ने एक आत्म निष्ठ आदर्शवादी की तरह से आक्रमण किया है, जिससे वे अपने ही निष्कर्षों में फँसते गये हैं।

सक्सेना जी अपने लेखन में भी संशोधन करते हैं। भारतीय काव्य-चिन्तन में शुक्ल जी पर उनका जो लेख है और पहल के 'मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र' के अपने लेख मार्क्सवादी साहित्य -चिन्तन के भारतीय संदर्भ में शुक्ल जी पर उनकी जो टिप्पणी थी, उससे बाद में वे सहमत नहीं हुए। भारतीय एवं संस्कृत काव्य-सिद्धान्त पर अब तक जो घिसे-पिटे विचार जारी हैं, उनसे सर्वथा भिन्न 53 वर्ष पहले हम उनके विचार देख सकते हैं। यह अभिनव, मौलिक दृष्टि रेखांकित की जानी चाहिए। उनके अनुसार भारतीय काव्य-शास्त्र का अध्ययन अभी तक इतिहास-दर्शन आधार पर नहीं हुआ है।

काव्य के किसी भी सिद्धान्त को वे युग - विशेष के जातीय व्यवहार की भाव-दशा से निर्मित देखते हैं और सिद्धान्त- निर्माण के मूल्य में निहित जातीय व्यवहार के मनोविज्ञान को समझना अत्यन्त आवश्यक मानते हैं। वे इतिहास के बौद्धिक व्याख्याता हैं। इतिहास के बौद्धिक व्याख्याकार हिन्दी आलोचकों में कम हैं। भारतीय काव्य-शास्त्र की यांत्रिक अध्ययन - विधि के सर्वथा विपरीत सक्सेना जी ने एक नयी अध्ययन - विधि प्रस्तुत की है। रस को उन्होंने - अतीत की ललित संस्कृति का जीवन-मूल्य कहा है। उन्होंने काव्यशास्त्र की यंत्रधर्मी शास्त्रीय जड़ता तोड़ी है। भारतीय काव्यशास्त्र पर कार्य करते समय उनका ध्यान पश्चिमी काव्य-शास्त्र पर भी था, जिसकी शब्दावली के चरित्र को उन्होंने बहुत ऊँचा नहीं माना है। काव्य-दर्शन और शैव- सौन्दर्य- बोध (1976) उनकी स्वतंत्र पुस्तक है। जिसमें उनकी मुख्य चिन्ता भारतीय सौन्दर्य- दर्शन को मानव-मनोविज्ञान झ सापेक्ष बनाने की है। तीन अध्यायों की इस पुस्तक में उन्होंने ऋग्वैदिक सौन्दर्य-धारणा, औपनिषदिक सौन्दर्य-धारणा और शैव सौन्दर्य-दर्शन पर विचार किया। मनोविज्ञान और सौन्दर्यशास्त्र का उन्होंने गहरा मंथन किया और सौन्दर्य - शास्त्र की दृष्टि से उपनिषदों के गहरे संधान होने की बात कही। सौन्दर्य- शास्त्र दर्शन की एक शाखा है और उनकी सौन्दर्य-चर्चा में मनोविज्ञान और दर्शन दोनों मौजूद हैं। वे भारतीय शैव-दर्शन में मनोविज्ञान और सौन्दर्य शास्त्र के अर्थात मनुष्य जीवन - व्यापार के अगणित सूत्र सुरक्षित पाते हैं। वे तत्त्व-दर्शन और मनोविश्लेषण के द्वारा सौन्दर्य - विचार के मानवीय आधारों को स्पष्ट करते हैं। शिव को उन्होंने जुंग का लिबडो कहा है। स्विस मनश्चिकित्सक कार्ल जुंग (26.7.1875 - 6.6.1961) ने लिबिडो को विश्व - ऊर्जा के रूप में स्वीकारा है।

राजेश्वर सक्सेना ने हिन्दी आलोचना को अपने ज्ञान, चिन्तन एवं विश्लेषण से एक नयी आभा और गरिमा प्रदान की है। वे व्यावहारिक आलोचक नहीं हैं और उस अर्थ में सैद्धान्तिक आलोचक भी नहीं है, जैसे कई हैं। उनके यहाँ, इतिहास, दर्शन और विज्ञान का विशेष महत्व है। उन्होंने हिन्दी की मार्क्सवादी आलोचना को ही नहीं, मार्क्सवादी सौन्दर्य शास्त्र को भी समृद्ध किया है। 'रचना का इतिहास-दर्शन' (1982) के आमुख में उन्होंने विस्तार से इतिहास - तत्व पर विचार किया। जो मनुष्य द्वारा अर्जित संस्कार का यथार्थ पक्ष है। समस्त प्रकार के कारकों का प्रस्थानक है, कारणत्व बोध का नियामक और निर्धारक है और मनुष्य और प्रकृति के गतिमान संबंधों का लेखा-जोखा है। सक्सेना जी एक गंभीर, चिन्तनशील, प्रतिबद्ध मार्क्सवादी बुद्धिजीवी और विचारक हैं। उनकी चिन्ता में मनुष्य का स्वस्थ भविष्य है। समाजवादी विचारधारा के बहुमुखी विकास के लिए वे विज्ञान और ज्ञानमीमांसा के रिश्तों को जोड़ना आवश्यक समझते हैं। उनके यहाँ जीवन का वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य महत्वपूर्ण है। वे समाजशास्त्री नहीं हैं, पर शैक्षणिक जगत में सामाजिक विज्ञानों में सैद्धांतिकी के प्रवर्ग बनने पर उन्होंने चालीस वर्ष पहले चिंता प्रकट की थी क्योंकि वहाँ वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य का नकार है। इतिहास-तत्व से मुक्त इस प्रकार की सैद्धांतिकी को उन्होंने मार्क्सवादी विचारधारा के विरुद्ध माना और इस सैद्धान्तिकी-प्रवर्ग द्वारा कलावाद को नये तामझाम के साथ उपस्थित देखा। उन्होंने अपनी पुस्तक 'रचना का इतिहास- दर्शन' को मार्क्सवादी, सौन्दर्यशास्त्र का ही एक संदर्भ माना है। चालीस वर्ष पहले उन्होंने उद्योग, विज्ञान और तकनालाजी के युग की बुनियादी समस्याओं पर विचार किया था। वे साहित्यकार या कलाकार के लिए यह आवश्यक मानते हैं कि वह रचना- संवेदन को ज्ञान-विज्ञान के अन्य विषयों से सम्बद्ध करे। विज्ञान सक्सेना जी के लिए व्यक्ति वाचक या सम्प्रदायवाचक न होकर मनुष्य वाचक है। उन्होंने विज्ञान और मनुष्य के रिश्तों को सार्वजनिक बताने पर बल दिया। बाद में उन्होंने 'विज्ञान के दर्शन' में फ्रेडरिक एंगेल्स के योगदान पर एक पुस्तक में विस्तार से विचार किया। वे आज के उत्तर - आधुनिक समय में विज्ञान के दर्शन के सवाल को पूरी तरह से ध्वस्त होते देखते हैं क्योंकि विज्ञान के परिक्षेत्र पर तकनालाजी का वर्चस्व कायम हो गया है। सक्सेना जी की चिन्ता में जीवन है, मनुष्य है। उनकी चिन्ताएँ अकादमिक संसार की चिताओं से सर्वथा अलग है, वे अमरीकी दार्शनिक टी. एस. कुह्न (18.7.1922- 17.6.1996) और आस्ट्रियाई वैज्ञानिक दार्शनिक पॉल फेयराबैंड (13.1.1924 - 11.2.1994) की आलोचना करते हैं कि इन दोनों ने विज्ञान के इतिहास- लेखन की हर उस दृष्टि को ध्वस्त कर दिया है, जो प्रबोधन से प्रेरित होती दिखाई देती है।

राजेश्वर सक्सेना, कभी चर्चा में क्यों नहीं रहे? उन पर शायद कायदे का एक लेख भी नहीं है। यह सच है कि उन्हें पढ़ने के लिए एक साथ समय और धैर्य चाहिए, जिसकी अभी अधिक आलोचकों में कमी है। उनके विचार और चिन्तन का क्षेत्र इतना व्यापक है कि उन सबसे अवगत होने के लिए जिस चिंतन-मनन की जरूरत है, वह इस समय नहीं दीखती। जिस समय हिन्दी आलोचना नयी कहानी, नयी कविता में धँसी-फँसी थी, प्रगतिशीलों-मार्क्सवादियों और परिमलियों के बीच उठा-पटक और भिड़न्त जारी थी, उस सब को देखते-समझते और कभी-कभार उन पर कुछ लिखते हुए भी राजेश्वर सक्सेना ने विचार के लिए उसे जरूरी नहीं समझा। उन्होंने देश- विदेश के दिग्गजों की सार्थक ढंग से आलोचना की है। उनकी चिंता में समाज रहा है। विज्ञान और टेक्नालाजी के आर्थिक लाभ यदि पूरे समाज में वितरित नहीं हुए तो दरिद्रता की गति और तेजी से बढ़ जायेगी। उनका यह कथन चालीस वर्ष पहले का है। उनके अनुसार प्रत्येक विषय को अपने सामाजिक जीवन में घटित होना चाहिए। शिक्षा और प्राध्यापक को लेकर दशकों पहले उन्होंने जो लिखा, उसे पुनः हमे पढ़ना चाहिए। 'हमारे देश का प्राध्यापक आज भी सड़ी-गली प्रणाली से पढ़ता और पढ़ाता है। हमारे प्राध्यापक के पास वह ज्ञान नहीं है, जिसके द्वारा वह सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया में अपना योगदान दे सके। इतिहास की अनिवार्यताओं से सम्बद्ध होने तथा उनका ज्ञान कराने का कोई तर्क उसके पास नहीं है' और 'हमारे यहाँ का साहित्य - शिक्षण पिछड़ा हुआ है। उसे बिना रीढ़ का विषय बना दिया गया है... इस तथ्य को भुला दिया गया है कि कला और साहित्य विकृत हो जाने, अर्थहीन हो जाने का मतलब संस्कृति के विकृत और अर्थहीन हो जाने से होता है। हमारी शिक्षण संस्थाओं में साहित्य के जीवन का विश्लेषण नहीं होता, उसकी शव-परीक्षा होती है।'

क्या आज सचमुच भारत में उनकी तरह का कोई और मार्क्सवादी बुद्धिजीवी और विचारक है? आधुनिक ज्ञान मीमांसा पर उन्होंने विचार किया है। वे अकेले मार्क्सवादी विचारक हैं, जिन्होंने वित्तीय पूंजी तथा उत्तर आधुनिक (2001) पर बीस वर्ष पहले विचार किया। वे फ्रांस के दर्शन में संकट (वागर्थ, अंक 160, नवम्बर 2008) पर विचार करते हैं और उत्तर आधुनिकता के स्रोतों की पहेली (संवेद, अप्रैल 2010) बताते हैं। हिन्दी में ज्ञान के साहित्य को उन्होंने समृद्ध किया है। पचासी वर्ष की उम्र में उनमें थकान नहीं है। वे व्हील चेयर पर हैं और उनका मस्तिष्क विश्व के प्रमुख मस्तिष्कों से संवादरत है और होड़ भी लेता है। लगभग बीस युवा उनके साथ हैं। उनकी सरलाता, विद्वत्ता, दार्शनिकता और सामाजिकता से प्रभावित मुदित मिश्रा के नेतृत्व में यह, युवा-टोली उनकी देखभाल कर रही है, उनसे संवाद कर अपने को समृद्ध कर रही है। इन युवाओं में कई विद्यार्थी हैं, फोटोग्राफर, आर्किटेक्ट, शिक्षक, व्यापारी और प्रोफेसर हैं। साहित्य, दर्शन, पर्यावरण और संस्कृति में रुचि रखने वाले मुदित एक्टिविस्ट हैं, छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य को बचाने के लिए जारी मुहिम में सक्रिय भी हैं। उपासना जैसी लड़की सक्सेना जी के साथ है, जो हिन्दी और संस्कृत में एम. ए. है.. यह सब लिखना इसलिए जरूरी है कि हम सब इसे जानें, समझें और सक्सेना जी को पढ़ें। उनको पढ़ना अपने समय को, इसकी चालक शक्तियों को समझना है। राजेश्वर सक्सेना को पढ़कर हम अपने समय को अच्छी तरह समझते हैं। प्रैमैटिज्म और न्यू प्रैमैटिज्म पर उनके अलावा विस्तार से और किसने विचार किया है? अब राजेश्वर सक्सेना की ग्रन्थावली प्रकाशित होनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ आलोचक एवं सामाजिक, राजनीतिक चिंतक हैं, संपर्क 94311 03960)

राजेश्वर सक्सेना की वैचारिकी पर 10-11 को बिलासपुर में संगोष्ठी

साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आगामी 10-11 दिसम्बर को बिलासपुर में दो- दिवसीय संगोष्ठी और अभिनंदन समारोह, राजेश्वर सक्सेना एकाग्र, का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर राजेश्वर सक्सेना की वैचारिकी, आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता संबंधी उनके चिंतन, उनकी वैचारिकी में विज्ञान, दर्शन की भूमिका, उनके संस्मरण और सरोकार पर कई सत्रों में विचार मंथन होगा। इस बृहद आयोजन में देश भर के अनेक विद्वान शामिल होंगे।

कीटों पर मंडराता विलुप्ति का खतरा

जीव- जन्तु

अली खान

जलवायु परिवर्तन के चलते होने वाले नुकसान का अधिकांश आंकलन इंसानों और उनसे संबंधित प्रक्रियाओं को केंद्र में रखकर होता रहा है। इसके अतिरिक्त पशु-पक्षियों और पेड़ पौधों पर होने वाले प्रभावों पर भी शोध हुए हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन और कीट पतंगों के बीच के संबंधों पर बहुत कम ही अध्ययन हुए हैं। इस विषय पर हुए नए अध्ययन से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी की अधिकांश कीट पतंगों की आबादी विलुप्त होने वाली है। इस अध्ययन में यह भी बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से जानवरों और अन्य जीवों में विलुप्त होने का जोखिम पूर्व अनुमानों की तुलना में ज्यादा हो गया है?। दरअसल, अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने अध्ययन में पाया है कि मौसमी बदलावों की वजह से धरती के 65 फीसदी कीट अगली सदी तक विलुप्त हो जाएंगे। तापमान में हो रहा बदलाव कीटों की आबादी को अस्थिर करते हुए विलुप्ति के जोखिम को बढ़ाएगा। शोधकताओं ने पाया कि अध्ययन में शामिल 38 कीट प्रजातियों में से 25 को विलुप्ति का सामना करना पड़ेगा। मौसमी बदलावों की स्थिति में ठंडे खून वाले कीटों का अस्तित्व सबसे ज्यादा खतरे में है, क्योंकि ये शारीरिक तापमान को नियंत्रित करने में समर्थ नहीं होते। ऐसे में कीटों की विलुप्ति पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करेगी, क्योंकि ये परागण के माध्यम से फलों, सब्जियों और फूलों के उत्पादन में सहायता करते हैं। कार्बनिक पदार्थों को विघटित कर हानिकारक कीटों को नियंत्रित करने में भी इनकी भूमिका है। लिहाजा, कीटों पर विलुप्ति का संकट किसी बड़ी चुनौती से कम आंकना खतरनाक साबित हो सकता है। कीटों की आबादी के कम होने से पारिस्थितिक तंत्र पर बुरा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। ऐसे में समय रहते जलवायु परिवर्तन के कारणों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

हाल में आई अमरीका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन से कुछ कीट जीवित रहने के लिए ठंडे वातावरण में जाने को मजबूर होंगे, जबकि अन्य की प्रजनन क्षमता, जीवन चक्र और अन्य प्रजातियों के साथ समन्वय प्रभावित होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कीटनाशक, प्रकाश प्रदूषण, आक्रामक प्रजातियां और कृषि व भूमि उपयोग में बदलाव भी इनके लिए बड़े खतरे हैं। वहीं पर, एक अन्य शोध कृत्रिम रोशनी को लेकर किया गया। इससे यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि आखिर कृत्रिम रोशनी जीव-जंतुओं को कितना प्रभावित करती है। बता दें कि ब्रिटेन की नेचुरल एन्वायरमेंट रिसर्च काउंसिल ने अपने एक अध्ययन में पाया कि प्रकाश के रंगों और तीव्रता में बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की दृष्टि पर जटिल और अप्रत्याशित प्रभाव पड़ रहा है। यह अध्ययन शोध पत्रिका 'नेचर कम्युनिकेशन' में प्रकाशित किया गया। ब्रिटेन के एक्सेटर विश्वविद्यालय के शोधकताओं द्वारा किया गया यह अध्ययन दुनियाभर में प्रकाश प्रदूषण के कारण बढ़ते पर्यावरणीय खतरों के प्रति सचेत करता है। शोध में पाया गया कि रात के समय में पड़ने वाली कृत्रिम रोशनी की जरूरत ने जीव-जंतुओं के जीवन को खासा प्रभावित किया है। कृत्रिम रोशनी की अत्यधिक तीव्रता ने छोटे-छोटे कीट-पतंगों पर विनाशी प्रभाव डाला है। जैसा कि पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में इन छोटे-छोटे कीटों का अहम योगदान रहता है। इनका विनाश पारिस्थितिकी असंतुलन को बढ़ाने वाला है। कीटों पर पड़ने वाले कृत्रिम प्रकाश के प्रभाव को लेकर किए गए शोध से पता चला है कि पूरी दुनिया में रात के समय में प्रकाश व्यवस्था का स्वरूप पिछले करीब 20 वर्षों के दौरान नाटकीय रूप से बदला है।? एलईडी जैसे विविध प्रकार के आधुनिक रोशनी उपकरणों का चलन बढ़ा है। यह स्वाभाविक है कि प्रकाश के प्रति कीटों का आकर्षण अधिक रहता है। लेकिन कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था कीटों की दृष्टि को बहुत ज्यादा प्रभावित करती है।

ऐसे में कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था की जरूरतों और उपयोगिता को समझते हुए आगे से कदम उठाए जाने चाहिए। कृत्रिम प्रकाश से होने वाला प्रदूषण समस्त वातावरण को प्रदूषित करता है। प्रकाश प्रदूषण स्वाभाविक तौर पर पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करता है। कृत्रिम प्रकाश की तीव्रता बैचेनी को बढ़ा देती है और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करके न केवल हम कीटों पर पड़ने वाले विनाशी प्रभाव को कम कर सकते हैं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों से भी बच सकते हैं। इसके लिए हमें आकाश-प्रदीप्ति को कम करना होगा, प्रकाश अतिचार में कमी करनी होगी, आवश्यक न्यूनतम तीव्रता के साथ प्रकाश के स्रोतों का उपयोग, अधिभोग सेंसर का उपयोग करते हुए प्रकाश प्रदूषण को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ प्रकाश जुड़नार में सुधार किया जाए, जिससे कि वे अपने प्रकाश को जहां जरूरत है वहां और अधिक सटीकता और न्यून पक्ष प्रभाव को निर्देशित कर सके। इसके अलावा हमारी कृत्रिम प्रकाश प्रदूषण के प्रति जागरूकता ही पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती प्रदान कर सकती है। यदि हम कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त कर लेते है, तो बहुत हद तक संभव है कि हम स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव से बच सकते हैं और जीव-जंतुओं के जीवन को भी बचा सकते हैं।

बता दें कि दुनियाभर के सभी ज्ञात जीवों में से 75 फीसदी कीट हैं। वर्ष 2019 में हुए एक शोध में भी वैज्ञानिकों ने चेताया था कि एक दशक बाद 25 फीसदी, 50 साल में आधे और 100 साल में सभी कीट धरती से पूरी तरह से गायब हो जाएंगे। हालांकि तब इनकी विलुप्ति का बड़ा कारण कीटनाशकों को माना गया था। नये अध्ययन में पाया गया कि 20वीं सदी की शुरूआत से ही कीटों की तादाद घटने लगी थी। जैसा कि इसके लिए कीटनाशकों को जिम्मेदार ठहराया गया है। लेकिन सबसे चिंताजनक बात यह है कि बीते दशकों में दुनियाभर में कई कीटों की प्रजातियां 70 फीसदी तक कम हुई हैं। वैश्विक स्तर पर इनकी तादाद 2.5 फीसदी की दर से प्रतिवर्ष कम हो रही है। अध्ययन में चेताया गया है कि इन्हें जानवरों, सरीसृप और पक्षियों की तुलना में 8 गुना ज्यादा विलुप्ति का खतरा है। जो कि वाकई में बेहद चिंताजनक स्थिति को दशार्ता है।

कीट सभी स्थलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए जैविक नींव के रूप में कार्य करते हैं। इनके बिना प्रकृति का संतुलन बिगड़ तय है। आम-आदमी के मस्तिष्क में इस सवाल का कौंधना स्वाभाविक है कि आखिर ये कीट हमारे पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में कैसे मददगार है? मालूम हो कि स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए ये अत्यंत आवश्यक हैं। कीट पोषक तत्त्वों के चक्रण, पौधों के परागण और बीजों के प्रसार या स्थानांतरण में सहायक होते हैं। इसके अतिरिक्त, ये मृदा संरचना को बनाए रखने, उर्वरता में सुधार करने तथा अन्य जीवों की जनसंख्या को नियंत्रित करने के साथ-साथ खाद्य श्रृंखला में एक प्रमुख खाद्य स्रोत के रूप में भी कार्य करते हैं। पृथ्वी पर लगभग 80 फीसदी पुष्प पादपों का परागण कीटों द्वारा किया जाता है। भौंरे, मधुमक्खियाँ, भृंग, तितलियाँ और मक्खियाँ परागण में सहायक होती हैं। इसके अतिरिक्त, लेडीबर्ड बीटल्स, लेसविंग, परजीवी ततैया जैसे कीट अन्य हानिकारक कीटों, आथ्रोपोड्स और कशेरुकियों को नियंत्रित करते हैं। साथ ही, कीट मृदा उर्वरता में भी सुधार करते हैं। गुबरैला एक रात में अपने वजन के लगभग 250 गुने गोबर को निस्तारित कर सकता है। ये गोबर को खोदकर और उपभोग करके मृदा पोषक-चक्र व उसकी संरचना में सुधार करते हैं। गुबरैले की अनुपस्थिति गोबर पर मक्खियों को एक प्रकार से निवास प्रदान कर सकती है।अतः कई देशों ने पशुपालन के लाभ और बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए यह प्रस्तावित किया है। पर्यावरण की सफाई में भी इनकी महती भूमिका है। ये मृत और जैविक अपशिष्टों के विघटन में सहायक होते हैं। विघटन की प्रक्रिया के बिना बिमारियों का प्रसार तेजी से होने के साथ-साथ कई जैविक-चक्र भी प्रभावित होंगे। कीट पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य संकेतक के रूप में कार्य करते हैं। साथ ही, प्रमुख वैज्ञानिक सिद्धांतों में अनुसंधान मॉडल के रूप में इन कीटों का उपयोग किया गया है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि हमारी पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में कीटों का बड़ा ही महत्त्वपूर्ण योगदान है। इनके बिना पारिस्थितिक तंत्र को स्वच्छ रखा जाना काफी मुश्किल होगा। जैव-विविधता के लिहाज से भी कीटों की उपस्थिति बेहद जरूरी है।

यह सही है कि पिछले दो दशकों से जलवायु परिवर्तन को लेकर दुनिया भर में सुगबुगाहट का दौर चल रहा है। जहां जलवायु से होने वाले परिवर्तनों ने आम से लेकर खास मुल्कों की चिंताओं में बेतहाशा इजाफा किया है।? हालांकि विगत वर्षों में जलवायु परिवर्तन पर कई मुल्कों ने एक साथ आकर अनेक कदम उठाए हैं। इसके बावजूद हम जलवायु परिवर्तनों को रोकने में नाकामयाब रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की एक रिपोर्ट की मानें तो विश्व में प्रतिदिन औसतन 50 प्रकार के जीवों का विनाश हो रहा है जो वास्तव में आनुवंशिक विनाश है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर प्रवाल जीवों के असामयिक विनाश का मुख्य कारण भी ओजोन परत में ह्रास को माना जा रहा है। जैसा कि ओजोन परत में ह्रास के लिए ग्रीन हाउस गैसें जिम्मेवार है। ग्रीन हाउस गैसों में तीव्र वृद्धि के परिणामस्वरूप भूमंडलीय ताप में वृद्धि हुई है। भूमंडलीय ताप के लिए मुख्यतः कार्बन डाई ऑक्साइड उत्तरदायी है। एक अनुमान के मुताबिक, वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा में लगातार इजाफा होता रहा तो 1900 ईस्वी की तुलना में 2030 में विश्व के तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में यह वाकई बेहद चिंताजनक स्थिति को दशार्ता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें जलवायु परिवर्तनों को रोकने के लिए भरसक प्रयास करने होंगे। अगर समय रहते जलवायु परिवर्तनों को नहीं रोका जा सका तो संभव है कि निकट भविष्य में खाद्य असुरक्षा, संक्रामक बीमारियों जैसे गंभीर हालातों से गुजरना पड़े। ग्रीन हाउस गैसों का स्तर कम करने और उत्सर्जन मानक निर्धारित करने की दिशा में क्योटो सम्मेलन-1997 सराहनीय कदम रहा। लेकिन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सतत प्रयासों की सख्त दरकार हैं।

(स्वतंत्र लेखक एवं शिक्षक, संपर्क : 8290375253)

व्यंग्य

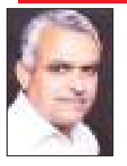

प्लीज! डांट माइंड यार !

अशोक गौतम

जब उनकी सेवा पानी कर करके तंग आ गया तो मैं उनके साहब को मिला। उस समय वे कुर्सी पर सुख से पसरे सुस्ता रहे थे, मुंह से कुछ खा रहे थे, साहब जी ! अंदर आ सकता हूं क्या? मैंने उनसे दोनों हाथ जोड़े कहा तो वे अपना बिजली की चक्की की तरह चलता मुंह रोके बोले, कौन?

आम आदमी हूं साहब!

तो थ्रू प्रॉपर चैनल आइए।

वहां से आने की बहुत कोशिश की साहब! पर बात नहीं बनी सो...

तो क्या बात है?

सर बिजली का मीटर लगवाना है, मैंने दिन के बारह बजे भी अपने को रात के बारह बजे के घुप्प अंधेरे में खड़े पाते कहा तो वे बोले, हद है यार! दिन के बारह बजे भी बिजली के मीटर की मांग करते हो? ये समय तो ऊर्जा बचाने का समय होता है। लगता है तुममें देशभक्ति भी कतई नहीं?

वह बात नहीं साहबजी! मेरे दादाजी अव्वल दर्जे के देशभक्त थे। उनके दादाजी भी वैसे ही देशभक्त थे। मेरे पिताजी भी ऐसे ही देशभक्त थे और मैं भी वैसा ही देशभक्त हूं। मैंने अपनी देशभक्ति का खानदानी परिचय दिया।

और तुम्हारा बेटा?

वह देशभक्त होने से इनकार कर रहा है साहब जी?

क्यों?

आज के देशभक्तों के हाल देख कर साहबजी!

तो कहो ,कैसा मीटर चाहिए तुम्हें? बिन बिल वाला या...

साहबजी! जो बिजली खर्च करने के हिसाब से बिल देता हो।

तो हमारे मीटर बाबू से बात की?

की साहब!

तो?

पर अब फाइल आगे नहीं सरक रही साहबजी।

फाइल का खर्चा पानी प्रॉपर कदम कदम पर पे किया?

साहब जी! पैसा पैसा वसूला है उन्होंने।

कैसे ? कैश या...

गूगल पे से साहबजी!

मतलब?

मतलब पहले मैंने फ्री के फॉर्म का पे किया। फिर फार्म भरने का पे किया। फिर उस पर अपने साइन करवाने का पे किया।

गुड! सिस्टम तो सही फॉलो हुआ है। फिर?

फिर फाइल बनाने का पे किया।

गुड! फिर ...

फिर फाइल आगे सरकाने का पे किया साहबजी!

गुड! यार तुम सारे काम तो प्रॉपर चैलन से कर रहे हो, फिर मीटर क्यों नहीं लग रहा होगा?

अब यही तो आपसे पूछने आया हूं साहबजी!

मीटर वाले को पे किया?

वहां तो अभी फाइल पहुंची ही नहीं! उनको भी पे होना है क्या साहब जी?

उनका ही क्या? उनके साथ वालों को भी पे करना है जो मीटर लगवाना चाहते हो तो.....

देखो! बुरा मत मानना! एक बात कहूं? जनता को साहब के पास सीधे नहीं आना चाहिए। नीचे वाले बुरा मान जाते हैं। इससे बनता काम रूक जाता है।

तो साहब! सीधे किसके पास जाएं?

जो काम करेंगे। उनके पास!

पर भगवान के पास तो हम सीधे जाते हैं साहबजी!

वो बात और है। हम साहब हैं वे भगवान!

साहबजी! अब मैं उन पर और खर्चा पानी खर्च नहीं कर सकता। आपकी मेहबानी हो तो...

अच्छा, एक बात बताओ?

पूछो साहब! जनता के पास तो बताने ही बताने को होता है।

जब मिर्गी के मरीज को मिर्गी का दौरा पड़ता है तो तुम क्या करते हो?

उसे चमड़े का जूता सूंघा देते हैं जनाब!

उसके बाद क्या होता है?

वह ठीक हो जाता है जनाब!

उनकी सेवा पानी भी मिर्गी के दौरे की तरह है। वे जब भी किसीको काम करवाने अपने पास आते देखते हैं तो उनको हरबार यह दौरा पड़ जाता है। या यों कहें कि वे सेवा पानी लेने के असाध्य रोग से पीड़ित हैं। जिन रोगों का इलाज आजतक संभव नहीं हो पाया है, उसी पैनल में एक रोग ये भी है। ऐसा नहीं कि उनकी सैलरी कम है। पर उनको ये असाध्य रोग है तो है। इसलिए फाइल के कदम कदम पर उन्हें चमड़े के जूते की तरह नोट सूंघाते रहो, वे ठीक होते रहेंगे। तुम भी चलते रहोगे और तुम्हारी फाइल भी चलती रहेगी। तुम भी खुश और वे भी खुश!

मतलब ऑफिस में भ्रष्टाचार?

नहीं , डॉक्टर ने उनको सलाह दी है कि वे जो अपने पद पर बैठे काम के बदले पर्सनल सेवा शुल्क नहीं लेंगे तो उन्हें कुछ भी हो सकता है।

मतलब??

ये उनके रोग के उपचार का हिस्सा है यार! सो प्लीज! डांट माइंड यार ! हजार दो हजार किसीको नाजायज खिलाने से जो किसीकी जान बच जाए तो इससे बड़ा पुण्य और क्या होगा तुम्हारे लिए ? हमारा अपने जरा से स्वार्थ के लिए किसीकी जान से खेलना अच्छा लगता है क्या? क्या तुम चाहते हो कि तुम्हारी वजह से उन्हें.... तो ठीक है , उन्होंने मुस्कुराते हुए मुझे उनके गुप्त रोग की जानकारी दी और फिर मुंह को उसकी तरह बिजली की चक्की बना चलाने लगे।

ऐसे में अब मुझे उनके प्रति सेवाभाव तो रखना ही चाहिए न! कल को मेरी वजह से उनको कुछ हो गया तो लांछित कौन होगा? वे या मैं?

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

रचनाएं हमें ई-मेल से भी भेज सकते हैं-
<raisubhash953@gmail.com>

गला रेतकर बालिका की हत्या, सिवान में मिला शव

सनसनी

घटना के बाद डॉग स्क्वायड की टीम ने किया जांच

जनसंदेश न्यूज

जिगना। स्थानीय थाना क्षेत्र के मिश्रपुर गांव में घर से गायब हुई लड़की की गला रेत कर हत्या कर दिया गया, जहां बालिका का शव सिवान में मिलने से हड़कंप मच गया।

बताया जाता है कि जिगना थाना क्षेत्र के मिश्र पुर गांव में मंदिर के पास झाड़ी में 14 वर्षीय कविता देवी पुत्र स्वर्गीय उमाशंकर निषाद का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सिवान में घास छीलने के लिए महिलाओं को बालिका का शव दिखा, जिसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद जहां शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बालिका बुधवार को अपने घर से गायब हुई थी, जहां परिजन खोजबीन कर रहे थे। खोजबीन के बाद भी बालिका का पता नहीं चल पा रहा था। शव को देखकर प्रतीत हो रहा है कि बालिका का गला रेत कर हत्या करने के बाद फेंक दिया गया है। मृतक के भाई बृजेश ने बताया कि युवतियों बुधवार की सुबह से गायब हुई थी, जहां पर काफी खोजबीन के बाद भी पता नही चल सका था। पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने कहा आज खोज लो तब हम खोजबीन करेंगे। मौके पर डॉग स्क्वायड की टीम ने भी जांच की।

सिवान में मिले बालिका के शव के पास जमा ग्रामीण।

> शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस छानबीन में जुटी है। हर पहलुओं पर जांच की जा रही है। डॉग स्क्वायड की टीम भी जांच कर रही है। जहां जांच के बाद जो तथ्य सामने आयेंगे, उसपर कार्यवाई की जाएगी।
>
> दीक्षांत राज, सीओ लालगंज

शार्ट सर्किट से लगी आग से जल गये चार मड़हे

मीरजापुर। देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के बरकछा बीएचयू के पास शॉर्ट सर्किट से चार रिहायशी मड़हे में आग लग गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक घर के अंदर मौजूद सारा सामान जलकर खाक हो गया।

पीड़ित परिवार को राहत सामग्री देते तहसीलदार।

बताया जाता है कि देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के बरकछा बीएचयू के पास गुलाबचंद, देवचंद व रामानुज के घर के पास सर्किट हाउस में आग लग गई, जहां देखते ही देखते आग ने चारों रिहायशी मड़हे को अपने आगोश में ले लिया, जहां घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आग लगने की सूचना के बाद मौके पर तहसीलदार सदर अरुण कुमार गिरी पहुंचे, जहां पर उन्होंने परिजनों को राहत सामग्री वितरित किया। ठंड से बचाव के लिए तहसीलदार ने कंबल सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं भी दी। तहसीलदार ने लेखपाल को निर्देशित करते हुए कहा कि जल्द से जल्द नुकसान का आकलन करके आख्या लगाकर भेजे, जिससे पीड़ित परिवार की पूरी मदद की जा सके।

नुकसान

घटना स्थल पर पहुंचे तहसीलदार ने बांटी राहत सामग्री

विंध्याचल से अयोध्या को जोड़ने की विधायक की मांग

जनसंदेश न्यूज

मांग

नगर की संकरी सड़कों के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण की उठाई आवाज

मांगा 250 बिजली का पोल

मीरजापुर। विंध्याचल धाम में निमार्णाधीन विंध्य कारिडोर को फोर लेन बनाकर अयोध्या नगरी से जोड़ने की मांग भाजपा नगर विधायक रत्नाकर मिश्र ने किया हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र सौंपकर स्वीकृति प्रदान करने की ओर ध्यान खींचा है। कहा हैं कि विंध्याचल में श्रद्धालुओं की आने वाली भीड़ को देखते हुए नगर क्षेत्र के प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण किए जाने की जरूरत है।

नगर विधान सभा क्षेत्र में बांस बल्ली के सहारे दौड़ने वाले बिजली के तारों को हटाकर वहा विद्युत पोल लगाने के लिए 200 से 250 पोल और तारों की मांग ऊर्जा मंत्री से किया है। धार्मिक नगरी विंध्याचल धाम भक्तों के लिए आस्था का केंद्र रहा है। शक्तिपीठ में हर वर्ष हर छह माह पर नवरात्रि में लगने वाले मेले में लाखों भक्त माँ के धाम में दर्शन पूजन करने आते हैं। भक्तों की आस्था को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विंध्य धाम में कारिडोर का निर्माण कार्य आरम्भ कराया हैं। इस पर 128 करोड़ की लागत का अनुमान है।

शिलान्यास के दौरान तत्कालीन पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी ने कहा था कि माता विंध्यवासिनी के धाम को सजाने संवारने में धन की कमी नहीं आने दी जायेगी। विंध्याचल धाम को अयोध्या धाम से जोड़ने के लिए नगर विधायक ने मुख्यमंत्री को सौंपा गए पत्र में कहा है कि विंध्य कारिडोर बनने के बाद भक्तों की संख्या बढ़ेगी। पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इसे फोरलेन की सड़क बनाकर जौनपुर होते हुए अयोध्या धाम से जोड़ दिया जाए। जो पर्यटन की दृष्टि से बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा।

इसके अलावा विंध्याचल धाम में आने वाले भक्तों की तादाद और नगर के सकरे प्रमुख मार्गों को चौड़ीकरण एवं सुंदरी सौंदर्यीकरण की भी मांग मुख्यमंत्री से की गई है।

नगर विधायक रत्नाकर ने ऊर्जा मंत्री को पत्र सौंप कर कहा है कि नगर विधानसभा क्षेत्र में तमाम स्थानों पर आज भी बिजली तार बांस बल्ली के सहारे दौड़े हैं। लिहाजा 200-250 पोल और बिजली के तार दिए जाने की मांग की है। ताकि लोगों के घरों तक बिजली बिना खतरें के लोगों तक सुरक्षित पहुंच सकें।

द्वारपूजा से पहले शादी में हुई मारपीट

मीरजापुर। पैड़ापुर चौकी अंतर्गत धरमदेवा गांव में बुधवार को देर शाम शादी विवाह के दिन द्वार पूजा से पहले ही जमकर मारपीट होने की खबर पर गांव में शोरगुल मच गया। जिसके बाद लोगों ने मारपीट को बचाने हेतु स्थानीय पुलिस को तत्काल सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार यह लड़ाई झगड़ा डीजे व रोड लाइट को लेकर हुआ था। जिससे एक व्यक्ति का मडहा टूट गया, जिसमें वह भूसा रखा हुआ था। इसी बात को लेकर दोनो पक्ष आपस मे भीड़ गए। जिससे ग्रामीणों में मारपीट होना शुरू हो गया। बारात कछवां थाना क्षेत्र के खैरा गांव से आई हुई थी। वही मारपीट की खबर की सूचना मिलते ही पड़री पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांतिपूर्वक हिंदू रीति रिवाज के साथ शादी विवाह को संपन्न कराकर बारात को अगले दिन विधि विधान के साथ विदा कराया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शराब के नशे में धुत लोगों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया, जिससे बवाल बढ़ गया। यदि मौके पर पुलिस ने पहुंची तो शायद यह मारपीट बड़ा रूप ले लेता। वहीं मामले को शांत कराने हेतु लोगों ने स्थानीय पुलिस की प्रशंसा की।

लिट्टी भंटा मेले में उमड़ा भक्तों का सैलाब

चील्ह। विकास खंड कोन के चेतगंज बाजार में स्थित चेतना सरोवर का प्रसिद्ध लिट्टी भंटा का मेला गुरुवार को सकुशल संपन्न हो गया। चेतगंज के चेतना सरोवर पर अगहन पूर्णिमा को लगने वाले मेला में स्थनीय लोगों के अलावा अन्य जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मेला में आए श्रद्धालुओं ने सरोवर के किनारे बाटी चोखा बनाकर लुत्फ उठाया। रविवार को लाही चपरा के व्यापारी गुन्नीलाल विशात ने अपनी मां के निर्देश पर चेतगंज बाजार में विशाल पोखरा का निर्माण कराया था।

मेला देखने को उमड़ी भीड़।

साथ ही पोखरे के भीटे पर एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। तभी से अब तक प्रत्येक वर्ष अगहन पूर्णिमा को चेतगंज के तालाब पर विशाल लोटा भंटा का मेला लगता है। गुरुवार की भोर से ही मेला में भारी भीड़ शुरू होकर देर शाम तक चलता रहा। बताया जाता है कि क्षेत्र की महिलाएं इसी दिन अपने घर गृहस्ती की सामान की खरीदारी भी किया करती हैं। मेले में शांति व्यवस्था बनाने के लिए चील्ह थाना अध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव, चेतगंज चौकी प्रभारी हरिकेश सिंह, राजेश कुमार इंस्पेक्टर, क्राइम ब्रांच, महिला पुलिस के अलावा भारी संख्या में पुलिस एवं एक प्लाटून पीएसी बल की तैनाती की गई थी।

मेला व्यवस्थापक मन्दिर के पुजारी पंडित मुकुटधारी मिश्रा, ताड़केश्वर नाथ मिश्रा के अलावा स्थानीय लोग लगे रहे।

जाड़े में मवेशियों को पिलायें ताजा पानी : बीडीओ

लालगंज। खंड विकास अधिकारी शिव नारायण सिंह बृहस्पतिवार को बामी गांव के गोवंश आश्रय स्थल पर खंड विकास अधिकारी ठंड से बचाव से बचाव के साधनों को देखने के बाद गोपालकों को बताया कि साफ सफाई रखने और ताजा पेयजल गोवंशों को ठंड में देने की जरूरत है। गोवंश को चारा पानी के साथ उन्होंने विकासखंड के 53 ग्राम सभाओं में से ऐसे किसानों को मिलकर जानकारी लिया कि निःशुल्क पुआल कितने किसान स्वतः दे सकते हैं। उन्होंने किसानों को बताया कि इसमें किसी प्रकार का दबाव नहीं बल्कि स्वतंत्र रूप से स्वच्छा से सहयोग करने की आवश्यकता है। संख्या के आधार पर खंड विकास अधिकारी प्रति गोवंश भूसे की व्यवस्था को बनाए रखने की संचालकों को निर्देशित किया। मौजूद ग्राम प्रधान उमेश कुमार खंड विकास अधिकारी को बताया कि भूसा और पोषक तत्व मात्रा निर्देशित नियम के आधार पर दिया जा रहा है। वही उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ईश्वर देव नारायण चतुर्वेदी ने बताया कि ठंड के मौसम में चिकित्सा की समुचित व्यवस्था गोवंश आश्रय स्थल पर बनी हुई है। इसके लिए टीम के सदस्य मिलकर प्रतिदिन गोवंश का स्वास्थ्य परीक्षण करते हैं। ग्राम विकास अधिकारी श्यामधर तिवारी ने बताया कि गोवंश संचालन समिति ने गोबर रेट प्रति फीट पांच रुपए किया। जिसका विक्रय गोशाला समिति करके गोशाला संचालन के लिए किया जाएगा।

आश्रय स्थल का निरीक्षण करते बीडीओ।

कांग्रेस की जीत की खुशी में बांटी गई मिठाई

मीरजापुर। कटरा बाजीराव दीपचंद जैन के आवास पर हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की जीत की खुशी में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दिया। नगरपालिका अध्यक्ष दीपचंद जैन एवं प्रियंका जैन ने कहा कि यह जीत हिमाचल प्रदेश की जनता की जीत हुई है अब जनता कांग्रेस पार्टी की तरफ देख रही है। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संजय दुबे ने कहा कि अब जनता विकास चाहती है जाति धर्म से ऊपर उठकर अब कांग्रेस पार्टी को जीतेगी। मीडिया प्रभारी छोटे खान ने कहा कि हम सब के नेता राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी की मेहनत और हिमाचल प्रदेश की जनता की जीत हुई है। श्री खान ने कहा कि अब जनता कांग्रेस पार्टी की तरफ देख रही है। जनता महंगाई से त्रस्त हो चुकी थी। अब जनता होने वाले चुनाव में परिवर्तन करना चाहती है। इस दौरान शहर अध्यक्ष विक्रम जैन, भोला चौरसिया, संदीप तिवारी, अनुज दुबे, अंकुर श्रीवास्तव आजाद, संतोष कुमार उमर, कृष्णा जयसवाल, विजय दुबे, पहाड़ी आशुतोष कसेरा, नरेंद्र ठाकुर, बन्नी यादव, हरि यादव, खुद्दुस आलम, दयाशंकर यादव, रामप्यारे यादव आदि लोग उपस्थित थे।

समय से बैठें सभी सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर : अश्वनी

हिदायत

एसडीएम मड़िहान ने अस्पतालों पर की छापेमारी

मीरजापुर। लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में सीएचसी व पीएचसी अस्पतालों पर डॉक्टरों के गायब रहने की खबरें मिल रही थी जिसके मद्देनजर गुरुवार को उप जिलाधिकारी मड़िहान ने सभी पीएचसी एवं सीएचसी अस्पतालों पर औचक निरीक्षण किया।

औचक निरीक्षण के दौरान मौके पर कई कर्मचारी गायब मिले जिनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा गया। यह जानकारी देते हुए उप जिला अधिकारी मड़िहान अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि जनता की लगातार शिकायत मिल रही थी कि अस्पतालों पर समय से डॉक्टर समेत अन्य कर्मचारी नहीं मिलते। जिसका संज्ञान लेते हुए गुरुवार को तहसील क्षेत्र के सभी अस्पतालों का युद्ध स्तर पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पतालों पर कई कर्मचारी व डॉक्टर गायक मिले जिनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा गया।

अस्पताल का निरीक्षण करते एसडीएम मड़िहान।

साथ ही उन्होंने बताया कि मौके पर मौजूद सभी डाक्टरों व कर्मचारियों को हिदायत दी गई कि समय पर अस्पताल पहुंचे और ग्रामीण क्षेत्र की जनता का समय पर उपचार करें। लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर अगर दोबारा शिकायत पाई जाती है तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी मड़िहान ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में लगातार निरीक्षण किया जाता रहेगा और निरीक्षण के दौरान जो भी डॉक्टर या कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाते हैं। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान कर्मियों में हड़कंप मचा रहा।

50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक

महामलपुर व बैरमपुर निर्माण कार्य पूर्ण न होने पर एजेंसी पर दर्ज हुई एफआईआर

चिकित्सको की तैनाती न करने पर सीएमओ पर व्यक्त की नाराजगी

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमों, 50 लाख से अधिक लागत के निमार्णाधीन परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस के अलावा अन्य जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहें।

विकास समीक्षा के दौरान जनपद में नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/हेल्थ वेलनेस सेंटरों में चिकित्सकों की तैनाती न किये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी पर कड़ी नराजगी व्यक्त करते हुये निर्देशित किया कि मुख्य विकास अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुये दो दिवस के अन्दर प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सकों की तैनाती करते हुये क्रियाशील किया जाय। आयुष्मान भारत योजनान्तर्गत गोल्डन कार्ड प्रगति को बढ़ाने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया सभी पंचायत सहायकों को प्राथमिकता के आधार पर गोल्डन कार्ड बनाने हेतु अपने स्तर से निर्देशित करें। उन्होने लहुरियादह पेयजल योजना में भी तेजी लाने का निर्देश दिया। 50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुये कहा कि पूर्ण परियोजनाओं को तत्काल हैण्डओवर करना सुनिश्चित करायें ताकि उसका उपयोग जन सामान्य के लिये किया जा सकें। मॉडल स्कूल बैरमपुर एवं महामलपुर के सम्बन्ध में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा बताया गया कि गत बैठक में लिये गये निर्णय के अनुपालन में सम्बन्धित एजेंसी के विरूद्ध कार्य पूर्ण न किये जाने पर एफ0आई0आर0 दर्ज करा दी गयी हैं। नवीन राजकीय हाईस्कूल जो पूर्ण हो चुके है उनके भौतिक सत्यापन के लिये मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि टेक्टिकल टीम बनाकर सत्यापन कराते हुये हैण्डओवर कराना सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माणधीन परियोजनाओं में गुणवत्ता का विशेष ध्यान देते हुये समयावधि के अन्दर पूर्ण कराया जाय। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी अरविन्द कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ राजेंद्र प्रसाद, परियोजना प्रबन्धक डी0आ0डी0ए0 अनय मिश्रा, जिला पंचायत राज अधिकारी अरविन्द कुमार, उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी वाणी वर्मा, उप निदेशक कृषि अशोक उपाध्याय सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में शामिल अधिकारियों को संबोधित करतीं डीएम।

घरौनी योजना के तहत बांटा गया स्वामित्व प्रमाण पत्र

मीरजापुर। स्वामित्व योजना के अंतर्गत श्रेणी 6(2) की भूमि में बसे लोगों को घरौंनी योजना के अंतर्गत जारी प्रपत्र 7,8,9 के बारे में तहसील सदर के कोन ब्लॉक के चकचड़िया, जगदीशपुर, पखवैया गोबहरा गांव में राजस्व टीम द्वारा अवगत कराया गया और जागरूक किया गया कि यदि किसी को भी किसी प्रकार की आपत्ति दावा या संशोधन हो तो वह तहसील के कर्मचारी व अधिकारी से संपर्क कर निराकरण करा सकते हैं।

गांव में घरौनी।

यह जानकारी देते हुए तहसीलदार सदर अरुण कुमार गिरी ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा एक योजना घरौनी योजना लागू की गई है जिसके अंतर्गत काफी दिनों से एक जमीन पर रहने वाले लोगों को स्वामित्व प्रमाण पत्र देने का कार्यक्रम चल रहा है। जिसके अंतर्गत प्रक्रिया को पूर्ण किया जा चुका है। अगर इसके अलावा भी किसी को आपत्ति दावा या संशोधन कराना है तो वह तहसील के कर्मचारियों से संपर्क कर अपनी समस्या का समाधान कर सकता है।

बताते चलें कि विगत कई महीनों पहले हर गांव में घरौनी योजना के लिए लेखपालों द्वारा फीडिंग की गई थी। जिसका प्रमाण पत्र अब जिला प्रशासन द्वारा हर गांव में वितरित किया जा रहा है जिसके क्रम में गुरुवार को सदर तहसील के कई गांव में स्वामित्व प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

संक्षेप

सोना के नाम पर ठगी करने वाले चाचा भतीजा गिरफ्तार

मीरजापुर। विंध्याचल पुलिस ने नकली सोना बेचने वाले चाचा भतीजा को गिरफ्तार किया हैं। उनके कब्जे से चोरी की 8 मोबाइल व 35 हजार रुपया नगद तथा बिना कागजात का एक बाइक बरामद किया गया। पकड़े गए आरोपी प्रयागराज जनपद मेजा थाना इलाके के मेड़वा गाँव निवासी नीरज कुमार बिन्द पुत्र रामसुन्दर बिन्द निवासी तथा विकास बिन्द पुत्र बेचु राम बिन्द शामिल हैं। भदोही जनपद औराई थाना क्षेत्र के नेवढ़िया ग्राम निवासी गौरव प्रताप सिंह पुत्र महेन्द्र कुमार सिंह ने 8 दिसम्बर को नामजद अभियुक्त के विरुद्ध धोखे से नकली सोना बेचने के सम्बन्ध में तहरीर दी थी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पुलिस ने मामला दर्ज का विवेचना आरम्भ किया। एसपी संतोष कुमार मिश्र ने फ्राड की घटना को गंभीरता से लेते हुए सन्दर्भित प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने का आदेश क्षेत्राधिकारी नगर को दिया। कार्यवाही करते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में उप निरीक्षक अजय कुमार मिश्रा चौकी प्रभारी अष्टभुजा ने पुलिस बल के साथ आज मुखबिर की सूचना पर नीरज कुमार बिन्द एवं विकास बिन्द को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ में दोनों ने बताया कि हमलोग नकली सोने का सामान आम लोगों को असली सोना बताकर धोखे से बेचते है। आसपास के जनपदों में घूमफिर कर लोगों को धोखे से नकली सोना बेचकर जो रुपये मिलते है उसे आपस में हम लोग बांट लेते हैं।

बिजली विभाग के अधिकारियों पर लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप

मीरजापुर। मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर भैसहिया टोला निवासी आशीष जायसवाल ने अधिशासी अभियन्ता वितरण, अधिशासी अभियन्ता (मीटर), सहायक अभियन्ता मीटर जी.एम.टी व अवर अभियन्ता जंगीरोड के ऊपर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। आरोप लगाते हुए बताया है कि मेरे नाम से 5 एचपी का एलएमबी 6 का कनेक्शन है, जिससे में आटा चक्की चलाता था। 2019 मार्च में प्रार्थी ने अपना चक्की बन्द कर दिया। जिसकी सूचना विभाग के अधिकारियों को दे कर कनेक्शन को पीडी करने को प्रार्थना पत्र के साथ रिमाइण्डर भी दे दिया था। परन्तु बिजली विभाग के द्वारा आज तक न ही मेरे कनेक्शन को पीडी किया जा रहा है और न ही हमें नया घरेलू कनेक्शन दिया जा रहा है। केवल बिजली विभाग के अधिकारियों के द्वारा बार-बार मेरे घर में आकर मुझे और मेरे परिवार को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। मेरे घर पर विभाग के द्वारा कई बार चेकिंग के दौरान चेकिंग रिपोर्ट भी नही उपलब्ध कराई गई। पीड़ित आरोप लगाते हुए कहा है कि केवल इन अधिकारियों द्वारा इनकी मंसा मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित करना है। पीड़ित ने आरोप लगाते हुए बताया है कि इन अधिकारियों के द्वारा संविदा कर्मचारी के द्वारा पैसे के माँग कराई जाती है।

पौधरोपण अभियान के तहत लगाये गये पौधों का करायें भौतिक सत्यापन

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा समिति एवं पर्यावरणीय समिति की बैठककर कराये गये कार्यो एवं आगे कराये जाने वाले कार्यो की समीक्षा की। गंगा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि गंगा घाटों पर होने वाले गंगा आरती का फोटोंग्राफ प्रभागीय वनाधिकारी को भी उपलब्ध करायी जाय। पार्को के सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया गया कि गंगा घाटों के किनारे वाले पार्को का सौन्दर्यीकरण कराना सुनिश्चित करें। जिला पर्यावरणीय समिति में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित करते हुये कहा कि विभागों द्वारा लगाये गये पौधरोपण का जियो टैगिंग शत प्रतिशत करना सुनिश्चित करें। उन्होने यह भी कहा कि लगाये गये पौधो का भौतिक सत्यापन/क्रास चेकिंग कराते हुये दो दिवस के अन्दर आख्या प्रस्तुत किया जाय। उन्होने कहा कि यह प्रयास किया जाय कि अधिक से अधिक लगाये गये पौधें जीवित रहें। बैठक में प्रभागयी वनाधिकारी अरविन्द कुमार के द्वारा अब तक कराये गये कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उनके द्वारा बताया गया कि लोक निर्माण विभाग कृषि विभाग, प्रदूषण विभाग, पंचायती राज, उद्यान विभाग सहित अन्य विभागों के द्वारा जियो टैगिंग नही किय गया है जिन्हे अविलम्ब जियो टैंगिंग करने का निर्देश दिया गया। मुख्य विकास अधिकरी श्रीलक्ष्मी वीएस, जिला विकास अधिकारी श्रवण कुमार राय, उप निदेशक कृषि अशोक उपाध्याय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

सीडीओ के निर्देश के बाद भी शौचालय में बंद है ताला

लालगंज। स्थानीय तहसील परिसर में विधायक निधि से बना सुलभ शौचायल आंशिक कमी के चलते संचालित नहीं हो पा रहा है, जबकि शौचालय संचालित किए जाने हेतु अधिवक्ताओं द्वारा उच्चाधिकारियों को पत्रक देने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। अधिवक्ता व वाद कारी खुले में शौच करने के लिए विवश है। तहसील दिवस पूर्व में पहुंची मुख्य विकास अधिकारी श्री लक्ष्मी बीएस तहसील दिवस संपन्न किए जाने के बाद उन्होंने तहसील परिसर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय भवन एवं सुलभ शौचालय की जांच के दौरान सुलभ शौचालय के आंशिक गड़बड़ी को दूर कर शौचालय संचालित किए जाने का आदेश दिया गया, किंतु मुख्य विकास अधिकारी के आदेश का आज तक कोई असर नहीं दिखा। सुलभ शौचालय बंद पड़ा हुआ है। अधिवक्ता एवं दूरदराज से आए बात करी खुले में शौच करने के लिए विवश है।

चार महीने में ही टूट गई जिला पंचायत की आरसीसी व नाली

लालगंज। स्थानीय विकास खंड के ग्राम पंचायत लालगंज में कार्यदाई संस्था जिला पंचायत द्वारा 3-4 माह पूर्व लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई आरसीसी नाली जगह-जगह टूट कर पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। ग्रामीणों के दर्जनों बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। लालगंज निवासी राम प्रसाद ने कहा कि मानक के अनुरूप नाली निर्माण का कार्य नहीं किया गया जिसके चलते एक माह में ही यह नाली पूरी तरह ध्वस्त हो गई थी। जिससे ग्रामीणों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदीप कुमार ने बताया कि शिकायती के बाद भी दोषियों पर कार्यवाही न की गई और न तो नाली का पुनर्निर्माण कराया गया। बैंक के सामने ध्वस्त नाली में लोग गीर कर चोटिल हो रहे है। लेकिन अभी तक कार्यदाई संस्था जिला पंचायत का कोई जिम्मेदार अधिकारी देखने तक नहीं आया। सुरेश कुमार ने बताया कि सड़क की पटरी में बनी जर्जर नाली से छोटी मोटी दुर्घटना आए दिन हो जा रही हैं।

40 लीटर शराब के साथ दो पर हुई कार्रवाई

मीरजापुर। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध मद्य निष्कर्षण एवं अवैध मदिरा व्यापार के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में पुलिस ने लालगंज क्षेत्र में दबिश दिया, जहां खेत मे चल रही अवैध शराब की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। आबकारी व लालगंज पुलिस ने खजूरी कालोनी व खजुरी जंगल में दबिश दी गयी, दौरान दबिश 40 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई किया, वहीं 400 किलोग्राम अवैध लहन को नष्ट किया। 5 धधक रही भट्ठियों को मौके पर नष्ट किया गया। इस मामले में पुलिस ने 2 लोग रमेश यादव और राजेश विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर 02 अभियोग आबकारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत करके अग्रिम कार्यवाई में जुट गई। इस दौरान आबकारी निरीक्षक रोशनलाल, आबकारी निरीक्षक सदर विवेक दूबे व अन्य लोग मौजूद रहे।

हेड कांस्टेबल के विरुद्ध कार्रवाई हेतु सीएम पोर्टल पर लगाई गुहार

हलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के मतवार पुलिस चौकी में तैनात हेड कांस्टेबल कमालुद्दीन खां पर डरा-धमकाकर छह हजार रुपए लेने तथा अवैध रूप से कच्ची शराब का फर्जी मुकदमा दर्ज करवाने का आरोप लगाते हुए बेलाही गांव निवासी विद्याधर कोल ने बृहस्पतिवार को सीएम पोर्टल पर प्रार्थना पत्र देकर सिपाही के विरुद्ध कार्रवाई की गुहार लगाई है। श्रमिक विद्याधर कोल ने पत्नी से डरा-धमकाकर जबरन छह हजार रुपए लेने वाले वाले तथा अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने का आरोपी बनाकर फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाले सिपाही कमालुद्दीन खां के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

ट्रक के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

मीरजापुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के रेक्शा पहड़ी के पास बुधवार की देर रात ट्रक के धक्के से युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। धक्का मारने के बाद ट्रक चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। बुधवार की रात धनंजय उम्र 24 वर्ष अपने बहन के घर बनतरवा गया था। वापस लौटते समय रेक्शा पहड़ी के पास पहुंचा ही था कि तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदते हुए धनंजय को लहूलुहान कर भाग निकला। आनन-फानन में परिजन जब तक मौके पर पहुंचे तब तक वह दम तोड़ चुका था। मौके पर पहुंची पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था तो वहीं अपने पीछे पत्नी रूसुम व डेढ़ वर्षीय बालक सनी को छोड़ गया। इस संबंध में इंस्पेक्टर शैलेश कुमार राय ने बताया कि चालक के विरुद्ध तहरीर मिली है मुकदमा दर्ज कर अगली कार्रवाई की जाएगी।

तमंचा व कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर। एसपी के निर्देशन के क्रम में गुरूवार को उ0नि0 रामसूरत यादव पुलिस बल क्षेत्र में गश्त/चेकिंग में भ्रमणशील थे कि इस दौरान सूरज पुत्र हरी निवासी ग्राम बाड़ापुर थाना कछवाँ मीरजापुर को अवैध 01 कट्टा 12 बोर व 05 जिंदा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना कछवां पर आरोपी सूरज पर मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

जीत पर सपाइयों ने दी बधाई

जमालपुर। उपचुनाव मैनपुरी से समाजवादी पार्टी के डिंपल यादव की जीत पर गुरुवार को पार्टी कार्यालय पर जश्न का माहौल रहा जहां कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दिया। इस दौरान सयुस के जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव, मंटू, जटाशंकर, धर्मेंद्र, आलोक, नीरज, संजय सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

कैच के प्रयास में गंवाए चार दांत फिर भी नहीं छोड़ा

नई दिल्ली। क्रिकेट मैदान पर कैच के प्रयास में अक्सर दो खिलाड़ियों को आपने आपस में भिड़ते हुए देखा होगा, लेकिन लंका प्रीमियर लीग में एक मैच के दौरान ऐसी घटना घटी, जो विरले ही मैदान पर देखी जाती है। कैंडी फाल्कन और गाले ग्लेडिटर के बीच हुए एक मैच के दौरान श्रीलंका के ऑलराउंडर चमिका करुणारत्ने कैच के प्रयास में घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। गाले ग्लेडिटर की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही थी। इस दौरान जब नुवानिंदु फर्नांडो 13 रन के स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तो उन्होंने ब्रेथवेट की गेंद पर हवा में एक शॉट खेला। गेंद के नीचे चमिका करुणारत्ने थे। उन्होंने कैच तो ले लिया, लेकिन इस दौरान उन्हें अपनां दांत गंवाना पड़ गया। उनके साथी खिलाड़ी ने उन्हें इशारा कर इस बारे में बताया।

3 महीने में बैक टू बैक क्रिकेट, भारत आएंगी बड़ी 3 टीमें, बीसीसीआई ने जारी किया शेड्यूल

अगले साल श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा भारत: जनवरी में श्रीलंका के दौरे से शुरूआत

नई दिल्ली। टीम इंडिया अगले साल श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीम की मेजबानी करने जा रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार को श्रीलंका दौरे के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। इसके अनुसार, भारत को अगले साल घर में 9 वनडे, 6 टी-20 और 4 टेस्ट खेलने हैं। ये सभी मुकाबले 78 दिनों के अंदर खेले जाएंगे।

ये दौरे अगले साल अक्टूबर-नवंबर में भारत की मेजबानी में वनडे वर्ल्ड कप 2023 की तैयारियों के लिहाज से अहम हैं। टीम इंडिया के इस मिशन-2023 का आगाज श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से होगा। टीम को 3 से 15 जनवरी के बीच 3 टी-20 और इतने ही वनडे मुकाबलों की मेजबानी करनी है।

जनवरी माह में 11 मैच होंगे, इनमें 6 वनडे और 5 टी-20

टीम इंडिया जनवरी माह में 11 मुकाबले खेलेगी। इनमें 6 वनडे और 5 टी-20 शामिल हैं। उसे श्रीलंका के बाद न्यूजीलैंड से व्हाइट बॉल मुकाबले खेलने हैं। कीवियों के खिलाफ टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला 1 फरवरी को खेला जाएगा। श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज की शुरूआत 3 जनवरी को मुंबई से होगी। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 5 जनवरी को पुणे और 7 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा। टी-20 सीरीज के बाद पहला वनडे 10 जनवरी को गुवाहाटी में, 12 जनवरी को कोलकाता में और 15 जनवरी को त्रिवेंद्रम में खेला जाएगा।

श्रीलंका के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारतीय दौरे पर आएगी। उसे 18 जनवरी से 1 फरवरी के बीच 3 वनडे और 3 टी-20 मैच खेलने हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 18 जनवरी से शुरू होगा। जो हैदराबाद में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 21 को रायपुर में और तीसरा 24 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा। उसके बाद 27 जनवरी को रांची में टी-20 सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा। 29 को दूसरा लखनऊ और एक फरवरी को तीसरा टी-20 अहमदाबाद में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया से 4 टेस्ट मैच खेलेंगे हम

श्रीलंका और न्यूजीलैंड से व्हाइट बॉल सीरीज खेलने के बाद टीम इंडिया 9 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला मुकाबला 13 फरवरी तक नागपुर में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट दिल्ली में 17 से 21 फरवरी, तीसरा 1 से 5 मार्च तक धर्मशाला और चौथा 9 से 13 मार्च तक अहमदाबाद में खेला जाएगा। टीम ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट के बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज भी खेलेगी। वनडे सीरीज का पहला मैच 17 मार्च को मुंबई में, दूसरा 19 मार्च को वाइजैक में और तीसरा 22 मार्च को चेन्नई में खेला जाएगा।

तमीम पूरी तरह फिट नहीं, भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिये जाकिर हसन टीम में शामिल

चटगांव। बांग्लादेश ने 14 दिसंबर से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिये शीर्ष क्रम बल्लेबाज जाकिर हसन को पहली बार टीम में शामिल किया। हसन को टीम में शामिल करने का फैसला अनुभवी तमीम इकबाल के ग्रोइन चोट से नहीं उबर पाने के कारण किया है। हसन को भारत ए के खिलाफ पहले अनाधिकृत टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था और वह प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ी थे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के चयनकर्ता मिन्हाजुल अबेदिन ने क्रिकबज से कहा, हमारे फिजियो ने कहा कि वह (तमीम) पहला टेस्ट नहीं खेल पायेगा। लेकिन हम दूसरे टेस्ट के लिये उसकी मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। इसलिये हमने शुरूआती टेस्ट के लिये ही टीम की घोषणा की है।

सहवाग ने टीम इंडिया के प्रदर्शन पर उठाये सवाल

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी भारतीय क्रिकेट टीम की हार के बाद पूर्व क्रिकेटरों ने टीम इंडिया के लगातार गिरते प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। भारतीय टीम पहले एशिया कप उसके बाद टी20 विश्वकप के बाद न्यूजीलैंड और बांग्लादेश में भी नाकाम रही। इससे अब रोहित शर्मा की कप्तानी और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की कोचिंग पर भी सवाल उठने लगे हैं। यह भी मांग की जा रही है कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 टीम की कप्तानी देने के साथ ही द्रविड़ पर काम के बोझ को भी कम करना होगा। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि बीसीसीआई लगातार असफलता को लेकर रोहित और द्रविड़ से सवाल भी कर सकता है। सहवाग ने सोशल मीडिया पर लिखा क्रिप्टोस से भी अधिक तेजी से हमारा प्रदर्शन नीचे आ रहा है। इसलिए अब हमें इस बारे में विचार की जरुरत है हालांकि दूसरे एकदिवसीय के बाद कोच द्रविड़ ने कहा कि सीरीज में हमारे पास स्थिर टीम नहीं थी। हमार कई खिलाड़ी चोटिल थे। ऐसे में किसी नए खिलाड़ी के लिए आकर अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं रहता। वहीं टी20 विश्व कप की बात करें तो सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और लोकेश राहुल अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे। सेमीफाइनल में टीम को इंग्लैंड से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। कोहली और सूर्यकुमार यादव ही अच्छा प्रदर्शन कर सके। गेंदबाजी में स्पिनर नाकाम रहे।

रोहित स्वदेश लौटेंगे अभिमन्यु को टीम में शामिल किया जाएगा

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण बांग्लादेश दौरे से हटे

मुम्बई। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण बांग्लादेश दौरे से शीघ्र ही स्वदेश लौटेंगे। रोहित को दूसरे एकदिवसीय में क्षेत्ररक्षण के दौरान एक गेंद लग गयी थी। अब वह जांच के लिए वापस लौट रहे हैं। ऐसे में रोहित का 14 दिसंबर से बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलना संभव नजर नहीं आ रहा। अब रोहित के बैकअप के तौर पर बंगाल के युवा सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्ववरन को शामिल किया जा सकता है। अभिमन्यु अभी बांग्लादेश में ही और भारत-ए के कप्तान हैं। उन्होंने बतौर सलामी बल्लेबाज बांग्लादेश-ए के खिलाफ दोनों ही मैचों में शानदार बल्लेबाजी की है। एक रिपोर्ट के अनुसार अभिमन्यु को टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। 27 साल के अभिमन्यु ने फर्स्ट क्लास लिस्ट-ए और टी20 को मिलाकर 25 शतक लगाए हैं। ऐसे में उनके पास बड़ा अनुभव है हालांकि उन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पदार्पण नहीं किया है। उन्होंने अब तक 77 फर्स्ट क्लास मैच में 44 की औसत से 5419 रन बनाए हैं। इसमें 17 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। इस प्रकार उन्होंने 40 बार 50 से अधिक रन की पारी खेली है। इसके साथ ही इस युवा बल्लेबाज ने 233 रन की बड़ी पारी भी खेली है। अभिमन्यु का रिकॉर्ड लिस्ट-ए क्रिकेट में भी अच्छा नहीं है। उन्होंने अब तक 78 मैच में 46 की औसत से 3376 रन बनाये हैं। इसमें 7 शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 82 का है। इसमें 149 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वहीं टी20 के रिकॉर्ड को देखें तो उन्होंने 27 मैच में 38 की औसत से 728 रन बनाए हैं। वहीं बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार या उमरान मलिक चोटिल मोहम्मद शमी की जगह शामिल किये जा सकते हैं। वहीं घुटने की सर्जरी के बाद एक भी मैच नहीं खेल पाये ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा सीधे टेस्ट खेलेंगे।

सबसे खराब वनडे फॉर्म में विराट: अय्यर बने 2022 के टॉप ओडीआई स्कोर

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इस समय वनडे क्रिकेट में अपने करियर के सबसे खराब फॉर्म में हैं। 34 साल के इस बल्लेबाज ने इस साल 18.90 के औसत से 189 रन बनाए हैं। वे बांग्लादेश के खिलाफ पिछली 2 पारियों में दहाई तक ही नहीं पहुंच सके। बुधवार को मीरपुर में खेले गए दूसरे वनडे में कोहली ने 5 रन बनाए। इस मुकाबले में 5 बड़े रिकॉर्ड्स बने। इनमें विराट कोहली की पारी के अलावा नंबर-8 बैटर का हाईएस्ट स्कोर, साल के टॉप रन स्कोरर जैसे 5 रिकॉर्ड्स शामिल हैं। सभी के बारे में हम इस खबर में जानेंगे। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे में 5 रन बनाकर आउट हो गए। पहले वनडे में वह 9 रन ही बना सके थे। इस साल 10 वनडे में उन्होंने महज 18.90 के औसत से रन बनाए। वह 2 फिफ्टी ही जड़ सके। 5 पारियों में तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। 2008 में उनका औसत 31.80 का था। इसी साल उन्होंने डेब्यू किया था। तब 5 मैचों में वह 2 फिफ्टी ही जड़ सके थे।

डेविड वार्नर का सनसनीखेज खुलासा : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने ड्रेसिंग रूम में घुसकर बनाया दबाव, तब हुई टैम्परिंग

लंदन। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच गुरुवार से शुरू हो गया है। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम के पूर्व कप्तान डेविड वार्नर ने अपने मैनेजर जेम्स एर्सकिन के जरिए एक सनसनीखेज खुलासा किया है। एर्सकिन ने एक इंटरव्यू में दावा किया है कि 6 साल पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन टेस्ट मैच के दौरान बॉल टैम्परिंग का वाकया क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों के दबाव के कारण हुआ था। इसमें खिलाड़ियों की ज्यादा गलती नहीं है।

दो अधिकारी ड्रेसिंग रूम में आए थे

एर्सकिन ने कहा है कि कि मैच के दौरान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के दो एग्जीक्यूटिव ड्रेसिंग रूम में आए थे। वे चाहते थे कि ऑस्ट्रेलिया की टीम हर हाल में मैच जीते। इस पर वार्नर ने कहा कि यह तभी हो सकता है जब गेंद रिवर्स स्विंग हो और गेंद तभी रिवर्स स्विंग हो सकती है जब उसके साथ छेड़छाड़ की जाए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने फिर खिलाड़ियों से बॉल को टैम्पर करने को कहा। वे हर हाल में जीत हासिल करना चाहते थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बॉल को खराब करने का फैसला किया।

यह घटना टीवी कैमरे पर कैप्चर हो गई और बाद में इस मामले में आरोपी खिलाड़ियों पर बैन लगा। तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर पर 1-1 साल का बैन लगाया गया। गेंद को सैंड पेपर से खराब करने वाले कैमरून बेनक्रॉफ्ट को 6 महीने की सजा सुनाई गई। इसके अलावा वार्नर पर लाइफटाइम लीडरशिप बैन लगा दिया गया। यानी वार्नर भविष्य में टीम की कप्तानी नहीं कर सकते थे।

उस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम 85 रन पर ऑल आउट हो गई थी और उसे पारी के अंतर से हार मिली थी।। मैच के दौरान ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड के अधिकारी ड्रेसिंग रूम में आए थे और टीम को बॉल टैम्परिंग कर बॉल रिवर्स स्विंग कराने की सलाह दी थी।

बैन को गलत ठहराया, लेकिन अपील वापस ली

एर्सकिन ने कहा कि 2018 में साउथ अफ्रीका दौरे पर बॉल टैम्परिंग के लिए वार्नर पर आजीवन लीडरशिप बैन लगाना गलत है। अगर सच्चाई बाहर आई तो कई बड़े खिलाड़ी और बोर्ड के अधिकारियों के नाम भी सामने आएंगे। उन्होंने दावा कि जब बॉल टैम्परिंग का यह पूरा विवाद चल रहा था, उस वक्त वार्नर का परिवार काफी डिस्टर्ब था। वार्नर की वाइफ कैंडिस ने इस दौरान एक बच्चा भी खो दिया था, जो परिवार के लिए एक बड़ा झटका था।

दरअसल, 2018 में बॉल टैम्परिंग के लिए आजीवन कप्तानी के लिए बैन का सामना करने वाले डेविड वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड से बैन हटाने के लिए अनुरोध किया था। उन्होंने बुधवार को अपने अनुरोध को वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि जांच के नाम पर उनकी पब्लिक लिंचिंग की कोशिश हो रही थी। इस वजह से उनका परिवार काफी तनाव में था और उन्होंने अनुरोध वापस ले लिया।

क्या था मामला?

2018 में साउथ अफीका दौरे पर गई ऑस्ट्रेलियाई टीम पर गक्बेरहा में खेले गए टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में बॉल से छेड़-छाड़ के आरोप लगे थे। इस मुकाबले में कैमरून बेनक्रॉफ्ट सैंडपेपर से बॉल को घिसते देखे गए थे, ताकि बॉल खुरदरी हो जाए और रिवर्स स्विंग ज्यादा मिले। बाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उप कप्तान डेविड वार्नर और बेनक्रॉफ्ट पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने प्रतिबंध लगा दिया था। तब कहा गया कि वार्नर इसके मास्टरप्लानर थे और कप्तान स्मिथ को इसकी जानकारी थी।

रोहित की बल्लेबाजी पर भावुक हुई रितिका

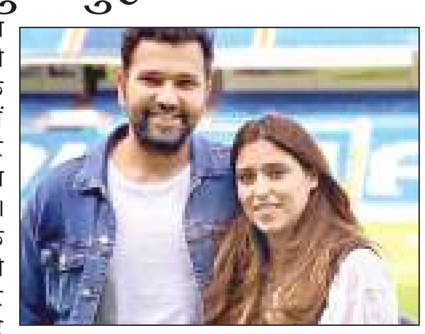

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में बल्लेबाजी देखकर उनकी पत्नी रितिका सचदेह भावुक हो गयी। रोहित इस मैच में टांके लगे होने के बाद भी निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंतिम गेंद तक टीम को जीत दिलाने का प्रयास करते रहे पर वह अपने प्रयास में सफल नहीं हुए। रोहित की इसी पारी पर रितिका ने प्रतिक्रिया दी है। रितिका ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डालते हुए लिखा कि आई लव यू आप जिस तरह के इंसान हो मुझे उसपर काफी गर्व है। ऐसे हालात में खेलने जाना और एक कमाल की पारी खेलना शानदार है। गौरतलब है कि रोहित को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय के दौरान क्षेत्ररक्षण करते वक्त चोट लग गई थी। रोहित के अंगूठे में गंभीर चोट थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। रोहित इसी कारण पारी की शुरूआत के लिए भी नहीं आये थे। वहीं जब टीम इंडिया संकट में थी तब वह नौंवे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। रोहित ने यहां केवल 28 गेंद में 51 रन बनाये जिसमें 3 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। एक समय पर ऐसा लगा कि रोहित भारत को यह मैच जिता ही देंगे पर अंत के कुछ ओवर टीम के लिए अच्छे नहीं रहे जिससे मैच हाथ से निकल गया।

किवी क्रिकेटर नीशम ने मंगेतर एलेक्स से शादी की

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के क्रिकेटर जिमी नीशम शादी ने अपनी मंगेतर एलेक्स मैकलियोड-स्मिथ से शादी की है। नीशम ने शादी के बाद पनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पत्नी के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा सप्ताहांत में कुछ काम पूरे हुए। वहीं न्यूजीलैंड के ही क्रिकेटर और नीशम के साथी खिलाड़ी लॉकी फार्ग्यूसन ने भी सोशल मीडिया पर इस जोड़े की एक तस्वीर भेज कर उसे बधाई दी है। फार्ग्यूसन ने लिखा नीशम परिवार को ढेर सारा प्यार। हमें अपने कुछ खास दिनों का हिस्सा बनाने के लिए आभार।

गौरतलब है कि नीशम को न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अनुबंधित नहीं किया है ऐसे में वह महीने के अंत में शुरू होने वाले टी20 सुपर स्मैश में नजर आयेंगे। नीशम ने न्यूजीलैंड के लिए टी-20 विश्व कप में भी खेला था। वह आईपीएल नीलामी में भी शामिल होंगे। उन्होंने नीलामी में केन विलियमसन और एडम मिल्ने के साथ 2 करोड़ रुपए का आधारमूल्य तय किया है। वहीं बिग बैश में अपनी नई पारी को लेकर नीशम ने कहा कि मैं इस साल पहली बार बिग बैश में शामिल होने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैंने हरिकेंस टीम के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं। इस साल यह सूची अविश्वसनीय रूप से बेहतर नजर आ रही है। दिखती है इसलिए मुझे उम्मीद है कि फ्रेंचाइजी के लिए एक सफल टूर्नामेंट में हिस्सा लेना शानदार होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ हार पर बोले द्रविड़ प्रारुप बदलना आसान नहीं हमारे पास नहीं थी पूरी टीम

ढ़ाका। भारतीय क्रिकेट टीम की बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में हार के बाद प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया की जमकर आलोचना की। प्रशंसकों का कहना था कि अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप से पहले टीम का प्रदर्शन इस स्तर का होना निराशाजनक है। वहीं टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि एक प्रारुप से दूसरे में जाना आसान नहीं रहता। मैच के बाद द्रविड़ ने कहा हमारे नजरिये से देखें तो खेलना इतना आसान नहीं रहा है। हमारे पास पूरी टीम नहीं थी। उम्मीद है कि अगले साल की शुरूआत में हमें घरेलू सीरीज में खेलने के लिये पूरी टीम मिल जाएगी। यह टीम की फिटनेस पर भी निर्भर करेगा। हमें आईपीएल से पहले कुल नौ एकदिवसीय तीन न्यूजीलैंड तीन श्रीलंका और तीन ऑस्ट्रेलिया से खेलने हैं और उम्मीद करते हैं कि उनमें से इन मैचों के लिए एक अच्छी टीम मिल जाएगी।

मार्नश लाबुशेन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाई शतकों की हैट्रिक, ट्रेविस हेड ने भी जड़ा सैकड़ा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में गुरुवार (आठ दिसंबर) को शुरू हुआ। डे-नाइट टेस्ट के पहले दिन खेल समाप्ति तक ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 330 रन बना लिए। टेस्ट के नंबर-1 बल्लेबाज मार्नश लाबुशेन ने लगातार तीसरी पारी में शतक लगाया है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ शतकों की हैट्रिक पूरी की। वहीं, ट्रेविस हेड ने होमग्राउंड पर शतकीय पारी खेली।

दो विकेट गिर जाने के बाद लाबुशेन और हेड ने चौथे विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी की। लाबुशेन ने 11 चौकों की मदद से नाबाद 120 रन बनाए। वहीं, हेड ने 12 चौकों की मदद से नाबाद 114 रन बनाए। उन्होंने पहली बार अपने होमग्राउंड पर शतक लगाया है। वहीं, लाबुशेन ने पर्थ में खेले गए पिछले टेस्ट में 204 और नाबाद 104 रन की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलिया के नियमित कप्तान पैट कमिंस इस मैच में चोट के कारण नहीं खेले। वहीं, उनके साथी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी चोट के कारण मैच में नहीं खेले। उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी सीरीज में खेलने पर संदेह है। पैट कमिंस के स्थान पर पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने टीम का नेतृत्व किया। उन्होंने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। डेविड वॉर्नर के रूप में कंगारू टीम को पहला झटका लगा। वह 21 रन बनाकर नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर पवेलियन लौट गए। वॉर्नर को अल्जारी जोसेफ ने विकेटकीपर जोशुआ डी सिल्वा के हाथों कैच कराया। उनके बाद लाबुशेन और उस्मान ख्वाजा ने दूसरे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी की। ख्वाजा 62 रन बनाकर डेवोन थॉमस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। उन्होंने इस साल कैलेंडर ईयर में अपने 1000 रन भी पूरे कर लिया। उनके बाद बल्लेबाजी के लिए आए कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ खाता खोले बगैर आउट हो गए। उन्हें जेसन होल्डर ने एलबीडब्ल्यू कर दिया।

शीर्ष कोर्ट की दो टूक, कहा- कॉलेजियम प्रणाली देश का कानून, इसके खिलाफ टिप्पणी करना ठीक नहीं

केंद्र ने कॉलेजियम से फाइलों पर फिर से विचार करने को कहा, कोर्ट बोला- उसके द्वारा घोषित कोई भी कानून सभी के लिए बाध्यकारी है और कॉलेजियम प्रणाली का पालन किया जाना चाहिए

नई दिल्ली। जजों की नियुक्ति के लिए निर्धारित कॉलेजियम सिस्टम को लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट में तनातनी बनी हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि जजों की नियुक्ति का कॉलिजियम सिस्टम देश का कानून है। इसके खिलाफ टिप्पणी ठीक नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसके द्वारा घोषित कोई भी कानून सभी के लिए बाध्यकारी है और कॉलेजियम प्रणाली का पालन किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट अदालतों में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम द्वारा भेजे गए नामों को मंजूरी देने में केंद्र की ओर से की जा रही देरी से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी।

जस्टिस एस के कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से सरकार को इस बारे में सलाह देने के लिए कहा। बेंच में जस्टिस ए एस ओका और विक्रम नाथ भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह उम्मीद है कि अटॉर्नी जनरल सरकार को सलाह देंगे ताकि शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित कानूनी सिद्धांतों का पालन किया जा सके। कॉलेजियम प्रणाली सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के बीच एक विवाद का कारण बन गई है। जजों द्वारा जजों की नियुक्ति के तंत्र को विभिन्न हलकों से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने 25 नवंबर को नया हमला करते हुए कहा था कि कॉलेजियम प्रणाली संविधान के लिए एलियन है। उन्होंने कॉलेजियम सिस्टम को अपारदर्शी बताया था।

यहां ध्यान देने वाली बात है कि कॉलेजियम द्वारा भेजे गए 20 नामों को हाल ही में सरकार द्वारा वापस भेज दिया गया था। पीठ ने पूछा कि यह लड़ाई कैसे सुलझेगी? जब तक कॉलेजियम सिस्टम है, जब तक इसे बरकरार रखा जाता है, तब तक हमें इसे लागू करना है। आप दूसरा कानून लाना चाहते हैं, आपको दूसरा कानून लाने से कोई नहीं रोकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर समाज का एक वर्ग यह तय करने लगे कि किस कानून का पालन करना है और किसका पालन नहीं करना है, तो चीजें बिगड़ जाएंगी। जब आप एक कानून बनाते हैं, तो आप उम्मीद करते हैं कि अदालतें इसे तब तक लागू करेंगी जब तक कि कानून को रद्द नहीं कर दिया जाता।

इससे पहले 2 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली को कुछ ऐसे लोगों के बयानों के आधार पर बेपटरी नहीं की जानी चाहिए जो दूसरों के कामकाज में ज्यादा दिलचस्पी रखते हों। इसके साथ ही जोर दिया कि सर्वोच्च अदालत सबसे पारदर्शी संस्थानों में से एक है। उससे पहले केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से उन 20 फाइलों पर पुनःविचार करने को कहा है जो हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित हैं। इनमें अधिवक्ता सौरभ कृपाल की भी फाइल शामिल है जो खुद के समलैंगिक होने के बारे में बता चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी आनंदीबेन पटेल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 10 दिसंबर को वाराणसी में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवच दिवस-2022 के मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि राज्यपाल पटेल केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया की उपस्थिति में सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरे दिन सम्मेलन में भाग लेने वाले है। मंत्रालय के अनुसार कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्री सम्मिलित हो रहे हैं। इसके अलावा इस दो दिवसीय सम्मेलन में स्वास्थ्य एसीएस / प्रमुख सचिव राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के निदेशक स्वास्थ्य निदेशक 900 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी/स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के प्रभारी तथा पांच राज्यों-उत्तर प्रदेश बिहार मध्य प्रदेश झारखंड और उत्तराखंड के चिकित्सा अधिकारी शामिल होने वाले हैं।

नेहा मर्दा ने बताए प्रेग्नेंसी मिथ्स यूजर्स बोले- पहले रिसर्च करके आओ

मुंबई। टीवी शो 'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री नेहा मर्दा जल्द ही मां बनने वाली हैं। इन दिनों वह अपनी प्रेग्नेंसी को एंजॉय कर रही हैं। नेहा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन अपनी फोटोज-वीडियो शेयर कर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आती हैं। हाल ही में नेहा ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वह प्रेग्नेंसी मिथ्स पर बात करती नजर आ रही हैं। उन्होंने ऐसे पांच मिथ का जिक्र किया है। मगर, वीडियो में कही गईं नेहा की बात यूजर्स को पसंद आती नहीं दिख रहगी हैं। यूजर्स ने एक्ट्रेस को प्रेग्नेंसी के बारे में रिसर्च करने की सलाह दे डाली है। क्या है पूरा मामला, आइए जानते हैं..। नेहा मर्दा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से प्रेग्नेंसी में मिथ्स और फैक्टस को लेकर एक वीडियो शेयर किया है। पिंक कलर की ड्रेस पहने नेहा प्रेग्नेंसी मिथ्स के बारे में इशारा कर रही हैं। यह मिथ हैं- प्रेग्नेंसी में चाय या कॉफी नहीं पीनी चाहिए। प्रेग्नेंट महिला को दो लोगों (मां-बच्चे) का खाना खाना चाहिए। प्रेग्नेंसी के दौरान यात्रा करने से और शारीरिक कसरत से बचना चाहिए। सुबह के वक्त जी मिचलाना, बेचैनी होना या उल्टी होना आम बात है। सबसे आखिरी बात उन्होंने यह कही कि प्रेग्नेंसी में शारीरिक संबंध बनाने से बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है यह भी एक मिथ है।

खास खबर

श्रीकृष्ण जन्मभूमिः रिवीजन केस एडीजे कोर्ट में ट्रांसफर

मथुरा। मथुरा की अदालत में बृहस्पतिवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को लेकर दाखिल पांच वादों पर सुनवाई हुई। इनमें अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र माहेश्वरी के केस स्थायित्व पर बहस के सिविल जज सीनियर डिवीजन के आदेश के खिलाफ रिवीजन केस को जिला जज ने सुनवाई के लिए एडीजे षष्ठम की अदालत में स्थानांतरित कर दिया है। इस वाद में बृहस्पतिवार को सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड अदालत में हाजिर हुआ है। अधिवक्ता राजेन्द्र माहेश्वरी ने बताया कि अब इस केस में 20 दिसंबर को सुनवाई होगी। वहीं अधिवक्तागण के केस स्थानांतरण के प्रार्थना पत्र पर जिला जज राजीव भारती आदेश रिजर्व कर लिया है, जिसके शाम तक देने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री के मामले में अदालत ने पांच जनवरी की तारीख तय की है। वहीं अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि उनके केस में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड अदालत में हाजिर नहीं हुआ।

सवा करोड़ की स्मैक सहित तस्कर गिरफ्तार

बहराइच। जिले की दरगाह थाने की पुलिस ने स्मैक की खेप के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय कीमत सवा करोड़ रुपए आंकी गई है। पकड़े गए तस्कर को पुलिस ने जेल भेज दिया। एसपी प्रशांत वर्मा के निर्देश पर दरगाह थानाध्यक्ष मनोज सिंह दलबल के साथ रेलवे क्रासिंग के पास चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध हालात में एक युवक खड़ा था। जब उसके पास पहुंचाने का प्रयास किया गया तो वह भागने लगा। इस पर उसे दौड़ाकर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 210 ग्राम स्मैक बरामद हुआ है। एसपी ने बताया कि आरोपी की पहचान बाराबंकी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र निवासी नसीम राइनी के रूप में हुई है। आरोपी के पास बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय कीमत सवा करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

मोरबी में खिला कमल, भाजपा के कांतिलाल अमृतिया 62079 वोटों से जीते

पुल हादसे के बाद चुनाव परिणाम पर असर देखने की थी बात

मोरबी। गुजरात विधानसभा चुनावों की मतगणना का काम जारी है और अब तक के प्राप्त रुझानों के अनुसार, राज्य में भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। राज्य की वीआईपी सीटों के अलावा इस चुनाव में एक और सीट जो चर्चा में रही वो मोरबी सीट है, जहां हुए पुल हादसे में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी और माना जा रहा था कि इस हादसे का चुनाव परिणाम पर असर जरूर देखने को मिलेगा। कांग्रेस ने यहां से जयंतीलाल जेराजभाई को चुनाव मैदान में उतारा था जबकि आम आदमी पार्टी ने पंकज कांतिलाल रणसरिया पर भरोसा जताया था। वहीं अगर भाजपा की बात करें तो भाजपा ने मौजूदा विधायक कांतिलाल अमृतिया पर ही भरोसा जताया था। अक्टूबर में मोरबी पुल हादसे के बाद लोगों को बचाने के लिए मच्छू नदी में छलांग लगा देने वाले कांतिलाल अमृतिया खासी चर्चा में रहे थे। अब बात करें चुनावी आंकड़ों की तो जैसा कि मोरबी हादसे के बाद माना जा रहा था कि वहां भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है, लेकिन उसका ठीक उल्टा हुआ है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, मोरबी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार कांतिलाल अमृतिया से जीत चुके हैं। अमृतिया ने 114538 वोट पाकर जीत हासिल की है, वहीं कांग्रेस उम्मीदवार पटेल जयंतीलाल जेराजभाई अब तक 52459 मतों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि तीसरे स्थान पर आम आदमी पार्टी के पंकज कांतिलाल रणसरिया को 17544 मत मिले हैं।

पुरानी पेंशन बहाली व ठेका कर्मियों की रेगुलराइजेशन आदि मांगों को लेकर होगा राष्ट्रव्यापी आंदोलन

नई दिल्ली। पुरानी पेंशन बहाली व अनुबंध कर्मचारियों की रेगुलराइजेशन आदि 7 सुत्रीय मांगों को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। यह ऐलान बृहस्पतिवार को ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन और कनफरडेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्पलाइज एंड वर्कर्स के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में किया गया। सम्मेलन में देश भर से दोनों संगठनों के पांच हजार से ज्यादा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भाग लिया। सम्मेलन की अध्यक्षता ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा व कनफरडेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्पलाइज एंड वर्कर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्रन नायर ने संयुक्त रूप से की। सम्मेलन का उद्घाटन सेंटर ऑफ ट्रेड यूनियन की राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर के हेमलता ने किया। उन्होंने कर्मियों की मांगों और घोषित आंदोलन का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कर्मियों को 5 अप्रैल को नई दिल्ली में होने वाली किसान मजदूर रैली का भी निमंत्रण दिया।

राज्यसभा में वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन विधेयक पास

राज्यसभा में राकांपा व कांग्रेस ने काम रोको प्रस्ताव के नोटिस दिए

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को राज्यसभा में राकांपा व कांग्रेस ने काम रोको प्रस्ताव के नोटिस दिए हैं। राकांपा व कांग्रेस ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी पर महाराष्ट्र के लोगों के अपमान का आरोप लगाते हुए सदन में कामकाज रोक कर इस पर चर्चा कराने की मांग की है।

राकांपा सांसद वंदना चव्हाण ने नियम 267 के तहत राज्यसभा में काम रोको प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इसमें मांग की गई है कि न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश के सम्मानित व प्रतिष्ठित नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं, इससे राज्य के लोग अपमानित हो रहे हैं। उन्होंने राज्यपाल पर महाराष्ट्र के नायकों के अपमान का आरोप लगाया। उधर, कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल ने भी राज्यसभा में नियम 267 के तहत ऐसा ही नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की छत्रपति शिवाजी महाराज पर टिप्पणी पर चर्चा कराई जाए।

कॉरपोरेट जंगलों को नष्ट कर रहे

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य कुमार केतकर ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि रियल एस्टेट शार्क और कॉरपोरेट जंगल तबाह कर रहे हैं और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अपने धन और बाहुबल का इस्तेमाल कर रहे हैं। उच्च सदन में वन्य जीव (संरक्षण) संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए न केवल कानून सख्त होने चाहिए बल्कि उनका क्रियान्वयन भी उतना ही कड़ा होना चाहिए।

टीएससी सांसद ने भाजपा पर लगाया कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करने का आरोप

तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य सौगत रॉय ने गुरुवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को कमजोर करने के लिए ₹एक उच्च पदस्थ व्यक्ति का उपयोग₹ कर रही है क्योंकि वह न्यायपालिका सहित हर जगह अपनी शक्तियों का विस्तार करना चाहती है। लोकसभा में शून्य काल के दौरान बोलते हुए, रॉय ने कहा कि राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम के साथ 99वें संविधान संशोधन को शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया और इसके परिणामस्वरूप न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली जारी रही।

पीएम मोदी की विदेश यात्राओं पर खर्च हुए 239 करोड़ रुपये

केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में बताया कि पिछले पांच वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर 239 करोड़ रुपये से अधिक पैसे खर्च हुए। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा, इन यात्राओं से विदेशी भागीदारों के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण की समझ उच्चतम स्तर पर बढ़ी है। मंत्री ने उच्च सदन में कहा, प्रधान मंत्री की विदेश यात्राओं का उद्देश्य दुनिया भर के देशों के साथ घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर भारत की भागीदारी को बढ़ाना है। मुरलीधरन प्रधानमंत्री की यात्राओं, उसके नतीजों और खर्च से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएं भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण साधन हैं और विदेश नीति उद्देश्यों को लागू करती हैं। इन यात्राओं ने भारत को बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय अपराध, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा आदि जैसे वैश्विक मुद्दों पर वैश्विक एजेंडे को आकार देने में सक्षम बनाया है। *एजेंसी*

बिहार के जिस आईपीएस की किताब पर बनी नेटफ्लिक्स की वेबसीरीज 'खाकी', उसके खिलाफ केस दर्ज

सरकारी सेवक रहते हुए व्यावसायिक काम करने के आरोप

पटना। गजब इत्तफाक है! एक तरफ 'खाकीः द बिहार चैप्टर' की चर्चा जोरों पर है और दूसरी तरफ यह बिहार के जिस चर्चित आईपीएस अधिकारी के अनुभव आधारित किताब 'बिहार डायरीज पर आधारित है, वह मुसीबत में फंसते ही जा रहे हैं। अब बिहार की विशेष निगरानी इकाई (स्पेशल विजिलेंस यूनिट) ने अमित लोढ़ा पर केस दर्ज करा दिया है। 'खाकीः द बिहार चैप्टर' बनाने वाली फ्राइडे स्टोरी टेलर और इसे प्लेटफॉर्म देने वाली ओटीटी नेटफ्लिक्स के साथ सरकारी सेवक रहते हुए लोढ़ा की व्यावसायिक संलिप्तता के सत्यापन के बाद यह केस दर्ज किया गया है। सी एक्ट 1988 की विभिन्न धाराओं और भारतीय दंड विधान 120 (इ) और 168 के तहत यह केस दर्ज किया गया है। मगध प्रक्षेत्र के तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक लोढ़ा पर भ्रष्टाचार एवं निजी स्वार्थ व लाभ के लिए वित्तीय अनियमितता और नेटफ्लिक्स व फ्राइडे स्टोरीटेलर के साथ व्यावसायिक संलिप्तता की जांच पुलिस मुख्यालय ने भी किया था। जांच के दौरान सही पाए गए तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर 07 दिसंबर की तारीख को केस संख्या-17/2022 दर्ज किया गया है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) ने मगध रेंज के तत्कालीन आईजी अमित लोढ़ा के खिलाफ भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता मामले में एफआईआर दर्ज की है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट से मिली जानकारी के अनुसार, अमित लोढ़ा पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी सेवक के पद पर रहते हुए भ्रष्टाचार और निजी स्वार्थ लाभ में वित्तीय अनियमितता की. नेटफ्लिक्स और फ्राइडे स्टोरी टेलर के साथ सरकारी सेवक होते हुए भी व्यावसायिक काम किए।

तमिलनाडु में तबाही मचाने आ रहा चक्रवाती तूफान 'मैंडूस', भारी बारिश की चेतावनी, 5000 राहत कैंप तैयार

राज्य सरकार ने सभी जिलों में 5000 से अधिक राहत शिविर खोले, स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी

नई दिल्ली। तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान का खतरा मंडराने लगा है। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र गहरे दबाव में बदल गया है और यह गुरुवार शाम तक 'मैंडूस' नामक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जाएगा। इस तूफान का असर उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और निकटवर्ती दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर होगा। अगले 48 घंटे में यह विकराल रूप ले सकता है। तमिलनाडु (ळें' ठं४) के उत्तरी तटीय जिलों में अगले तीन दिनों तक बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य सरकार (र३इ ॅङ्ग्पी१ल्लोल्ल३) ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अपनी पूरी मशीनरी को तैयार कर लिया है। वहीं तूफान के खतरे को देखते हुए सावधानी बरती जा रही है। राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को तैयार रहने का निर्देश दिया है और छह जिलों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें तैनात की गई हैं। राज्य सरकार ने तूफान की आशंका वाले जिलों में 5,000 से अधिक राहत शिविर खोले हैं, जिनमें निचले इलाकों से निकाले गए लोगों को रखा गया है। शिविर में रह रहे लोगों को भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सहित सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। बारिश के प्रभाव की निगरानी के लिए चौबीसों घंटे एक नियंत्रण कक्ष भी खोला गया है, जो अगले दो दिनों तक होने वाले भारी बारिश तथा उसके कारण होने वाले असर पर नजर बनाये रखेगा।

चेन्नई में हल्की बारिश शुरू

बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान के प्रभाव से तमिलनाडु के चेन्नई में हल्की बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 9 दिसंबर की मध्यरात्रि के आसपास 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद है। राज्य भर में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए 9 दिसंबर को चेन्नई, कुड्डालोर, विल्लुपुरम, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और वेल्लोर में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा की गई है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा नदी जोड़ो परियोजना पर तेजी से काम चल रहा

उत्तर प्रदेश सरकार ने सबसे पहले समझौता केंद्र के साथ किया

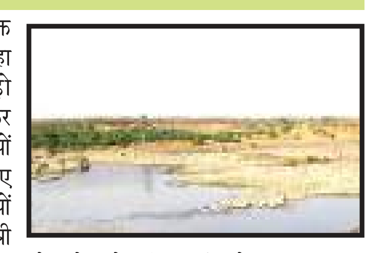

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार नदी जोड़ो परियोजना पर तेजी से काम कर रही है। वहीं बाढ़ के कारण नदियों के कटाव को रोकने के लिए प्राथमिकता के आधार पर राज्यों की मदद की जा रही है। श्री शेखावत ने लोकसभा में गुरुवार को एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि नदी जोड़ो परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है और मामले में उत्तरप्रदेश सरकार ने सबसे पहले समझौता केंद्र के साथ किया है। उनका कहना था कि केन बेतवा परियोजना को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परियोजनाओं के कारण प्रभावित लोगों को तय मानकों से ज्यादा मुआवजा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्यों के साथ नदी जोड़ योजना के वास्ते लगातार बातचीत चल रही है और उनसे इस बारे में संपर्क किया जा रहा है। कई बार राज्यों और केंद्र के बीच कई मुद्दों पर असहमति देती है लेकिन देश और प्रदेश तथा जन हित में इन समस्याओं का निराकरण मिलकर किया जाता है। पश्चिम बंगाल के मालदा एवं मुर्शिदाबाद में नदी कटाव के कारण हो रहे नुकसान को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यह बड़ा संकट है और इससे निपटने के लिए केंद्र राज्यों को लगातार आर्थिक मदद दे रहा है। इस लेकर राज्यों से जो प्रस्ताव आते हैं प्राथमिकता के साथ उस पर काम किया जाता है। उनका कहना था कि केंद्र सरकार बाढ़ स्थिति से निपटने के लिए राज्यों को लगातार मदद कर रही है।

परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ता जा रहा, रूसी राष्ट्रपति पुतिन की अमेरिका और यूक्रेन को कड़ी चेतावनी

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने बड़ा बयान दिया

मॉस्को। यूक्रेन के साथ जारी जंग के बीच ही बुधवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। पुतिन ने कहा है कि परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ता जा रहा है। क्रेमलिन में रूस के मानवाधिकारी परिषद की एक मीटिंग के दौरान पुतिन ने जो कुछ कहा है उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। पुतिन ने कहा कि अभी तक रूस ने पहले परमाणु हथियारों के प्रयोग के बारे में नहीं सोचा है। किसी भी स्थिति में रूस परमाणु हथियारों के प्रयोग से बचेगा। लेकिन इसका यह मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए कि इनका प्रयोग बिल्कुल ही नहीं होगा। पुतिन ने चेतावनी दी कि अगर रूस की सीमा पर कोई हमला हुआ तो फिर परमाणु युद्ध की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।

पुतिन ने कहा, 'रूस की एक रणनीति है जिसे रक्षा के तौर पर जाना जाता है। हम तबाही वाले परमाणु हथियारों को इस रणनीति के तहत देखते हैं। इनका प्रयोग बदले की कार्रवाई के तहत किया जाता है। इसका मतलब है कि जब हम पर संकट है हम बदले में इसका प्रयोग करेंगे।' रूसी राष्ट्रपति की मानें तो अमेरिका के परमाणु हथियार यूरोप के कई देशों में बड़े पैमाने पर मौजूद हैं। जबकि रूस ने अपने परमाणु हथियारों को किसी और देश में नहीं रखा है और न ही ऐसी कोई योजना है। लेकिन अगर किसी साथी की रक्षा के लिए इनकी जरूरत पड़ी तो फिर इसे रूस के बाहर भी तैनात किया जा सकेगा। पुतिन ने हमेशा से अमेरिका और इसके साथी देशों को सीमा रेखा पार न करने की चेतावनी दी है। पुतिन ने कहा है कि वह परमाणु हथियारों को रक्षात्मक उपायों के तौर पर देखते हैं। पुतिन के शब्दों में, 'हम पागल नहीं हैं। हमें मालूम है कि परमाणु हथियार क्या हैं और कितनी तबाही मचा सकते हैं। हमारे पास किसी और देश की तुलना में ज्यादा एडवांस्ड और आधुनिक परमाणु हथियार मौजूद हैं, यह साफ नजर आता है।' इसके बाद उन्होंने कहा, ' हम दुनिया भर में चल रहे इन हथियारों को रेजर की तरह लहराने नहीं जा रहे हैं। बेशक, हम इस बात को मानने से हिचकेंगे नहीं कि रूस के पास ये हथियार नहीं हैं। लेकिन यह संघर्ष के लिए नहीं हैं लेकिन बचाव के लिए हैं और मुझे उम्मीद है कि लोग इस बात को अच्छे से समझेंगे।'

सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी पंडितों की कथित सामूहिक हत्या की जांच की मांग खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1989-1990 में घाटी में कश्मीरी पंडितों की कथित सामूहिक हत्या की जांच की मांग वाली याचिका को खारिज करने के अपने 2017 के आदेश पर पुनर्विचार की मांग वाली उपचारात्मक याचिका को खारिज किया है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय पीठ ने याचिका को खारिज कर कहा कि कोई मामला नहीं बनता। पीठ ने कहा हमने उपचारात्मक याचिका और इससे जुड़े दस्तावेजों को देखा है। हमारी राय में रूपा अशोक हुर्रा बनाम अशोक हुर्रा मामले में न्यायालय के फैसले में बताए गए मापदंडों के भीतर कोई मामला नहीं बनता है। उपचारात्मक याचिका खारिज की जाती है। पीठ में न्यायमूर्ति एस.के. कौल और न्यायमूर्ति एस.ए. नजीर भी शामिल हैं। कश्मीरी पंडितों के संगठन रूट्स इन कश्मीर द्वारा दायर उपचारात्मक याचिका में कहा गया था कि शीर्ष अदालत ने 2017 में शुरूआती चरण में रिट याचिका को केवल इस अनुमान के आधार पर खारिज कर दिया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के उत्तराखंड आगमन पर गुरुवार को जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को उत्तराखंड में अपने प्रथम दो दिवसीय प्रवास पर देहरादून पहुंची हैं।

सेंसेक्स
160 अंक की बढ़त के साथ 62570.68 अंक पर बंद

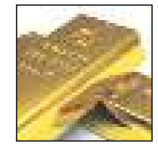
सोना
211 रुपये उछलकर 54270 रुपये प्रति 10 ग्राम

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 160 अंक की बढ़त के साथ 62570.68 अंक पर बंद

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंक और वाहन शेयरों में अच्छी खरीददारी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 160 अंक की बढ़त के साथ 62570.68 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 13 ऊपर आये है जबकि 17 नीचे गिरे हैं। वहीं पचाय शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 48.85 अंक की बढ़त के साथ ही 18609.35 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में से 27 फिसले हैं। सेंसेक्स के शेयरों में दिग्गज कंपनियों एक्सिस बैंक इंडसइंड बैंक आईसीआईसीआई बैंक भारतीय स्टेट बैंक एल एंड टी इन्फोसिस महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा मारुति के शेयर मुख्य रूप से लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर सन फार्मा सबसे अधिक 3.57 फीसदी नीचे आया। हलोल संयंत्र को अमेरिकी दवा एवं खाद्य प्रशासन (यूएसएफडीए) की तरफ से आयात सतर्कता सूची में डालने से कंपनी का शेयर गिरा है। इसके अलावा नुकसान में रहने वाले अन्य शेयरों में पावरग्रिड टीसीएस नेस्ले इंडिया विप्रो कोटक बैंक और बाजाज फाइनेंस के शेयर शामिल हैं।

वहीं बाजार जानकारों ने कहा रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद घरेलू बाजार में काफी गिरावट आई है। इसका कारण आर्थिक नरमी और फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में वृद्धि की आशंका है। मंदी की आशंका से आईटी और दवा कंपनियों के शेयर प्रभावित हैं। वहीं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने बाजार को समर्थन देना जारी रखा। उन्होंने कहा वैश्विक बाजार में यह उतार-चढ़ाव बना रह सकता है क्योंकि बाजार को अगले सप्ताह जारी होने वाली अमेरिका में फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति और मुद्रास्फीति के आंकड़े का इंतजार है। वहीं अमेरिका में बेरोजगारी आंकड़ा जारी होने से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजारों मिला-जुला कारोबार हुआ।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग मजबूत हुआ। यूरोपीय बाजारों की बात करें तो शुरूआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। इस बीच ब्रेंट क्रूड तेल 28 सेंट लाभ के साथ 77.45 पर पहुंच गया। *एजेंसी*

सोने -चांदी में आया उछाल

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। दिल्ली में सोने की कीमत 211 रुपये उछलकर 54270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई हैं। वहीं गत दिवस सोने की कीमतें गिरी हैं। इसी के साथ ही सोना 54054 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ जबकि चांदी 593 रुपये बढ़कर 66662 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत उछली हैं। कारोबार के दौरान सोना 1782.3 डॉलर प्रति औंस पर जबकि चांदी 22.71 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। जानकारों के अनुसार बॉन्ड यील्ड और अमेरिकी डॉलर में गिरावट के कारण सोने में तेजी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि निवेशक मान रहे हैं कि अगले हफ्ते होने वाली फेडरल रिजर्व की बैठक में बैंक ब्याज दरों में कमी आयेगी।

टेकमहिन्द्रा ने क्लाउड ब्लेज टेक लांच किया

हैदराबाद। डिजिटल परिवर्तन, परामर्श एवं बिजनेसरी इंजीनियरिंग सेवाएं एवं समाधान उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी टेकमहिन्द्रा ने क्लाउड ब्लेज ट्रेक लांच करने की आज घोषणा की जो वैश्विक स्तर पर क्लाउड आधारित एंटर प्राइसेज के लिए कारोबारी मूल्य को अधिकतम करने हेतु एक एकीकृत क्षेत्र विशेष प्लेटफॉर्म है। यह कंपनी एंटर प्राइसेज के लिए डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहित करने के लिए क्लाउड सेवाओं और हाइपर स्केलर में निवेश करना जारी रखेगी। एकीकृत क्लाउड माइग्रेशन, क्लाउड नेटिव ऑपरेशन एवं सेल्फ हीलिंग गवर्नेंस मॉडल क्लाउड ब्लेज टेक मॉडल ढांचा गत परिवर्तन को सहयोग प्रदान करता है और एंटरप्राइसेज की एक क्लाउड निवासी दुनिया की ओर बढ़ने में मदद करता है। इसके अलावा, इस प्लेटफॉर्म के पास उद्योग के मुताबिक पूर्व निर्मित क्लाउड नेटिव सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने के लिए हाइपर स्केलर हाइब्रिड क्लाउड प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण की सुविधा है जिससे कारोबारी परिणाम तेजी से हासिल होते हैं। क्लाउड ब्लेज टेक प्लेटफॉर्म अपनाकर एंटरप्राइस 25-30 प्रतिशत लागत बचाएंगे और माइग्रेशन के समय में 30 प्रतिशत सुधार दर्ज करेंगे। टेक महिन्द्रा के चीफ डिलीवरी ऑफिसर एवं वैश्विक प्रमुख सुधीर नायर ने कहा, क्लाउड को अपनाना डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक प्रमुख कदम है। यह सभी परिवर्तनकारी आईटी रणनीतियों के केंद्र में है और यह एंटरप्राइसेज को डिजिटल तौर पर तैयार रहने में समर्थ बनाता है। टेकमहिन्द्रा का क्लाउड ब्लेज टेक प्लेटफॉर्म उद्योग के मुताबिक क्लाउड नेटिव सॉल्यूशंस उपलब्ध कराएगा और एंटरप्राइस को क्लाउड के लिए तैयार रहने के लिए उनकी परिवर्तन की यात्रा में मदद करेगा।

तमिलनाडु में रसायन उद्योग का आकार दस गुना बढ़ाने का लक्ष्य

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार के 2030 तक एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य में मदद देने के लिए राज्य में रसायन उद्योग को अपने मौजूदा आकार से दस गुना से अधिक बढ़कर 70 अरब डॉलर तक पहुंचना होगा। एक अधिकारी ने कहा कि रसायन उद्योग एक अहम क्षेत्र होगा और इसे 2030 तक 70 अरब डॉलर का बनना होगा जिससे तमिलनाडु सरकार के एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। उद्योग के विशेषज्ञों का अनुमान है कि जब रसायन क्षेत्र 70 अरब डॉलर का बाजार हो जाएगा तब इसमें अप्रत्यक्ष रोजगार भी मौजूदा 10 से लाख से बढ़कर एक करोड़ हो जाएंगे। रसायन उद्योग संगठन के सचिव एस वेंकटराघवन ने कहा कि 70 अरब डॉलर के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उद्योग को दस गुना वृद्धि करनी होगी। उन्होंने कहा कि अभी उद्योग का आकार छह अरब डॉलर है जिससे करीब 10 लाख लोगों का रोजगार जुड़ा है। जब उद्योग का आकार 70 अरब डॉलर हो जाएगा तब अप्रत्यक्ष रोजगार भी बढ़कर एक करोड़ पर पहुंच जाएगा।

विश्व की 100 ताकतवर महिलाओं की सूची में सीतारमण भी शामिल

सीतारमण इस बार 36वें स्थान पर पहुंचीं लगातार चौथी बार बनाई जगह

नई दिल्ली। फोर्ब्स की दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बायोकॉन की कार्यकारी चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ और नाइका की संस्थापक फाल्गुनी नायर को भी शामिल कर लिया गया है। इस वार्षिक सूची में कुल छह भारतीय महिलाओं ने जगह बनाई है। सीतारमण इस बार 36वें स्थान पर पहुंची और उन्होंने लगातार चौथी बार इस सूची में जगह बनाई है। इससे पहले 2021 में वह 37वें स्थान पर थीं। वह 2020 में वह 41वें और 2019 में 34वें स्थान पर थीं। फोर्ब्स द्वारा जारी इस सूची के अनुसार इस साल मजूमदार-शॉ 72वें स्थान पर हैं जबकि नायर 89वें स्थान पर हैं। सूची में शामिल अन्य भारतीयों में एचसीएल टेक की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा (53वां स्थान) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच (54वां स्थान) और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) की चेयरपर्सन सोमा मंडल (67वां स्थान) शामिल हैं। मल्होत्रा मजूमदार-शॉ और नायर ने पिछले साल भी इस सूची में क्रमशः 52वां 72वां और 88वां स्थान हासिल किया था। सूची में 39 सीईओ और 10 राष्ट्राध्यक्ष शामिल हैं। इसके अलावा इसमें 11 अरबपति शामिल हैं जिनकी कुल संपत्ति 115 अरब डॉलर है। फोर्ब्स सूची में नायर के बारे में कहा गया है कि इस 59 वर्षीय व्यवसायी ने दो दशकों तक एक निवेश बैंकर के रूप में काम किया आईपीओ लाईं और अन्य उद्यमियों को उनके सपने हासिल करने में मदद की। फोर्ब्स वेबसाइट के मुताबिक 41 वर्षीय मल्होत्रा एचसीएल टेक के सभी रणनीतिक फैसलों में अहम भूमिका निभाती हैं। इस तरह बुच सेबी की पहली महिला अध्यक्ष हैं। इसी तरह मंडल सेल की अगुवाई करने वाली पहली महिला हैं और उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से कंपनी ने रिकॉर्ड वित्तीय वृद्धि हासिल की है। फोर्ब्स वेबसाइट के अनुसार उनके कार्यकाल के पहले साल में कंपनी का मुनाफा तीन गुना बढ़कर 120 अरब रुपए हो गया। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में सबसे ऊपर हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान उनके नेतृत्व और कोविड-19 महामारी से निपटने के प्रयासों के लिए उन्हें यह मुकाम मिला। यूरोपीय सेंट्रल बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड को दूसरे स्थान पर रखा गया है जबकि अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। ईरान की जीना महसा अमिनी को मरणोपरांत प्रभावशाली सूची में 100वां स्थान मिला है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। रुपये में ये उछाल अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा में आई गिरावट से आया है। के रुपया गुरुवार को तीन पैसे ऊपर आकर 82.44 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.34 के स्तर पर खुला और कारोबार के अंत में यह तीन पैसे के उछाल के साथ ही 82.44 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपये 82.26 के उच्च स्तर और 82.47 के निचले स्तर पर पहुंचा। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.47 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान रुपया सीमित दायरे में रहते हुए मजबूत हुआ। इसी बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ 105.40 हो गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.63 फीसदी बढ़कर 77.66 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

क्रूड ऑयल लेकर आ रहे भारत के कई जहाज तुर्की की जल सीमा में फंसे

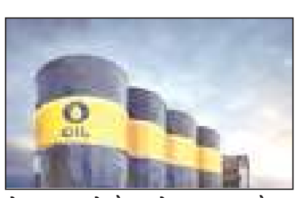

नई दिल्ली। भारत सहित दुनिया के कई देशों में कच्चा तेल लेकर जाने वाले जहाज काला सागर में तुर्की की जल सीमा में फंस गए हैं। तुर्की द्वारा तेल टैंकरों के बीमा कागजातों की निरीक्षण प्रक्रिया बदल देने के बाद यह समस्या उत्पन्न हुई है। तुर्की द्वारा अड़ंगा डालने के बाद लाखों बैरल कच्चा तेल वैश्विक बाजारों में पहुंचाने वाले कई जहाज पिछले कुछ दिनों से समुद्र में अटके हैं और आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। तुर्की ने जी-7 देशों के रूसी कच्चे तेल की मूल्य सीमा तय करने के बाद बीमा संबंधी नया नियम जारी किया है। तुर्की अब जहाजों से बीमा करने वाली कंपनियों का गारंटी कवर दिखाने की मांग कर रहा है जो यह बताता हो कि जहाज पर लदा तेल 60 डॉलर प्रति बैरल या इससे कम कीमत पर ही खरीदा गया है। जी-7 देशों ने रूस के क्रूड पर 60 डॉलर प्रति बैरल का कैप लगा दिया है। यानी रूस का तेल इससे ज्यादा महंगा नहीं होगा। भारत तेल लेकर आ रहे टैंकर में 10 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल लदा है। अमेरिका की अगुवाई में कई देश यूक्रेन युद्ध के बाद रूस के क्रूड ऑयल पर प्राइस कैप लगाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि रूस महंगे दामों पर कच्चा तेल बेचकर खूब मुनाफा कमा रहा है और इसका उपयोग यूक्रेन में युद्ध के लिए कर रहा है। हाल ही में जी7 देशों के समूह और उसके सहयोगी देशों ने रूसी तेल की कीमतों पर 60 डॉलर प्रति बैरल की सीमा तय करने को मंजूरी दे दी है। तुर्की भी नाटो में शामिल है। इसीलिए अब उसने रूसी तेल पर लगाई गई शुल्क सीमा को लागू करवाने के लिए क्रूड ऑयल लेकर गुजरने वाले जहाजों को रोक दिया है।

500 मोस्ट वैल्युएबल प्राइवेट कंपनीज इन इंडिया का दूसरा एडिशन जारी किया

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक के निजी बैंकिंग व्यवसाय बरगंडी प्राइवेट और हुरुन इंडिया ने 2022 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 को लॉन्च करने का एलान किया है, जो भारत की 500 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची का दूसरा संस्करण है। सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बाजार पूंजीकरण और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के मूल्यांकन के रूप में परिभाषित इन कंपनियों को उनके मूल्य के अनुसार रैंक किया गया है। इस सूची पर पहुंचने की कट-ऑफ तारीख 30 अक्टूबर 2022 थी। यह सूची केवल भारत में मुख्यालय वाली कंपनियों को संदर्भित करती है; राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियां और विदेशी के साथ-साथ भारतीय कंपनियों की सहायक कंपनियां इसमें शामिल नहीं हैं। 2022 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 सूची में शामिल करने के लिए, कंपनियों के पास 6,000 करोड़ रुपए का न्यूनतम मूल्य होना आवश्यक है, जो 725 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है।

मस्क को पछाड़कर विश्व में सबसे रईस हो गया अरनॉल्ट परिवार

नई दिल्ली। दुनिया के अरबपतियों की संपत्ति को ट्रैक करने वाली एक बिजनेस मैगजीन के मुताबिक मस्क को पछाड़कर लक्जरी ब्रांड लुई वुइटन की मूल कंपनी एलवीएमएच के मुख्य कार्यकारी बर्नार्ड अरनॉल्ट का परिवार अब संपत्ति के मामले में विश?व में सबसे रईस हो गया है। अरनॉल्ट परिवार ने 185.8 बिलियन बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ मैगजीन की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। फोर्ब्स की रियल टाइम सूची के अनुसार गुरुवार 8 दिसंबर को सुबह 8.45 बजे अरनॉल्ट परिवार की संपत्ति तो मस्क से ज्यादा थी लेकिन व्यक्तिगत रूप से एलन मस्क 185.4 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ शीर्ष पर बने हुए थे। चूंकि दोनों की संपत्ति के आंकड़े में ज्यादा फर्क नहीं है तो यह सूची कई बार बदल रही है। मस्क सितंबर 2021 से दुनिया के सबसे अमीर शख्स रहे हैं। उन्होंने अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पछाड़कर यह स्थान पाया था। अब मस्क मस्क की संपत्ति 185.4 बिलियन संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। मस्क की कुल संपत्ति मूल्य में भारी गिरावट टेस्ला के शेयरों में गिरावट और ट्विटर पर 44 बिलियन डॉलर के दांव के कारण आई है। साल 2022 में एलन मस्क की कुल संपत्ति 200 बिलियन डॉलर से अधिक नीचे जा चुकी है क्योंकि टेस्ला के शेयर दो साल में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गए हैं। टेस्ला का बाजार पूंजीकरण भी मस्क के ट्विटर खरीदने की घोषणा के बाद से अब तक आधा हो चुका है। इससे मस्क की कुल संपत्ति में करीब 70 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है।

शराब निर्माता कंपनी सुला वाइनयार्ड्स 12 को लॉन्च करेगी आईपीओ

आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों को 9 दिसंबर को सुला वाइनयार्ड्स में बोली लगाने की अनुमति दी जाएगी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी वाइन निमार्ता और सुला वाइनयार्ड्स 12 दिसंबर को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लॉन्च करेगी। कंपनी के आईपीओ में सब्सक्रिप्शन 14 दिसंबर तक उपलब्ध होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों को 9 दिसंबर को सुला वाइनयार्ड्स में बोली लगाने की अनुमति दी जाएगी। कंपनी अपने आईपीओ के प्राइस बैंड की घोषणा अभी तक नहीं की है लेकिन वे उचित समय पर इसकी घोषणा करेगी। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के मुताबिक कम्पनी की 26900530 इक्विटी शेयरों की पेशकश बिक्री के लिए होगी। चूंकि आईपीओ पूरी तरह से ओएफएस (ऑफर फोर सेल) है इसलिए आय कंपनी के पास नहीं जाएगी। आईपीओ में इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य 2 रुपए प्रति शेयर होगा। वहीं कुल आईपीओ के आकार का 50 प्रतिशत योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) को बोली लगाने के लिए आवंटित किया जाएगा जबकि 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए आरक्षित होगा और शेष 35 प्रतिशत को खुदरा निवेशकों के लिए रखा जाएगा। कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी सीएलएसए इंडिया और आईआईएफएल सिक्योरिटीज सुला वाइनयार्ड्स आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। वहीं केफिन टेक्नोलॉजीज ऑफर की रजिस्ट्रार है।

सुला वाइनयार्ड्स भारतीय शराब उद्योग में लगातार बाजार में अपनी जगह बनाए हुए है। सुला वाइनयार्ड्स ने एक दशक से अधिक समय में उल्लेखनीय तरक्की की है। 100 प्रतिशत अंगूर वाइन श्रेणी में राजस्व के आधार पर कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2009 में 33 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 20 में 52 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2021 में 52.6 हो गई। वर्तमान में कंपनी महाराष्ट्र और कर्नाटक में स्थित अपनी चार स्वामित्व वाली और दो पट्टे पर उत्पादन सुविधाओं में 13 मुख्य ब्रांडों में वाइन के 56 विभिन्न लेबल का उत्पादन करती है। आगे की अपनी रणनीतियों के बारे में कंपनी ने कहा कि वे उन ब्रांडों पर अपना ध्यान केंद्रित रखना जारी रखेगी जिन्हें वे आयात और वितरित करती है। इसके अलावा कंपनी भारत के टियर-1 और टियर-2 शहरों में अपनी पैठ बढ़ाएगी।

टॉप बिक्री वाली 10 कारों में मारुति सुजुकी की 7, नवंबर में बिक्री में तोड़ दिए सभी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सबसे ज्यादा बिकने वाली टॉप 10 कारों में मारुति सुजुकी की 7 कारें शामिल हो गई है। भारतीय बाजार में नवंबर 2022 में बिकने वाली अन्य कारों में टाटा मोटर्स की 2 और हुंडई की 1 कार शामिल हैं। वहीं पिछले महीने के लिए अच्छी बिक्री दर्ज करने के बावजूद किआ मोटर्स शीर्ष 10 की सूची में स्थान हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाई है। किआ ने नवंबर में सेल्टोस की 9284 यूनिट्स की बिक्री की बावजूद वह 12वीं पॉजिशन पर है। अगर आप भी नई कार खरीदने के बार में सोच रहे हैं तो यहां आपको पिछले महीने सबसे ज्यादा बिकने वाली 3 कारों के बारे में बता रहे हैं। इन कारों में दो मारुति सुजुकी और एक टाटा मार्टर्स की सब कॉम्पैक्ट एसयूवी शामिल है।इस लिस्ट में नंबर 1 पॉजिशन पर मारुति सुजुकी बलेनो है। नवंबर 2022 में कार की कुल 20945 यूनिट्स बिकी हैं। साल-दर-साल के हिसाब से देखें तो यह मॉडल की बिक्री में 111 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। पिछले साल इसी समय 9931 कारें बिकी थीं। मारुति बलेनो की कीमत 7.45 लाख से शुरू होती है और 11.07 लाख रुपये तक जाती है। बलेनो 9 वेरिएंट में आती है। पेट्रोल में बलेनो के टॉप मॉडल की कीमत करीब 11.07 लाख रुपये ऑन रोड है। सीएनजी में बलेनो बेस मॉडल की कीमत 9.48 लाख रुपये से शुरू है। टाटा नेक्सन इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रही है। खास बात यह है कि काफी लंबे समय बाद मारुति सुजुकी के अलावा किसी अन्य कंपनी ने यह पॉजिशन हासिल की है। नवंबर 2022 में नेक्सन की कुल 15871 यूनिट्स की बिक्री हुई है। यह इस महीने के लिए सबसे अधिक बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी भी है। कार की कीमत 8.80 लाख से शुरू होती है और करीब 16.77 लाख ऑन रोड तक जाती है। नेक्सान 66 वेरिएंट में आती है।

पिछले महीने इसकी 21260 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। मारुति ऑल्टो की कीमत रुपए 3.92 लाख से शुरू होती है और करीब रुपए 5.76 लाख ऑन रोड तक जाती है। ऑल्टो कुल 5 वेरिएंट में आती है।अक्टूबर 2022 की बेस्ट सेलर मारुति सुजुकी ऑल्टो नवंबर 2022 में तीसरे स्थान पर फिसल गई। लोकप्रिय हैचबैक ने पिछले साल इसी महीने में 13812 इकाइयों के मुकाबले नवंबर 22 में 15663 इकाइयां बेचीं और 13 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की। *एजेंसी*

संक्षेप

एयर इंडिया 40 करोड़ डॉलर का निवेश करके विमानों का इंटीरियर बदलेगी

मुंबई। विमानन कंपनी एयर इंडिया ने कहा कि उसकी योजना 40 करोड़ डॉलर का निवेश करके 27 बोइंग बी787-8 विमानों और 13 बी777 विमानों सहित चौड़े आकार के अपने दोनों बेड़ों को नए जैसा बनाने की है। एयरलाइन ने बताया कि इसके तहत केबिन के मौजूदा इंटीरियर को पूरी तरह से बदला जाएगा और नए किस्म की सीट और विमान के भीतर मनोरंजन की सबसे अच्छी व्यवस्था सभी श्रेणियों में की जाएगी। इसमें बताया गया कि दोनों बेड़ों में महंगे एवं सुविधाजनक इकोनॉमी केबिन की शुरूआत की जाएगी तथा बी777 में प्रथम श्रेणी का केबिन बहाल किया जाएगा।

आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर और इसके प्राइवेट इनविट आर्म टोल का संग्रह नवंबर में बढ़ा

मुंबई। बीएसई और एनएसई सूचीबद्ध, आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड और इसके निजी इनविट आर्म, आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट, दोनों ने सामूहिक रूप से सालाना दर पर नवंबर 2022 के महीने में टोल संग्रह में 39प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। हाईवे सेगमेंट में भारत की पहली बहुराष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी, आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर ने शेयर बाजारों को दी गई अपनी फाइलिंग में नवंबर 2022 में टोल संग्रह 365.95 करोड़ रुपये बताया, जबकि नवंबर 2021 में यह 262.81 करोड़ रुपये था। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री वीरेंद्र डी. म्हैस्कर ने कहा टोल संग्रह में वृद्धि सभी परियोजनाओं, सभी वाहन श्रेणियों में यातायात वृद्धि में निरंतर मजबूती को दर्शाती है, जो मैक्रो-इकनॉमिक संकेतक के अनुरूप है। इससे यह भी पता चलता है कि हमारी सभी परियोजनाएं देश के महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारों का हिस्सा हैं३। उन्होंने आगे कहा कि, ३मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के धीरे-धीरे कम होने के साथ, यातायात मजबूत बना हुआ है और महीने दर महीने के आधार पर बढ़ा भी है। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड, जो भारत में सबसे बड़ी एकीकृत निजी टोल सड़कों और राजमार्गों के बुनियादी ढांचे के विकासकर्ता के रूप में स्थापित है, के पास 10 राज्यों की लगभग सभी मूल कंपनियों और दो इनविट में 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का आधार है। कंपनी के पास पूरे भारत में लगभग 15,500 लेन किलोमीटर के निर्माण, टोलिंग, संचालन और रख-रखाव का मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है और एक वर्ष में 500 किलोमीटर से अधिक निर्माण करने की क्षमता है। इनके पास भारत की प्रतिष्ठित स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना में लगभग 20प्रतिशत हिस्सा है, जो भारत में किसी भी प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर की तुलना में सबसे बड़ा है। 13 रियायतों को सफलतापूर्वक पूरा करने और उन्हें नोडल एजेंसियों को सौंपने के बाद, वर्तमान में, आईआरबी ग्रुप के प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो (निजी और सार्वजनिक इनविट सहित) में 22 सड़क परियोजनाएँ हैं जिनमें 17 बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर 1 टोल ऑपरेट ट्रांसफर और 4 हाईब्रीड एन्युइटी मॉडल परियोजनाएँ शामिल हैं।

मुंबई का सबसे बड़ा बीटूबी कपड़ा फेयर 9 और 10 जनवरी 2023 को आयोजित होगा

मुंबई। मुंबई टेक्सटाइल मर्चेंट्स महाजन के तत्वाधान में एमटीएमएम फैब्रिक फेयर-2 ता. 9 और 10 जनवरी 2023 को मुंबई अंधेरी स्थित सहार एयरपोर्ट के निकट के होटल जेडब्ल्यू मैरिअट के लॉन में एसी जर्मन हैंगर टेंट (डोम) में आयोजित होगा। इसमें 200 से अधिक स्टाल होंगे। इस प्रकार मुंबई में अभी तक आयोजित यह चौथा बड़ा कपड़े का बीटूबी फेयर होगा। यह बीटूबी फेयर होने से यहां सिर्फ व्यापारियों, गारमेंट उद्योग, कपड़ा काउंटरों, रिटेलरों, बाइंग एजेंटों, निर्यातक- आयातक, फैशन डिजाइनर, दलाल, दर्जी, बुटीक इकाइयों, फैशन फारकास्टर, फैशन इंस्टीट्यूट को ही निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। यह बीटूबी फेयर होने से इसमें आम जनता को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रहेगा। देसावर के व्यापारियों के फेयर की मुलाकात करने के लिए बड़े पैमाने पर आने की संभावना है। 10 से 12 हजार ट्रेड मुलाकातियों के फेयर की मुलाकात लेने की धारणा है। 143 वर्ष पूराने मुंबई टेक्सटाइल मर्चेंट्स महाजन के एमीरेट्स चेयरमैन श्री धीरज कोठरी है. महाजन के प्रमुख कनुभाई नरसाणा, उपप्रमुख कांति जैन, मानद मंत्री सुनील मजीठिया और भरत मलकान तथा खजांची भावेश गोरडिया है। फेयर कमिटी के कन्विनर आनंद सारडा, नीरव मेहता और मनीष चंदेरिया है। यह फेयर जनवरी में होने से उसमें समर कलेक्शन, विवाह -शादी की किस्म, रमजान में पहने जाने वाले कपडे की और स्कूल यूनिफार्म की किस्म प्रदर्शित होगी। यहां फॉर्मल, कैज्यूअल, एथनिक, प्रिंट्स में विस्तृत डिजाइन और किड्सवेयर के कपडे की विस्तृत श्रेणी प्रदर्शित होगी।

हिंदुजा ग्रुप समर्थित यूनिकॉर्न, माइंडमेज ने भारतीय और अमेरिकी बाजार में अपने परिचालन का विस्तार किया

नई दिल्ली। हिंदुजा ग्रुप द्वारा समर्थित और भारतीय मूल के न्यूरोसाइंटिस्ट द्वारा स्थापित यूनिकॉर्न, माइंडमेज - जो एआई-संचालित न्यूरोटेक्नोलॉजी के विकास में दुनिया में अग्रणी है - अमेरिका और भारत में अपने परिचालन का विस्तार कर रहा है। माइंडमेज टेक्नोलॉजी दुनिया भर में 130 से अधिक शीर्ष चिकित्सा केंद्रों पर उपयोग हेतु अपनाई जा जा चुकी है। भारत में, यह शीर्ष सरकारी अस्पताल एम्स, नई दिल्ली सहित एक दर्जन से अधिक संस्थानों में संपूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, माइंडमेज इंडिया के माध्यम से तैनात है। अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति गहरी बनाने के लिए, इसने पोस्ट-एक्यूट हॉस्पिटल पेशेंट केयर में अग्रणी, अमेरिका के विब्रा हेल्थकेयर के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के जरिए माइंडमेज के डिजिटल हेल्थ टेक्नोलॉजी प्लेटफार्मों (माइंडपॉड और माइंडमोशन गो) को चुनिंदा विब्रा अस्पतालों के भीतर रोगियों के लिए प्रयोग हेतु लगाया जाएगा। विब्रा हेल्थकेयर अमेरिका के 19 राज्यों में 90 से अधिक स्पेशियाल्टी अस्पतालों और ट्रांजिशनल केयर यूनिट्स/फैसिलिटीज का संचालन करता है। लगभग 100 मिलियन अमेरिकी न्यूरोलॉजिकल बीमारी से पीड़ित हैं। माइंडमेज के संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डॉ. तेज टाडी ने कहा, ्रमाइंडमेज गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं वाले रोगियों के लिए प्रामाणिक समाधानों के विकास के माध्यम से देखभाल की निरंतरता के साथ न्यूरो रिकवरी को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम चिकित्सकों को शक्तिशाली, डिजिटल रूप से सक्षम, अत्याधुनिक उपकरण प्रदान करने पर जोर दे रहे हैं, जबकि रोगियों और उनके परिवारों को आसान उपयोग वाले आकर्षक और सुलभ समाधानों के साथ सशक्त बना रहे हैं।

मैक्रोटेक डेवलपर्स की शेयर बिक्री करके करीब 3500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रवर्तकों की संस्थागत निवेशकों को शेयर बिक्री करके करीब 3500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। मैक्रोटेक डेवलपर्स लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों की बिक्री करती है। मैक्रोटेक डेवलपर्स ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बताया कि कंपनी ने शेयरों का पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) पेश किया है। क्यूआईपी में प्रवर्तक समूह की संस्थाओं संभवनाथ ट्रस्ट संभवनाथ इंफ्राबिल्ड एंड फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड हाईटाउन कंस्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड और होमक्राफ्ट डेवलपर्स एंड फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इसमें कहा गया है कि प्रवर्तक न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता हासिल करने के उद्देश्य से शेयर बेच रहे हैं। कंपनी में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी सितंबर महीने तक 82.20 प्रतिशत थी और उन्हें न्यूनतम 25 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता बनाए रखने के लिए इस 75 प्रतिशत तक करने की जरूरत है। मैक्रोटेक ने बताया कि न्यूनतम मूल्य 1022.75 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है लेकिन क्यूआईपी के द्वारा जुटाई जाने वाली राशि का जिक्र नहीं किया।

शिकायतकर्ताओं की सुनी फरियाद निस्तारण का किया गया प्रयास

जनसंदेश न्यूज

ज्ञानपुर। शासन की मंशा के अनुरूप विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जन शिकायतों के शत.प्रतिशत निस्तारण व असंतुष्ट शिकायतकर्ताओं से फीडबैक प्राप्त कर और बेहतर निस्तारण हेतु प्रत्येक बृहस्पतिवार को जनसंवाद दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत पूर्व में दी गई जनशिकायतों का शिकायतकर्ता से फीडबैक लिया जाता है। यदि शिकायतकर्ता पुलिस कार्यवाही से संतुष्ट न हो तो पुलिस अधीक्षक भदोही सहित अन्य राजपत्रित अधिकारियों द्वारा सुनवाई कर पुनः उनकी शिकायत की जांच कराई जाती है। आयोजित जनसंवाद दिवस के दौरान डॉ0 अनिल कुमार पुलिस अधीक्षक भदोही व राजेश भारती अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस कार्यालय में एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सर्किल कार्यालय पर असंतुष्ट शिकायतकताओं के साथ संवाद करते हुए उनकी शिकायतों को सुना गया। असंतुष्ट फीडबैक सम्बंधित प्रकरणों में शिकायतकताओं को सुनते हुए और बेहतर निस्तारण का प्रयास किया गया। पुलिस विभाग से सम्बंधित प्रकरणों में शिकायतों को सुनते हुए निस्तारण किया गया। पुलिस विभाग के अतिरिक्त अन्य विभाग से सम्बंधित प्रकरणों में सम्बन्धित विभाग से सम्पर्क कर यथाशीघ्र निस्तारण कराया जा रहा है। साथ ही न्यायालय से सम्बंधित प्रकरणों में सम्बंधित शिकायतकताओं को अवगत कराया गया कि न्यायालय से अनुतोष प्राप्त करें। प्राप्त जनशिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु भदोही पुलिस व प्रशासन प्रतिबद्ध है।

भदोही तहसील में शिकायतकताओं को सुनते हुये तहसीलदार भदोही

डिम्पल यादव की जीत पर मनाया जश्न

भदोही। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिम्पल यादव के भारी मतो से जीत की खुशी में भदोही चेयरमैन पद के प्रत्याशी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव व सभासद मो. दानिश सिद्दीकी ने पचभैया में साथियों को मिठाई खिला कर खुशी का इजहार किया। सपा नेता ने कहा कि भाजपा के कुशासन से ऊब कर मैनपुरी की जनता ने सपा को मतदान कर भाजपा के झूठ व बड़बोलेपन का करारा जबाव दिया हैं, यह आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सुखद संकेत हैं। इस अवसर पर जमील अंसारी नेता, रेहान हाशमी, सरस्वती गौतम, जफर आदिल खान, अमजद खान, उस्मानी खान, वारिस खान, सैय्यद शम्स,पप्पू खान, आसिफ खान,सलाउद्दीन सिद्दीकी, फिरोज खान, शीबू खान, सैय्यद शीबू, सज्जू खान,वारिस जाफरी,नसीम अंसारी साहब, विशेश्वर गौतम, जावेद खान, तफजील खान, अयान सिद्दीकी, शाहबबाबू खान, अयान खान आदि समाजवादी नेता मौजूद रहे।

वीडियो कांफ्रेसिंग से जुड़कर कराया शिकायतों का निस्तारण

जनसंदेश न्यूज

जनसंवाद

डीएम की पहल पर जनपद में प्रत्येक गुरुवार को आयोजित होता है जनसंवाद दिवस

160 असंतुष्ट शिकायतकताओं को सुनते हुए 106 का किया गया प्रभावी निस्तारण

ज्ञानपुर। जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा जनशिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने की दिशा में प्रत्येक वृहस्पतिवार जनसंवाद दिवस विभागवार समस्या निस्तारण हेतु विशेष दिवस का गुरुवार को सभी विभागों द्वारा आयोजन कर शिकायतों का प्रभावी निस्तारण किया गया। डीएम के पहल के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने जिला कन्ट्रोल रूम में बैठकर प्रत्येक ब्लाक के दस-दस पंचायत भवनों पर क्षेत्रीय लेखपाल, ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, एडीओ की उपस्थिति में 38 विभागों से सम्बन्धित शिकायकताओं से वीडियों कान्फ्रेसिंग द्वारा संवाद स्थापित करते हुए निस्तारित कर फीडबैक प्राप्त किया। जिलाधिकारी ने बताया कि आज पायलेट प्रोजेक्ट के शुरूआत के क्रम में 60 ग्राम पंचायत भवनों पर शिकायतकताओं से संवाद स्थापित किया गया।

अगले वृहस्पतिवार अन्य 60 ग्राम पंचायत भवनों पर तथा इसी तरह आने वाले दिनों में जनपद के सभी ग्राम पंचायत भवनों पर वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से सीधे शिकायतकर्ता उच्चाधिकारियों से जुड़ेंगे। समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली आइजीआरएस व अन्य शिकायती पोर्टल पर लम्बित वादों के निस्तारण के सम्बन्ध में असंतुष्ट फीडबैक वाले शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई कर त्वरित निस्तारण किया। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को सख्त निर्देश दिया कि किसी भी विभाग का कोई मामला डिफाल्टर, सी श्रेणी, रीपिटेड न हो, इस सन्दर्भ में लापरवाही व शिथिलता बरतने पर कड़ी कार्यवाही करते हुए उनके खिलाफ शासन को पत्र प्रेषित कर दिया जाएगा।

महिला को पुलिस ने किया परिजनों के हवाले

ज्ञानपुर। विवाहिता जघंई रेलवे स्टेशन सुरियावां के प्लेटफार्म पर मिली। सुरियावां रेलवे स्टेशन पर बीती रात एक विवाहिता उम्र 23 वर्ष घर से विवाद के कारण क्रोध में घर से निकल गई और रात में किसी ट्रेन से रेलवे स्टेशन सुरियावां के प्लेटफार्म पर बैठी थी। स्थानीय पुलिस सूचना देने पर पहुची और महिला से पूछताछ करके थाने ले गई और परिवार वालों को बुलाकर समझा-बुझाकर उसके साथ भेज दिया गया।

भाजपाजनों ने गुजरात की जीत पर मनाया जश्न

शाहगंज। गुजरात में बीजेपी की जीत पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। गुजरात विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड बहुमत की जीत का जश्न आतिशबाजी के साथ ढोल नगाड़ा भी बजाया गया। बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद भाजपा नेता रुपेश जायसवाल के नेतृत्व में बीजेपी नेता व कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। इस मौके पर संदीप जायसवाल, विशाल जायसवाल, ईशान राम जायसवाल, सोनू मोदनवाल, धीरज पाटिल, पंचम जायसवाल, किशन अग्रहरि, संतोष अग्रहरि, शानू गुप्ता, रितेश आदि मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

गुजरात विस जीत पर खुशी मनाते भाजपाई

ब्रेक फेल होने से रजवाहा मे घुसी कार, सवार जख्मी

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के जोहरपुर के समीप सरई मिश्रानी मार्ग पर देर रात मारुति कार बाहा मे चली गई। एक पेड़ से टकरा जाने से कार रुक गई घटना मे कार सवार विनय सिंह मामूली रुप से जख्मी हो गये। उनका इलाज निजी अस्पताल में कराया गया। जखाव गांव निवासी विनिय सिंह बुधवार की रात कार से वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गये थे। वापस घर लौटते समय ब्रेक फेल हो जाने से कार बाहा मे चली गई। संयोग अच्छा रहा कि कार पेड़ मे टकरा कर रुक गई जिससे पलटने से बच गई। घटना मे कार चला रहे विनय सिंह मामूली रुप से घायल हो गये उनका इलाज आनंद पाली क्लीनिक में कराया गया। गुरुवार को बाबा से कार निकाला गया।

उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था की बैठक

ज्ञानपुर। उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था शाखा भदोही के गठन हेतु 11 दिसंबर 2022 रविवार को 11.30 बजे दिन केपी कान्वेंट स्कूल ज्ञानपुर जिला पंचायत भवन के सामने में आहूत की गई है। सभी पेंशनर से अपील है कि समय पर बैठक में पहुचे। यह जानकारी डॉ. राजकुमार पाठक ने दी है।

श्रमिकों की बेटियों के हाथ होंगे पीले

ज्ञानपुर। निर्माण श्रमिकों के बेटियों के हाथ पीले होंगे। विभागीय अधिकारी कर्मचारी जोड़ा खोजने में लगे हैं। लगभग 500 जोड़े खोजने का लक्ष्य है। श्रम विभाग उत्तर प्रदेश के अंतर्गत गठित उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन गडौली धाम आश्रम कटका मिजार्पुर में प्रस्तावित है। कार्यक्रम में जनपद भदोही, मिजार्पुर एवं सोनभद्र के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से ऑनलाइन आवेदन के संलग्नको सहित करने के उपरांत ऑफलाइन आवेदन पत्र प्राप्त किए जा रहे हैं। ऐसे पंजीकृत निर्माण में जिनका श्रमिक पंजीयन 1 वर्ष पुराना हो अंशदान अद्यतन है जो अपनी पुत्री का विवाह सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कराने हेतु इच्छुक हैं। अपना आवेदन पत्र ऑनलाइन करने के उपरांत सहायक श्रम आयुक्त भदोही के कार्यालय में जमा करा सकते हैं। प्रस्तुत किए जाने वाले आवेदन पत्र के साथ निर्माण श्रमिक का पंजीयन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, परिवार रजिस्टर की नकल, राशन कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति, वर की आयु 21 वर्ष होने एवं पुत्री की आयु 18 वर्ष होने के संबंध में उम्र का प्रमाण पत्र के साथ विवाह निश्चित होने का प्रमाण पत्र आवश्यक अभिलेख अपलोड के साथ संलग्न कर प्रस्तुत किए जाएंगे। यह जानकारी कमलेश कुमार सहायक श्रम आयुक्त भदोही द्वारा दी गई है।

शोहदों से पूछताछ कर पुलिस ने भगाया

ज्ञानपुर। शासन द्वारा बालिकाओं महिलाओं की सुरक्षा व महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत डॉ. अनिल कुमार पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में महिलाओं बालिकाओं की सुरक्षार्थ जनपद में गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड द्वारा प्रतिदिन मंदिर भीड़.भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओं महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देश के क्रम में नारी सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन.शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानों मे गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा मंदिर भीड़.भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई। यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वुमेन पावर सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया। साथ ही सभी बालिकाओं महिलाओं को बताया गया कि सभी थानो में महिलाओ की सुरक्षा सहायता हेतु महिला हेल्पडेस्क बनाया गया है जहां पर महिला पुलिसकर्मियों द्वारा महिलाओं की शिकायत सुनी जाती है तथा समय से उनका निस्तारण कराया जायेगा। सभी बालिकाओं महिलाओं को हेल्पलाइन नम्बरों का निर्भीक होकर उपयोग करने हेतु तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में कार्य करने शिक्षा ग्रहण करने के लिये प्रेरित किया गया। साथ ही एंटी रोमियो स्क्वाड द्वारा आसपास बेवजह घूम रहे युवकों शोहदों से पूछताछ कर चेतावनी दी गयी तथा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की गयी।

कागजात के अभाव में दो ट्रक सीज

भदोही। औराई क्षेत्र अन्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग कोठरा व गोपीगंज थाना क्षेत्र में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अवैध बालू लदी ट्रकों पर कार्रवाई किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी लालबाबू दूबे व खनन अधिकारी पारस नाथ की संयुक्त टीम द्वारा वृहस्पतिवार को अल सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग कोठरा व गोपीगंज थाना क्षेत्र में बालू लदी ट्रकों की जांच पड़ताल किया गया। जिसमें कागजात के अभाव में दो ट्रकों को सीज व पांच ट्रकों का आनलाईन चालान हुआ। इस सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी लालबाबू दूबे ने बताया कि अवैध बालू लदी ट्रकों का सूचना मिली थी।

लोगों को रंगों से नहीं गुणों से परखना चाहिए

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। सेंटजॉन्स स्कूल सिद्दीकपुर की प्रार्थना सभा में कक्षा पाँच के विद्यार्थियों ने ईश्वर प्रार्थना एवं ईश्वरीय प्रेम पर अपने विशद विचार प्रस्तुत किए। कक्षाध्यापिका आराधना गुप्ता ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ईश्वर सदा हमारे साथ रहता है और जो भी करता है। हमारे हित के लिए करता है। विद्यार्थियों ने ज्वालामुखी विषय पर परियोजना प्रस्तुत की। प्रधानाचार्य ने बच्चों को प्रार्थना सभा के आयोजन एवं परियोजना प्रस्तुत करने के लिए धन्यवाद दिया और उनके परिश्रम की प्रशंसा की। फादर ने कहा कि जीवन में लोगों को परखना आसान नहीं होता। फिटकरी और मिश्री, कौआ और कोयल एक-से दिखते हैं पर उनके गुणों में बहुत अंतर होता है। ऐसे ही समाज में लोग भी होते हैं जिन्हें देखने से अच्छे बुरे की पहचान नहीं होती। परखने के लिए विवेक का होना जरूरी है। विवेक ईश्वर कृपा और गुरु कृपा से ही प्राप्त होता है। अतः ईश आशीष पाने के लिए नित्य प्रार्थना और गुरु कृपा के लिए विनम्रता पूर्वक गुरु की शिक्षाओं पर चलना जरूरी होता है।

जेब्रा के सामूहिक विवाह में सहयोग की अपील

जौनपुर। सामाजिक संस्था जेब्रा फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा 18 दिसम्बर को मोहम्मद हसन इण्टर कालेज परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह में सहयोग करने की अपील समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष/पूर्व विधायक लालबहादुर यादव ने की है। उन्होंने कहा कि दहेज समाज के लिए अभिशाप है। अनेक लड़कियों की शादी इसी कारण नहीं हो पा रही है। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिये मनुष्य की सोच में परिवर्तन लाना ही एक मात्र सार्थक प्रयास होगा और इसी सोच ने सामूहिक विवाह की सुन्दर विचारधारा को जन्म दिया है। श्री यादव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों में सभी वर्ग को मुक्तहस्त से आगे बढ़कर तन-मन-धन से सहयोग के लिये आगे आने की जरूरत है। विशाल कार्यक्रम एवं व्यवस्था में यथा संभव भागीदारी करने का प्रयास करें। बूँद-बूँद से घड़ा भर जाता है की अवधारणा को साकार करते हुए इस पुनीत कार्य को सफल बनाए।

शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित कर शिक्षकों ने की पुरानी पेंशन बहाली की मांग

नाराजगी

मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा, निकाला कैंडल मार्च

कैण्डल मार्च निकालते शिक्षक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ नवीन के प्रांतीय अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव के आह्वान पर जिला इकाई जौनपुर के पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष राज केसर यादव के नेतृत्व में जनपद के शिक्षक कर्मचारियों की ओर से गुरूवार को पेंशन शहीद डॉ. राम आशीष सिंह की छठें शहादत दिवस पर बीआरपी इंटर कॉलेज में श्रद्धांजलि सभा करते हुए शहीद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर कॉलेज से रोडवेज तिराहा होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर स्थित क्रांति स्तंभ तक कैंडल मार्च निकाला गया और वहीं पर शहीद होने वाले के सपने पुरानी पेंशन बहाली सहित 9 सूत्री मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित जिलाधिकारी को सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली ही सरकार की ओर से शहीद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धांजलि सभा में कॉलेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. चन्द्रसेन ने कहा कि पेंशन बहाल कराने के लिए संघर्ष करते हुए अपनी जान न्यौछावर करने वाले डॉक्टर रामाशीष सिंह की शहादत का ही परिणाम देश के विभिन्न राज्यों में पुरानी पेंशन बहाली के रूप में दिखाई देने लगा है। जिलाध्यक्ष राज केशर यादव ने कहा है कि आज हम शिक्षक कर्मचारी संकल्प लेते हैं कि जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती तब तक सरकार से हमारा संघर्ष अनवरत जारी रहेगा। श्रद्धांजलि सभा को जिला संरक्षक डॉ. सुनील कांत तिवारी, जिला मंत्री राम सूरत वर्मा, पूर्व जिला मंत्री शैलेंद्र सरोज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रसेन सहित अन्य लोगों ने शहीद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर सरकार से शहीद के पुरानी पेंशन बहाली के सपने को साकार करने की मांग की। कैंडल मार्च में नागेंद्र प्रसाद यादव, विनीत यादव, विजय प्रकाश गौतम, भूषण यादव, बाँकेलाल प्रजापति, टीडी सरोज, मनीष श्रीवास्तव, विनोद पाल, अनिल यादव आदि शिक्षक रहे।

11 हजार वोल्ट के सहारे है विद्युत पोल

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। नगर के मोहल्ला ताड़तले से तूतीपुर जाने वाले रोड पर 11 हजार वोल्ट तार के सहारे जर्जर विद्युत पोल महीनों से लटका पड़ा हुआ है। यह मोहल्ला घनी आबादी होने के कारण व सकरी गली होने से यहाँ से हर समय लोगों का आवागमन होता रहता है। इतना ही नहीं इस मार्ग से स्कूली वाहनों का आना-जाना भी लगा रहता है लेकिन विभाग आंखे मूंदकर बैठा है। विभाग की इस लापरवाही से कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। यहां पर स्थित पोल जिस तार के सहारे लटक रहा है उस पर 11 हजार वोल्ट की सप्लाई दौड़ रही है। इसकी जानकारी क्षेत्रीय विभागीय अधिकारियों से कई बार की जा चुकी है लेकिन जिम्मेदार टस से मस नहीं हो रहे है। विभाग द्वारा ऐसे मामलों में बरती गयी लापरवाही किसी दिन बड़ी घटना को निमंत्रण दे सकती है।

अपर मुख्य सचिव का विद्यालय में भव्य स्वागत

जनसंदेश न्यूज

सुजानगंज। जिले के सोनहिता गाँव निवासी कृपाशंकर सरोज अपर मुख्य सचिव पंजाब का बसरहीनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय पर भव्य स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री सरोज ने अपने जीवन के सफलता पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को बताया कि अभी से आप लक्ष्य बनाकर तैयारी करेगे तो निश्चित ही सफलता मिलेगी और हमें आईएएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनना है तो निश्चित रूप से कड़ी मेहनत की जरूरत है। प्रमुख वक्ताओं में प्रेमशंकर तिवारी, आलोक सिंह, सतीश तिवारी नेता, तेज बहादुर सरोज प्रधान तथा संस्थापक राम चन्दर तिवारी ने अपने विचारों को व्यक्त किया। स्कूल के प्रबंधक संतोष तिवारी पूर्व ब्लाक प्रमुख ने अपने संबोधन में बताया कि माता पिता अपने बच्चों की पढ़ाई के प्रति सचेत रहें उन्हें बराबर पढ़ने के लिए प्रेरित करें। जिससे उनका भविष्य उज्जवल मय हो सके। अन्त में प्रधानाचार्य धर्मेंद्र तिवारी ने आये हुए सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विजय कुमार तिवारी से.नि. क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी ने किया मुख्य अतिथि को प्रबंधक संतोष तिवारी ने अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षक एवं स्कूली बच्चों सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

अपर मुख्य सचिव का स्वागत करते लोग

जनसंदेश टाइम्स प्रा. लि. के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** 8/6 ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. -0532 - 2400063
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46202**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13.

नायब तहसीलदारों के कार्य आवंटित

मछलीशहर। उपजिलाधिकारी ने सभी नवनियुक्त नायब तहसीलदारों को कार्य आवंटित कर दिया है। मीना गौड़ को सुजानगंज, सूरज कुमार को मुंगरा व सन्तोष कुमार को कस्बा सर्किल का समस्त न्यायिक कार्य सौंपा गया है। इसके साथ सभी नायब तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्र के समस्त हाई कोर्ट, तहसील दिवस, भूलेख प्रकरण, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के प्रकरण, आईजीआरएस/ तहसील दिवसों के समस्त प्रकरणों का भी निस्तारण करायेंगे। इसके साथ ही समय समय पर सौंपे गये उच्चाधिकारियों द्वारा सौंपे गये समस्त कार्यों का सम्पादन करेंगे। तहसीलदार सुदर्शन कुमार पूर्व की भांति अपने न्यायिक व प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

डिंपल की जीत पर सपाइयों ने मनाया जश्न, फोड़े पटाखे

जौनपुर। करंजाकला क्षेत्र के सिद्दीकपुर बाजार में मैनपुरी लोकसभा के उपचुनाव पर व खतौली विधानसभा जीतने पर सपाइयों ने जश्न मनाया। पटाखे फोड़े मिठाइयां बांटी और एक दूसरे को बधाइयां दी। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव की ऐतिहासिक जीत पर व खटोली विधानसभा में सपा गठबंधन प्रत्याशी के जीतने की खुशी में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सपा नेता लालचंद यादव लाले के नेतृत्व में सपाइयों ने बाजार से कोटवार बाजार तक पैदल मार्च निकालकर पटाखे फोड़े और लोगों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और जश्न मनाया। उन्होने कहाकि मैनपुरी की जनता ने जाति धर्म भेदभाव से उठकर सपा के पक्ष में वोट किया है। वहां की जनता जीती है लोकतंत्र की लाज बची है, बाकी तो सत्ता पक्ष ने हराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा। इस मौके पर सपा नेता सदर विधानसभा अध्यक्ष गजराज यादव, करंजाकला अध्यक्ष अशोक यादव, आनंद गुप्ता, वीरेंद्र प्रधान, अनिल सिंह, रामनयन, दारा सिंह चौहान, जितेंद्र यादव, सुरेंद्र सिंह, नंदलाल गौतम, चंदन यादव, दिलीप प्रजापति मौजूद रहे।

अध्यक्ष समेत सभी सभासदों को किया गया सम्मानित

सम्मान

अधिशासी अधिकारी ने आयोजित किया कार्यक्रम

जनसंदेश न्यूज

नपं अध्यक्ष शबीना बानो को सम्मानित करते सीआरओ

मछलीशहर। नगर के कृपाशंकर नगर में अधिशासी अधिकारी द्वारा अपने आवास पर 2017 में चुने गए नगर पंचायत अध्यक्ष और सभासदों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया। सम्मान समारोह में पहुंचे सीआरओ और एसडीएम ने अध्यक्ष शबीना बानो और सभासदों को शील्ड और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। नगर पंचायत में अध्यक्ष के अलावा 15 चुने हुए और 3 नामित सभासद है। बताते है कि अधिशासी अधिकारी बृज किशोर सिंह गौड़ ने 2017 के निकाय चुनाव में विजयी अध्यक्ष और सभासदों द्वारा पूरे मन से नगर पंचायत का चहुमुखी विकास करने और हर वक्त विकास की सोच रखने की सराहना करते हुए एक नई पहल करते हुए सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस दौरान सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सीआरओ राज किशोर द्वारा नगर पंचायत के अध्यक्ष समेत सभी सभासदों को शील्ड और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सीआरओ ने कहा कि आप लोगों के अथक प्रयास का ही नतीजा रहा कि नगर में हर जगह विकास की किरण पहुंची है। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया ने कहा कि आप लोगों के प्रयास से ही नगर का विकास हो सका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सभासद इश्तियाक अहमद और संचालन राजकुमार पटवा ने किया। इस मौके पर नगर पंचायत के सभी सभासदों के अलावा नगर के सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

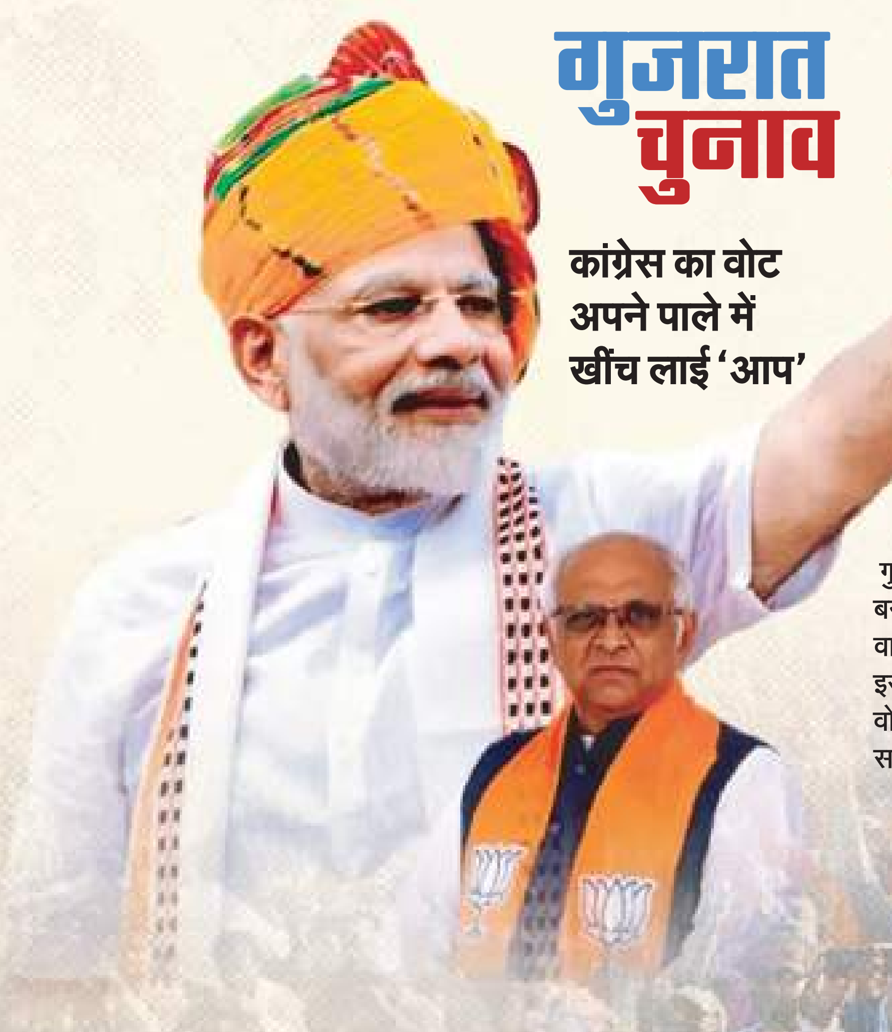

गुजरात चुनाव

कांग्रेस का वोट अपने पाले में खींच लाई 'आप'

हिन्दुत्व और विकास का मॉडल ही जीत की रही कुंजी

बाहरी बनाम भीतरी की रणनीति भी रही कामयाब

गुजरात में भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम की सुनामी के अलावा अगर कोई बड़ा कारण है तो वह है पूरे चुनाव को बाहरी बनाम भीतरी करने की भाजपा की कामयाब रणनीति। साथ ही भाजपा ने गुजरात मॉडल के रूप में हिंदुत्व और विकास का ऐसा पैकेज लोगों को दिया कि वोट देने वाले आधे से अधिक लोगों ने सिर्फ कमल का बटन ही दबाया। 'आप' ने यहां मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की बजाय सीधे कांग्रेस के वोट को दो-फाड़ कर दिया। इस कारण भाजपा ने गुजरात में सीट और वोट दोनों का एक नया रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। एक यह भी कि भाजपा का धनी वर्ग में जो प्रभाव है, वह कई वर्ग के वोटरों को प्रभावित करता है। लोग इतने साल के शासन में खुलकर कुछ कहने से गुरेज करते हैं। इन नतीजों को आठ सवाल-जवाब के माध्यम से जाना जा सकता है। गुजरात चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के क्या कारण रहे। साथ ही भविष्य की राजनीति को ये चुनाव कितना और कैसे प्रभावित करेगा?

गुजरात से 'आप' ने राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल किया

पांच सीटें जीतीं, 35 पर दूसरे स्थान पर रही, 40 लाख मत मिले

दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने चुनाव के पहले काफी सीटें जीतने का दावा किया, लेकिन वह सफल नहीं हुए और अंत में पांच सीटें ही उनकी पार्टी को मिली। इसके बावजूद 13 फीसदी मत पाकर उन्होंने अपनी हाजिरी दर्ज कराई। पहली नजर में लगता है कि अरविंद केजरीवाल की बात गलत साबित हुई, लेकिन ये गणित इतना सपाट भी नहीं है। झाड़ू को वोट देने वाले गुजराती 0.62% से बढ़कर 12.9% हो गए। गुजरात की कुल 182 सीटों में से 35 सीटों पर आम आदमी पार्टी दूसरे नंबर पर रही। जीती और दूसरे नंबर की सीट को मिला लें तो यह संख्या 40 हो जाती है। यानी गुजरात की 22% विधानसभा सीटों पर अअढ ने अपनी छोड़ी है। 2022 की जबरदस्त जीत से पहले पंजाब में भी आम आदमी पार्टी ने 2017 में करीब-करीब इसी तरह घुसपैठ की थी। 2017 के पंजाब चुनाव में आम आदमी पार्टी 20 सीटों पर नंबर एक पर, 27 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी। ठीक अगले चुनाव में कुल 117 सीटों में से रिकॉर्ड 92 सीटें जीतकर आप ने सरकार बना ली।

कांग्रेस का 12% वोट आप को ट्रांसफर

गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मैदान छोड़ने से आप को सीधा फायदा मिला। 2017 के चुनाव में कांग्रेस का वोट शेयर 42.97% था, जबकि 2022 के चुनाव कांग्रेस को वोट शेयर घटकर 27% हो गया है। वहीं 2017 में आप का वोट शेयर 0.62% था, जो इस चुनाव में बढ़कर 12.9% हो गया है। माना जा रहा है कि कांग्रेस का वोट शेयर जो घटा है, वो आप को ट्रांसफर हो गया है। इसी के चलते आप भले ही 5 सीटें जीती हों, लेकिन 36 सीटों पर वह दूसरे नंबर पर रही है। यानी गुजरात में आप अब विपक्ष का दर्जा हासिल करने की ओर बढ़ रही है।

आखिर गुजरात चुनाव से देश की राजनीति पर क्या असर?

गुजरात में 27 साल से भाजपा की सरकार है। एंटी इनकम्बेंसी से निपटने के लिए चुनाव से एक साल पहले मुख्यमंत्री और सारे मंत्रियों को बदल दिया गया। इसका असर रिजल्ट में ऐतिहासिक जीत के रूप में दिखा। ऐसे में अगले साल मध्य प्रदेश में होने वाले चुनाव समेत भाजपा शासित राज्यों में ये प्रयोग देखने को मिल सकता है। साथ ही मोदी-शाह की जोड़ी पर देश और भाजपा का विश्वास और बढ़ा है। इससे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अपने एजेंडे पर तेजी से बढ़ेगी।

1-भाजपा की इस तारीखी जीत का सबसे बड़ा कारण क्या है?

मोदी की लहर नहीं, सुनामी। इसका मुख्य कारण रहा लोगों में बाहरी बनाम भीतरी का मुद्दा। कांग्रेस कोई लोकल चेहरा नहीं खड़ा कर पाई और आप अरविंद केजरीवाल के फेस पर ही गुजरात गई। इसीलिए पिछली बार से कम वोटिंग के बावजूद भाजपा को ऐतिहासिक वोट (52.5%) और सीट (157) मिले।

2. क्या मोदी के दम पर इतनी बड़ी जीत संभव है?

2014 में मोदी पीएम बने। गुजराती आज भी मानते हैं कि मोदी गुजरात में ही हैं। उन्हें वह अपने प्राइड से जोड़कर देखता है। गुजरातियों को लगता है कि मोदी ने गुजरात आकर कह दिया है तो अब इसके बाद किसी की बात सुनने की जरूरत नहीं। इस बार मोदी ने अहमदाबाद में सबसे लंबा 54 किलोमीटर का रोड शो, तीन और रोड शो, साथ ही 31 सभाएं कीं। 95% इलाकों में बीजेपी को जीत मिली है, लेकिन ये कहना गलत होगा कि ये सिर्फ मोदी के दम पर है।

3-फिर भाजपा की सबसे बड़ी रणनीति क्या रही?

हिंदुत्व और विकास का पैकेज। सभी जानते हैं कि हिंदुत्व की प्रयोगशाला गुजरात से शुरू हुई थी। 2002 के गोधरा दंगों के बाद भाजपा ने हिंदुत्व के मुद्दे पर 127 सीटों के साथ ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। फिर 2003 में वाइब्रेंट गुजरात समिट की शुरूआत की। विकास का नया गुजरात मॉडल बनाया। फिर राम मंदिर, तीन तलाक और धारा 370 का खात्मा।

4-गुजरात में आप का दिल्ली मॉडल क्यों नहीं चला?

बिजली बिल माफ, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और मुफ्त अच्छी शिक्षा आप के दिल्ली मॉडल का मुख्य हिस्सा है। गुजरातियों को भाजपा ये समझाने में कामयाब रही कि मुफ्त का कुछ भी नहीं चाहिए। फिर भाजपा ने दिल्ली मॉडल के मुकाबले गुजरात मॉडल की वकालत की और उसे गुजरात प्राइड से जोड़ दिया। यानी गुजरात मॉडल को गुजरातियों का मॉडल बना दिया।

5-क्या आप की पूरी रणनीति फेल हो गई?

नहीं, ऐसा नहीं है। आप की रणनीति का एक मुख्य हिस्सा था कि गुजरात में चुनाव के जरिए राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना। करीब 13% वोट मिलने के साथ उसे ये दर्जा मिल जाएगा।

6-आप के लड़ने से किसे फायदा-नुकसान हुआ?

2017 में कांग्रेस का वोट शेयर 41% था, जो घटकर 28% रह गया है। उसके 13% वोट कम हो गए। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी को 13% वोट ही मिले हैं। पहली नजर में स्पष्ट होता है कि भाजपा के खिलाफ वाले 41% वोट ही दो भागों में बंट गए। हालांकि भीतरी तौर पर दूसरे कारण भी हैं।

7-अगर आप नहीं आती तो भाजपा की सरकार नहीं बनती?

ऐसा भी नहीं है। भाजपा को ऐतिहासिक 53% वोट मिले हैं। ऐसे में सारे विपक्षी वोट किसी एक पार्टी को भी मिलते तो भी भाजपा को सरकार बनाने में कोई परेशानी नहीं होती। हां, वोट शेयर और सीट में कमी जरूर आती। 2017 में भाजपा का वोट शेयर 49% था, जो बढ़कर 53% हो गया है।

8. कांग्रेस ने सबसे बड़ी चूक क्या की?

कांग्रेस ने पहले दिन से ही यह रणनीति अपना ली थी कि गांधी परिवार के सदस्य गुजरात के चुनाव प्रचार से दूर रहेंगे। राहुल ने भी एक दिन में सिर्फ दो सभाएं ही कीं। स्थानीय नेता और लोकल लेवल का प्रचार कांग्रेस की रणनीति थी, लेकिन ये पूरी तरह गलत साबित हुई। इससे ग्रामीण इलाकों में भी कांग्रेस बुरी तरह हारी, जो उसका गढ़ माना जाता था। वह दरअसल, चुनाव गंभीरता से लड़ ही नहीं रही थी।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी शानदार ढंग से वापसी करते हुए 40 सीटें जीत लीं। वहीं, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के खाते में 25 सीटें ही आईं। तीन निर्दलीयों ने जीती। ये तब हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश में लगातार कई रैलियां कीं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद हिमाचल प्रदेश से आते हैं। बीजेपी ने अपने चुनाव अभियान में नारा दिया था, 'सरकार नहीं रिवाज बदलेंगे' लेकिन चुनाव के नतीजों ने रिवाज तो नहीं बदले, सरकार ही बदल दिया। पांच साल के बाद सत्ता को हटा देने का रिवाज इस बार भी रहा। अब सवाल है कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में वापसी करने में कैसे सफल रही और वो कौन सी वजहें रहीं जिनका बीजेपी को नुकसान और कांग्रेस को फायदा हुआ।

नहीं बदला रिवाज, सत्ता ने फिर बदली चाल

1-पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने का वादा

कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि वो राज्य में पुरानी पेंशन स्कीम को शुरू करेगी। ये एक ऐसा मुद्दा है जो हिमाचल प्रदेश की ग्रामीण और शहरी आबादी दोनों के लिए काफी अहम है। क्योंकि हिमाचल प्रदेश में लगभग ढाई लाख सरकारी कर्मचारी हैं जिनमें से डेढ़ लाख कर्मचारियों पर नयी पेंशन स्कीम लागू होती है। हालांकि, बीजेपी इस मसले पर स्पष्ट रूप से किसी तरह की पेशकश करती नहीं दिखी. लेकिन अब सवाल है कि कांग्रेस अपने इस चुनावी वादे को कैसे पूरा करेगी? जानकारी के मुताबिक, पिछले पांच सालों में हिमाचल प्रदेश सरकार का खर्च 17 हजार करोड़ से बढ़कर 22 हजार करोड़ के पार चला गया है। हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति की ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2020-21 में सरकार का ब्याज, वेतन, मजदूरी और पेंशन आदि पर खर्च 22,464.51 करोड़ रहा जो 2016-17 में 17,164.75 करोड़ रुपये था।

ये खर्च सरकार को होने वाली कमाई का 67.19 फीसद है जो पांच साल पहले तक 65.31 फीसद था। अगर कांग्रेस पेंशन स्कीम का चुनावी वादा पूरा करती है तो सरकार पर पड़ने वाला आर्थिक दबाव बढ़ जाएगा। यही नहीं, विकास से जुड़ी योजनाओं के लिए भी राज्य सरकार को खर्च करना होगा। ऐसे में देखना ये होगा कि राज्य सरकार विकास से जुड़ी योजनाओं को तरजीह देगी या पुरानी पेंशन स्कीम को। जानकारों के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश में, कांग्रेस की जीत में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने के वादे ने मौखिक चुनावी अभियान का काम किया। क्योंकि कांग्रेस ने सत्ता में आते ही ये स्कीम बहाल करने का वादा किया है। इसके अलावा हिमाचल में कांग्रेस के पूरे कैंपेन में कोई बड़ा चेहरा नहीं था, तो ऐसे में ओपीएस का मुद्दा कमजोर नहीं पड़ा जिसने जमीन पर कांग्रेस के स्थानीय नेताओं की खूब मदद की।

2-अग्निवीर स्कीम पर गुस्सा

इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी को केंद्र सरकार की अग्निवीर स्कीम से भी मदद मिलती दिखी। हिमाचल प्रदेश में हर साल हजारों युवा भारतीय सेना की भर्ती होने का प्रयास करते हैं। लेकिन केंद्र सरकार की अग्निवीर स्कीम ने इस समीकरण को एकाएक बदल दिया है। चुनाव से ठीक पहले बीजेपी में शामिल होने वाले मेजर विजय मनकोटिया ने भी इस स्कीम को लेकर अपनी चिंता जाहिर की थी। यूपी से लेकर बिहार समेत कई अन्य राज्यों में इस स्कीम को लेकर खुलकर विरोध प्रदर्शन और आगजनी देखी गयी। हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में भी इसे लेकर स्पष्ट रूप से नाराजगी का भाव था।

हिमाचल प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सेना की नौकरियां एक अहम भूमिका निभाती है। इसके अलावा महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी लोगों में काफी रोष था। कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना और मंडी में अग्निवीर भी बड़ा मुद्दा था। क्योंकि यहां से फौज में काफी परिवार है। कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में सबसे ज्यादा फायदा मिला। वहां सबसे ज्यादा विधानसभा सीटें हैं और वहां से होकर ही हिमाचल प्रदेश की सत्ता का रास्ता जाता है।

3-सुनियोजित चुनाव अभियान

इस चुनाव में कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जबकि बीजेपी गुजरात या दूसरे तमाम चुनावों की तरह नरेंद्र मोदी की 'लार्जर दैन लाइफ' इमेज के भरोसे चुनाव लड़ती दिखाई दी। इस चुनाव में बीजेपी सत्ता विरोधी लहर का सामना भी कर रही थी। हिमाचल प्रदेश के हालिया इतिहास पर नजर डालें तो यहां की जनता हर पांच साल में सरकार बदलती आई है। बीजेपी ने इसे ध्यान में रखते हुए अपने चुनाव अभियान में 'सरकार नहीं, रिवाज बदलेंगे' का नारा दिया था. लेकिन इसके बाद भी बीजेपी को मोदी, अमित शाह, और जेपी नड्डा के तमाम दौरों का फायदा नहीं मिला। कांग्रेस ने इस बार वीरभद्र सिंह की विरासत पर चुनाव लड़ा। मतदाताओं से एक भावनात्मक संबंध बनाने की कोशिश की, उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाया और एक तरह से वीरभद्र सिंह के लिए श्रद्धांजलि के रूप में वोट मांगे गए। यही नहीं, कांग्रेस नेताओं ने स्थानीय नेताओं को जगह दी और दिल्ली के चेहरों पर चुनाव लड़ने का फैसला नहीं किया।

4-धूमल खेमे की उदासीनता

हिमाचल प्रदेश में बीजेपी को धूमल खेमे की उदासीनता का भी नुकसान उठाना पड़ा। प्रेम कुमार धूमल अब तक दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। लेकिन इस बार उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। उनसे कई पत्रकारों ने पूछा कि क्या वो नाराज हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा है कि वह पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता हैं। साल 2017 में चुनाव हारने के बाद जयराम ठाकुर को उनकी जगह मुख्यमंत्री पद की ज़िम्मेदारी दी गयी. उनके बेटे अनुराग ठाकुर को केंद्र सरकार और छोटे बेटे अरुण धूमल को बीसीसीआई में अहम ज़िम्मेदारी मिली। प्रेम कुमार धूमल की हिमाचल की राजनीति में अभी भी एक खास जगह बनी हुई है। उनके बेटे अनुराग ठाकुर केंद्र में एक अहम ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं। इसके बाद भी जयराम ठाकुर की ओर से धूमल को खास तवज्जो नहीं दी गयी और धूमल खेमा लगातार ये कहता भी रहा।

5-बीजेपी के बागी विधायक

बीजेपी को इस चुनाव में जिस समस्या का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ा वो शायद पार्टी के अंदर अंतर्कलह थी। इस चुनाव में बीजेपी को आपसी झगड़ों का बहुत नुकसान हुआ। कम से कम दस विधायकों के टिकट काटे गए, उनमें से ज्यादातर बागी हो गए और कुल बागियों की संख्या 19 से 21 के बीच रही है। जबकि कांग्रेस के बागियों की संख्या 10-12 के आसपास रही है।

'पड़ोसन' के प्रेम त्रिकोण ने दर्शकों को झकझोरा

राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का चौथा दिन

वाराणसी। समाज मे व्याप्त संबंधों में अंतर्द्वंद विरोधाभास एवं प्रेम की परिभाषा पर आधारित सामाजिक नाटक पड़ोसन का मंचन नागरी नाटक मंडली कबीरचौरा प्रेक्षागृह में साकार हुआ। सिली सोल्स थियेटर ग्रुप नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत नाटक पड़ोसन में कलाकारों के अभिनय के माध्यम से सभी को प्रभावित किया। आधुनिक समाज के तीन शिक्षित युवाओं प्रेम इसका मित्र राहुल एवं तीसरी दोस्त लड़की माया इन तीनों के मध्य संबंधों का प्रेम त्रिकोण जिसमे कैरियर अर्थात सफलता तथा आदर्शों के साथ साथ, अंतर्विरोध एवं द्वंद की स्थिति बन जाने की समस्या का चित्रण इस नाटक में गहराई से किया गया है । नाटक के कथासार में दोनो दोस्त प्रेम एवं राहुल साथ- साथ एक कमरे में रहते हैं जहां इसी अपार्टमेंट में बगल में रहने वाली ब्लैक बेल्ट प्राप्त खिलाड़ी लड़की माया भी रहती है और इनसे मिलने आ जाती है । प्रेम को पहली नजर में माया से प्यार हो जाता है। दोनों दोस्त मिलकर आदर्शवादी मैगजीन परिवर्तन टाइम्स निकालते हैं। आर्थिक तंगी भी है किंतु उत्साह है दोनों में मगर अब प्रेम का ध्यान अब मैगजीन के लिये आर्टिकल लेखन में नहीं लगता हैं यह राहुल समझ कर प्रेम को लताड़ता है कि तेरा ध्यान मात्र मैगजीन पर होना चाहिए कितनी संघर्षो से इस मैगजीन को स्थापित कर पाया है। राहुल प्रेम को कहता है कि होश में आओ जिस लड़की को तू ठीक से जानता भी नहीं है उसके चक्कर मे अपने काम को मत त्याग । लेकिन रोचक मोड़ तब आता है जब माया प्रेम के का साथ न देकर राहुल के प्रेम में पड़ जाती हैं और इस सब में प्रेम अकेला पड़ जाता है और उसका मन न प्यार में रम पाता है और न अपने काम मे। इस प्रकार भावनाओं और यर्थात के मध्य की रस्साकशी इस नाटक को पूर्ण करती है।

विविध पात्रों की भूमिकाओं में राहुल की भूमिका में अखिल गौतम तथा प्रेम की भूमिका में नरेश एवं माया की भूमिका में सुश्री निकिता रावत थीं जिन्होंने अपने अभिनय से सभी को प्रभावित किया। संगीत संचालन अभय सिंह का रहा एवं प्रोडक्शन में मुख्य योगदान कपिल का रहा तथा डिजाइन एवं निर्देशन प्रियंका शर्मा का था । अंत मे निदेशिका प्रियंका शर्मा का सम्मान अंगवस्त्रम प्रदान कर किया गया।